शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 247 | गुवाहाटी | बुधवार, 9 अप्रैल, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भारत भक्ति को आगे रखते हुए सारी विविधता का सम्मान करो : भागवत पेज 2
प्रमोद बोड़ो ने बहुभाषी शब्द पुस्तक का किया विमोचन पेज 3
बिहार में नौकरियों की बहार, 27,370 पदों पर नियुक्ति के प्रस्ताव पर मंत्रिमंडल की मुहर पेज 5
हॉकी इंडिया ने खिलाड़ियों की देखभाल के लिए तैनात किया अतिरिक्त सपोर्ट स्टाफ पेज 7

देशभर में वक्फ संशोधन अधिनियम लागू, केंद्र ने जारी की अधिसूचना

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन अधिनियम आज से देशभर में लागू हो गया है। केंद्र सरकार ने अधिसूचना जारी की है कि वक्फ अधिनियम को आठ अप्रैल से प्रभावी कर दिया गया है। पिछले सप्ताह संसद और राष्ट्रपति ने दी वक्फ संशोधन अधिनियम को मंजूरी दी थी। इसके बाद यह तय नहीं था कि नया कानून कब से लागू होगा। मंगलवार को केंद्र सरकार ने अधिसूचना जारी करते हुए कहा कि वक्फ संशोधन कानून आठ अप्रैल से प्रभावी होगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पांच अप्रैल को वक्फ संशोधन अधिनियम को मंजूरी दी थी। इसे बजट सत्र के दौरान संसद ने पारित किया था। कानून मंत्रालय की अधिसूचना में कहा गया था कि राष्ट्रपति ने दोनों विधेयकों को अपनी मंजूरी दे दी है। चार अप्रैल को राज्यसभा ने विधेयक के पक्ष में 128 और विपक्ष में 95 मतों से इसे पारित किया था, जबकि लोकसभा ने लंबी बहस के बाद तीन अप्रैल को विधेयक को मंजूरी दे दी थी। यहां 288 सांसदों ने इसके पक्ष में और 232 ने इसके विरोध में मतदान किया था। वक्फ कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में कुल 10 से अधिक याचिकाएं दायर की गई हैं, जिनमें राजनेताओं, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और जमीयत -शेष पृष्ठ दो पर

मुर्शिदाबाद में प्रदर्शन के दौरान हिंसा प्रदर्शनकारियों ने फूंकी गाड़ियां

मुर्शिदाबाद। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़क गई। सड़क जाम करने से रोकने पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने पुलिस वाहनों में तोड़फोड़ की और आग लगा दी। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को शांत करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। क्षेत्र में बड़ी संख्या में पुलिस बल -शेष पृष्ठ दो पर

वक्फ कानून के खिलाफ दायर याचिका पर 16 को सुनवाई करेगा एससी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए वक्फ संशोधन कानून 2025 के खिलाफ दाखिल याचिका पर 16 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी।सोमवार को जमीयत उलमा-ए-हिंद की ओर से पेश होते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया संजीव खन्ना से इस मामले की शीघ्र सुनवाई करने का अनुरोध किया था। जिसके बाद चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने कपिल सिब्बल को आश्वासन दिया था कि वे जल्द ही इसकी तारीख तय करेंगे। सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार की ओर से एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड फुजैल अय्यूबी को दी गई जानकारी के अनुसार, मौलाना अरशद मदनी की ओर से दाखिल याचिका पर 16 अप्रैल को सुनवाई होगी। -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

सुख का मुख्य सिध्दांत स्वास्थ्य है और स्वास्थ्य का मुख्य सिध्दांत कसरत।

-टामसन

असम बना देश का तीसरा सबसे तेजी से विकास करने वाला राज्य : सीएम

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के अनुसार, असम भारत में तीसरा सबसे तेजी से विकास करने वाला राज्य बन गया है, जिसने स्थिर मूल्यों पर 7.94 प्रतिशत जीडीपी विकास दर हासिल की है। यह घोषणा राज्य के उल्लेखनीय आर्थिक परिवर्तन को उजागर करती है, जो निवेशक समर्थक नीतियों और बुनियादी ढांचे, संस्थानों और व्यक्तियों में निरंतर निवेश द्वारा संचालित है। एक ट्वीट में, सीएम शर्मा ने राज्य की प्रगति पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि असम अब भारत का तीसरा सबसे तेजी से बढ़ने वाला राज्य है, जिसकी जीडीपी विकास दर स्थिर कीमतों पर 7.94 प्रतिशत है। हमारी निवेशक-समर्थक नीतियां और बुनियादी ढांचे, संस्थानों और व्यक्तियों में निरंतर निवेश इस विकास को आगे बढ़ा रहे हैं। कुछ साल पहले, यह अकल्पनीय था। हाल के वर्षों में राज्य का तेजी से विकास स्पष्ट है, क्योंकि असम ने लगातार प्रभावशाली विकास के आंकड़े दर्ज किए हैं। इस महीने की शुरुआत में असम विधानसभा को संबोधित करते हुए शर्मा ने खुलासा किया कि असम 14-15 प्रतिशत की विकास दर दर्ज कर रहा है, जो राष्ट्रीय औसत 9-10 प्रतिशत से कहीं ज़्यादा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि असम अब देश के शीर्ष पांच सबसे तेजी से विकास करने वाले राज्यों में से एक है। मुख्यमंत्री ने एडवांटेज असम 2.0 शिखर सम्मेलन की सफलता की ओर भी इशारा किया, जिसने राज्य की बढ़ती आर्थिक स्थिति को और भी अधिक प्रदर्शित किया। इसके अतिरिक्त, असम का पूंजीगत व्यय 2015-16 में 2,951 करोड़ से बढ़कर 2024-25 में अनुमानित 24,964 करोड़ हो गया है, जो विकास व्यय में भारी वृद्धि को दर्शाता है। शर्मा ने कहा कि इससे असम पूंजी निवेश में शीर्ष राज्यों में से एक बन गया है। राज्य की वित्तीय मजबूती पर प्रकाश डालते हुए शर्मा ने कहा कि असम का ऋण-जीडीपी अनुपात 25 प्रतिशत है और 17 लाभदायक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) 40,000 करोड़ की सामूहिक शुद्ध संपत्ति का योगदान करते हैं। इसके अलावा, राज्य के पास 58,000 करोड़ की संपत्ति है जिसे जरूरत पड़ने पर बेचा जा सकता है।

क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर ने काजीरंगा में जीप सफारी की

काजीरंगा। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान की यात्रा के अपने अनुभव को शानदार बताया और लोगों से कम से कम एक बार प्रसिद्ध एक सींग वाले गैंडे के निवास स्थान पर जाने को कहा। सचिन, जिन्हें अक्सर *क्रिकेट का भगवान* कहा जाता है, मैघालय में छुट्टियां मनाने के बाद कल (7 अप्रैल) काजीरंगा पहुंचे थे। मास्टर-ब्लास्टर, अपनी पत्नी अंजलि और बैटी सारा तथा कुछ अन्य पारिवारिक सदस्यों के साथ आए हैं। उन्होंने आज अपनी बैटी के साथ पार्क मैं जीप सफारी का आनंद लिया और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध वन्यजीव अभयारण्य मैं घूमने के अपने अनुभव को शानदार बताया। उन्होंने आज मीडियाकर्मियों से कहा कि यह एक शानदार अनुभव था। -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

गुवाहाटी में रात 11 बजे तक खुली रहेंगी शराब की दुकाने

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी शहर में शराब की बिक्री और परोसने के समय को लेकर बड़ा फैसला लिया गया है। असम आबकारी विभाग ने नए निर्देश जारी कर शराब दुकानों और बार-रेस्तरां को अब तय समय से देर तक खुला रखने की अनुमति दी है। नए आदेश के अनुसार, आईएमएफएल -शेष पृष्ठ दो पर

जयपुर ब्लास्ट : 17 साल बाद सजा का एलान को आजीवन कारावास

जयपुर। 2008 के जयपुर बम विस्फोट मामलों की सुनवाई कर रही विशेष अदालत ने सभी चार दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। चारों आतंकियों- सरवर आजमी, सैफुर रहमान, मोहम्मद सैफ और शाहबाज अहमद को अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इससे पहले 4 अप्रैल को बम विस्फोट मामलों की विशेष अदालत के न्यायाधीश रमेश कुमार -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य सरकार प्रत्येक बिहू समितियों को देगी 1.5 लाख रुपए : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम सरकार ने अपनी वार्षिक वित्तीय सहायता पहल के तहत राज्य भर में 3,000 बिहू समितियों के लिए प्रत्येक को 1.5 लाख रुपए मंजूर किए हैं, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने घोषणा की। नई दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्त विभाग द्वारा धनराशि स्वीकृत कर दी गई है और अगले दो से तीन दिनों में धनराशि वितरित कर दी जाएगी। शर्मा ने कहा कि आज हमने वित्त विभाग से बिहू समितियों -शेष पृष्ठ दो पर

बिजनी में नए एडीसी प्रभारी अर्जित महाजन ने कार्यभार संभाला

बिजनी। अर्जित महाजन, आईएएस (आरआर : 22) ने मंगलवार को बिजनी के नए अतिरिक्त जिला आयुक्त प्रभारी के रूप में कार्यभार संभाला। इस पद पर आने से पहले, महाजन डिब्रूगढ़ के एसडीओ (एस) के रूप में कार्यरत थे। कृति चाचरा, आईएएस (आरआर: 21), जो पहले बिजनी के एडीसी प्रभारी के रूप में कार्यरत थीं, को असम सरकार, आवास और शहरी मामलों के विभाग में उप सचिव के रूप में स्थानांतरित किया गया है और उन्हें गुवाहाटी नगर निगम में संयुक्त आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया है।

बिहार, बंगाल और तमिलनाडु पर शाह का पूरा फोकस, हर महीने करेंगे दो-दो दिन का दौरा

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तीन चुनावी राज्यों- बिहार, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में हर महीने दो दिन बिताएंगे, ताकि भाजपा के अभियान प्रयासों का समन्वय किया जा सके। इन तीनों राज्यों में भगवा पार्टी के लिए बहुत कुछ दांव पर लगा है। पश्चिम बंगाल में, जहां मार्च-अप्रैल 2026 में विधानसभा चुनाव होने की उम्मीद है, भाजपा तृणमूल कांग्रेस से सत्ता छीनने की इच्छुक है। 2021 के विधानसभा चुनावों में पार्टी ने 294 में से 77 सीटें जीतीं। बिहार में इस साल के अंत में चुनाव होने हैं, जहां भाजपा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जेडी(यू) के साथ गठबंधन में है। ऐसी अफवाहें हैं कि भाजपा अगर पर्याप्त सीटें जीतती है तो वह नीतीश को हटाकर अपना खुद का मुख्यमंत्री बनाना चाहती है। तमिलनाडु में, जहां मौजूदा विधानसभा में भाजपा के चार सदस्य हैं, पार्टी चुनाव पूर्व गठबंधन के लिए एआईएडीएमके के साथ बातचीत कर रही है। रिपोर्ट के अनुसार, शाह इन राज्यों में चुनाव -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम मुद्रा योजना के दस साल पूरे, नड्डा ने जताया आभार

नई दिल्ली (हि.स.)। *प्रधानमंत्री मुद्रा योजना* के आज दस साल पूरे हो गए। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि यह योजना छोटे उद्योगों को आत्मनिर्भर एवं सशक्त करने में अत्यंत प्रभावी रही है। नड्डा ने मंगलवार को एक्स पर तस्वीरें साझा कर लिखा कि 08 अप्रैल 2015 को आरंभ प्रधानमंत्री मुद्रा योजना छोटे उद्योगों को आत्मनिर्भर एवं सशक्त करने में अत्यंत प्रभावी रही है। इसके अंतर्गत 52 -शेष पृष्ठ दो पर

अरुणाचल में सरकारी कार्यालय से ड्रग सप्लायर गिरफ्तार, हेरोइन बरामद

इटानगर। अरुणाचल में इटानगर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने मादक पदार्थ विरोधी अभियान *ऑपरेशन डॉन 2.0* के तहत इटानगर सिविल सचिवालय परिसर से एक ड्रग सप्लायर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 44.36 ग्राम हेरोइन बरामद की है। जब्त की गई हेरोइन की बाजार कीमत लगभग 3.7 लाख रुपए है। इटानगर पुलिस अधीक्षक (एसपी) रोहित राजबीर सिंह ने मंगलवार को गिरफ्तार ड्रग सप्लायर के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संदिग्ध सप्लायर वर्तमान में राज्य बागवानी विभाग में मल्टी-टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) के रूप में कार्यरत है। उन्होंने बताया कि संदिग्ध कथित तौर पर उच्च सुरक्षा वाले सरकारी परिसर में मादक पदार्थ बेचने का प्रयास कर रहा था। एसपी सिंह के अनुसार, सचिवालय के एक कर्मचारी ने सोमवार को ड्रग सप्लायर के पकड़े जाने के संबंध में सूचना दी। उसने पुलिस को बताया -शेष पृष्ठ दो पर

मोदी मंत्रिमंडल की अहम बैठक आज, 15 राज्यों पर होगा फोकस

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक को लेकर एक जानकारी सामने आई है। अधिकारियों के अनुसार, 9 अप्रैल को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक होने की संभावना है। इस बीच, 5 अप्रैल को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के दूसरे चरण को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा इस इस बैठक में गांव के विकास को लेकर चर्चा होगी। ये बैठक सीमावर्ती गांवों के लिए बेहतर जीवन स्तर सुनिश्चित करेगी। एक्स पर बात करते हुए, पीएम मोदी ने बैठक के बारे में चर्चा करते हुए बताया कि सरकार दूसरे चरण में इस कार्यक्रम के तहत शामिल गांवों के दायरे का विस्तार कर रही है। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-2 पर कैबिनेट का -शेष पृष्ठ दो पर

मैं जिंदा हूं और आ रही हूं : शेख हसीना

ढाका। बांग्लादेश की निर्वासित पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने पहली बार मोहम्मद यूनुस और अंतरिम सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। हसीना ने यूनुस को चोर और बांग्लादेश की सरकार को आतंकवादियों की सरकार बताया है। हसीना ने जल्द बांग्लादेश वापस लौटने की भी बात कही है। सोशल मीडिया पर आवामी लीग के कार्यकर्ताओं से बात करते हुए हसीना ने कहा कि मैं मरी नहीं, इसका मतलब है कि मैं फिर से वापस बांग्लादेश आऊंगी। अल्लाह ने लोगों को संदेश दे दिया है। वापस आने के बाद अंतरिम सरकार और उनके लोगों को जेल से लेकर अदालत तक मैं घसीटूंगी। हसीना का कहना था कि मेरे रहते बांग्लादेश का खूब विकास हुआ था। लोग उसे एक विकसित राष्ट्र के रूप में देखते थे, लेकिन यूनुस और उनके लोगों ने उसे आतंकवादियों का देश बना दिया है। वहां रोज मर्डर हो रहे हैं, लेकिन सरकार को कोई मतलब नहीं है। हसीना के मुताबिक बांग्लादेश में पत्रकारों और वकीलों के बोलने पर पाबंदी लगा दी गई है। ऐसे लोगों के साथ जल्द ही न्याय किया जाएगा। उन्होंने यूनुस पर सरकारी पैसों से ऐश-ओ-आराम करने का आरोप लगाया। बातचीत के दौरान आवामी लीग के कार्यकर्ताओं के एक सवाल के जवाब में हसीना ने कहा कि मैं जिंदा हूं और मैं जल्द ही बांग्लादेश -शेष पृष्ठ दो पर

बीजिंग को वाशिंगटन की धौंस बर्दाश्त नहीं, कहा-

अमेरिका के जवाब में बढ़ाएंगे ट्रैरिफ

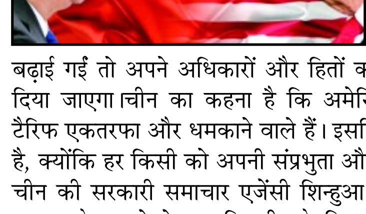

बीजिंग (हि.स.)। चीन ने अमेरिका की अतिरिक्त 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी को गंभीरता से लिया है। चीन ने मंगलवार को सख्ती के साथ अमेरिका को चेताया है कि अगर टैरिफ की दर और बढ़ाई गईं तो अपने अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए माकूल जवाब दिया जाएगा।चीन का कहना है कि अमेरिका के तथाकथित पारस्परिक टैरिफ एकतरफा और धमकाने वाले हैं। इसलिए चीन के जवाबी टैरिफ वैध है, क्योंकि हर किसी को अपनी संप्रभुता और सुरक्षा करने का अधिकार है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने चीनी वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता के हवाले से कहा कि चीन के खिलाफ -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, Ph.: 94350-48866, 94018-06952

भारत भक्ति को आगे रखते हुए सारी विविधता का सम्मान करो : भागवत

लखीमपुर खीरी (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि सारी विविधता का सम्मान करो। सबसे हमारा अपनत्व का रिश्ता है। भाषा, प्रांत, उपासना, खानपान अलग है, समस्यायें अलग हैं, इसके बावजूद हम एक हैं। हमारी एक माता है। वह है भारत माता। भारत माता की भक्ति को आगे रखना। सभी संतों ने भारत की स्तुति की है। सरसंघचालक मंगलवार को लखीमपुर के मुस्तफाबाद स्थित कबीर धाम में आयोजित सत्संग में बोल रहे थे। डा. भागवत ने कहा कि जो भी पंथ संप्रदाय को आप मानने वाले हैं, उसकी उपासना प्रमाणिकता से करो। उपासना ठीक से करोगे तो आप का किसी से झगड़ा नहीं होगा। उपासना ऐसी करना, जिससे सत्य की प्राप्ति हो। अंदर बाह्य सब शुचितापूर्ण हो। सबके कल्याण का भाव हो। भोग व स्वार्थ के पीछे न भागें। समाज के संस्कार परिवार के कारण रहते हैं। परिवार को संस्कारित व स्वस्थ रखना। परिवार को समाजोपयोगी बनाना। समाज के भेद को दूर करना। जड़ चेतन सबके प्रति कृतज्ञता का भाव रखना चाहिए। 10 हजार साल से हम खेती कर रहे हैं। हमारी जमीनें सबसे अच्छी हैं। संघ प्रमुख ने कहा कि हमारी महान परम्परा है। उस परम्परा का पालन करने वाले संत आज भी विद्यमान हैं। छोटी-छोटी नौकाओं में बैठकर हमारे पूर्वज दुनिया को सदमार्ग दिखाने गए थे। हम सम्पूर्ण समाज में सुख शांति चाहते हैं। परिवार हमारे यहां पहली इकाई है। मैं मेरा घर-परिवार, मेरा राष्ट्र इसका आधार राष्ट्रीयता है। ढाई आखर प्रेम का पढ़े सो पंडित होए। यह भारत का संदेश है। सब सुखी हों, हमारा देश विश्वगुरु बने, संघर्ष नहीं हम शांति से रहें। असंग देव महाराज ने कहा कि अपने बच्चों को समय दें। घर से परिवार के लोगों को समय दें। छुआछूत से ऊपर उठना है। इससे हिंदू समाज टूट जाता है। जहां शुद्ध प्रेम होता है, वहां जाति-पांति, मत-मजहब पीछे छूट जाते हैं। उन्होंने कहा कि साधु भेष को बदनाम मत करिए। साधु ऐसा होना चाहिए, जैसा सूप सुभाय, संत बनना अच्छी बात है। सदगृहस्थ बनो। एक पत्नीव्रत व एक पतिव्रत का पालन करो। हमारा धर्म हो सेवा, हमारा कर्म हो सेवा। सदा सत्संगियों में मिल, हमें सेवक बना जाना है। इससे पूर्व सरसंघचालक ने असंग देव महाराज की उपस्थिति में भक्त निवास का शिलान्यास किया। इस अवसर पर अवध प्रांत के प्रांत प्रचारक कौशल, संयुक्त परिवार प्रबोधन प्रमुख ओमपाल सिंह, एमएलसी अवनीश सिंह पटेल समेत बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहे।

एक करोड़ पुलिसकर्मियों और परिजनों की कैंसर जांच का अभियान

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य पुलिस कर्मियों और उनके परिजनों के लिए कैंसर की शुरुआती जांच अभियान की जानकारी साझा की है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस अभियान के तहत अब तक बीते कुछ सप्ताहों में 68 कैंप लगाए जा चुके हैं, जिनमें कुल 7,713 पुलिसकर्मियों की स्क्रीनिंग की गई है। जिनमें कैंसर के लक्षण पाए गए हैं, उन्हें आगे की जांच के लिए रेफर किया गया है। उन्होंने कहा कि एक करोड़ पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों की जांच का लक्ष्य निर्धारित किया गया है और इस दिशा में और भी कैंप आयोजित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने इस पहल को पुलिस परिवारों की सेहत सुनिश्चित करने की दिशा में इसे एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

मेघालय के प्रधान सचिव की उज्बेकिस्तान में मौत

शिलांग। मेघालय के प्रधान सचिव सैयद एमडी ए रजी उज्बेकिस्तान में मृत पाए गए। उनका शव मध्य एशियाई देश के होटल में उनके कमरे से मिला है। संदेह जताया जा रहा है कि उनकी मौत हार्ट अटैक से हुई है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि आईआरटीएस अधिकारी रजी 2021 से राज्य में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत थे। वह चार अप्रैल को निजी यात्रा पर उज्बेकिस्तान गए थे और वहां बुखारा शहर के होटल में रुके थे। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, सोमवार सुबह रजी ने कॉल का जवाब नहीं दिया। बाद में, होटल के कर्मचारियों ने उनके कमरे का दरवाजा तोड़ा, जहां वह मृत पाए गए। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के संगमा के अनुसार, सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं। रजी की पत्नी उज्बेकिस्तान के शहर बुखारा के लिए रवाना हो चुकी हैं। इससे पहले, उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर रजी की मौत पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि सरकार के प्रधान सचिव, आईआरटीएस, सैयद एमडी ए रजी के असमय निधन के बारे में सुनकर बहुत दुख हुआ। मुख्यमंत्री संगमा ने आगे कहा कि रजी की अद्भुत दक्षता और अटूट समर्पण उनके द्वारा संभाले गए हर विभाग में साफ नजर आता था। वे हमेशा अपने काम को जिम्मेदारी से करते थे, जिससे उनके आस-पास के लोग प्रेरित होते थे। अपने काम से परे, रजी एक गर्मजोशी से भरे और हंसमुख व्यक्ति थे। वे हर किसी से मिलते थे। उन्हें उनके साथियों द्वारा बहुत प्यार और सम्मान दिया जाता था। उनकी अनुपस्थिति हम सभी के लिए एक बड़ा शून्य है।

आग लगने से 1600 मुर्गियों की जलकर मौत

शोणितपुर (हिंस)। असम-अरुणाचल सीमा से सटे शोणितपुर जिले के चारदुवार क्षेत्र में मंगलवार तड़के एक ब्रॉयलर फॉर्म में भीषण आग लगने से करीब 1600 मुर्गियों की जलकर मौत हो गई। इस हादसे में ब्रॉयलर फॉर्म भी पूरी तरह जलकर राख हो गया। जानकारी के अनुसार चारदुवार के जयंतीपुर गांव में तीन युवकों ने मिलकर एक ब्रॉयलर फॉर्म को हाल ही में शुरू किया था।

विदेश में अध्ययनरत छात्र भारतीय मूल्यों और संस्कृति के दूत : ओम बिरला

नई दिल्ली (हि.स.)। लोस अध्यक्ष ओम बिरला ने आज कहा कि विदेश में अध्ययनरत भारतीय छात्र भारतीय मूल्यों और संस्कृति के दूत हैं। हजारों मील दूर रहने के बावजूद ये छात्र भारतीय मूल्यों से जुड़े हुए हैं और इनका प्रचार-प्रसार अपने मेजबान देशों में भी करते हैं। बिरला ने ये टिप्पणियां उज्बेकिस्तान की चार दिवसीय यात्रा के दौरान समरकंद मेडिकल यूनिवर्सिटी में भारतीय छात्रों के साथ बातचीत के दौरान कीं। बिरला इस समय अंतर संसदीय संघ (आईपीयू) की 150वीं सभा में भारतीय संसदीय शिष्टमंडल (आईपीडी) का नेतृत्व कर रहे हैं। बिरला ने छात्रों को बताया कि भारत दुनिया के हर कोने में रह रहे भारतीयों की बराबर चिंता है। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि प्रवासी भारतीय छात्रों की सहायता और सहयोग के लिए तत्पर है। विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से सरकार यह सुनिश्चित करती है कि भारतीय छात्रों को उनकी शिक्षा और करियर की संभावनाओं में कोई बाधा न आए।

एपेक्स बैंक के प्रबंध निदेशक को निलंबित करने की कांग्रेस की मांग

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) ने एपेक्स बैंक में हुए घोटाले को लेकर एक बार फिर कड़ा रुख अपनाते हुए बैंक से जुड़े सभी दोषियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की मांग की है। एपीसीसी के मीडिया प्रमुख बेदब्रत बोरा ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि घोटाले के मुख्य आरोपी राजेश बजाज द्वारा हाल ही में एक पूर्व मंत्री और एक वर्तमान भाजपा विधायक पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि आरोपी ने पूर्व मंत्री संजय किसान पर आरोप लगाया कि उन्होंने चाय बागान कर्मियों के पीएफ लेनदेन को रोक कर उससे मोटी रकम की मांग की थी और एक हिस्सा उन्हें देना पड़ा। वहीं, भाजपा विधायक विश्वजीत फूकन और बैंक के प्रबंध निदेशक डम्बरु सैकिया के साथ आरोपी के मजबूत संबंधों की बात भी सामने आई है। आरोप है कि विधायक फूकन को जानकारी थी कि आरोपी ने एपेक्स बैंक से अनियमित रूप से 20.30 करोड़ रुपए का लोन लिया। बोरा ने कहा कि एपेक्स बैंक असम की जनता के पैसों से बना एक महत्वपूर्ण संस्थान है, जिसे दिवंगत मुख्यमंत्री तरुण गोगोई ने पुनर्जीवित किया था। ऐसे में बैंक को बर्बाद करने की कोशिश कर रहे लोगों के खिलाफ निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और प्रबंध निदेशक डम्बरु सैकिया को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाना चाहिए। इसके साथ ही बोरा ने यह भी सवाल उठाया कि आरोपी द्वारा चिह्नित व्यवसायी चरणजीत सिंह गांधी किस तरह से शिल-बालू (बालू और पत्थर) का सिंडिकेट चला रहे हैं। क्या सरकार इस पर कोई कदम उठाएगी? उन्होंने मुख्यमंत्री से इस पर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की।

पृष्ठ एक का शेष

देशभर में वक्फ संशोधन ...

उलमा-ए-हिंद की याचिकाएं शामिल हैं। इन याचिकाओं में नए बनाए गए कानून की वैधता को चुनौती दी गई है। इसे लेकर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल की है। नए वक्फ कानून में क्या-क्या? कानून में एक महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि वक्फ द्वारा उपयोगकर्ता का खंड हटाया गया है, और यह साफ किया गया है कि वक्फ संपत्ति से संबंधित मामले अब पूर्वव्यापी तरीके से नहीं खोले जाएंगे, जब तक कि वे विवादित न हों या सरकारी संपत्ति न हों। इसके अलावा वक्फ बोर्डों में गैर-मुस्लिमों को शामिल करने का समर्थन किया गया है, ताकि वे वक्फ मामलों में रुचि रखने वाले या विवादों में पक्षकार बन सकें। नए कानून में वक्फ बोर्डों के संचालन में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं, जैसे कि अब बोर्ड में गैर-मुस्लिम और कम से कम दो महिला सदस्यों को नामित किया जाना प्रस्तावित है। इसके अलावा, केंद्रीय वक्फ परिषद में एक केंद्रीय मंत्री, तीन सांसद, दो पूर्व न्यायाधीश, चार *राष्ट्रीय ख्याति* के व्यक्ति और वरिष्ठ सरकारी अधिकारी होंगे, जिनमें से कोई भी इस्लामी धर्म से संबंधित नहीं होगा। बता दें कि अगस्त 2024 में संसद में जो विधेयक पेश किया गया था, उसमें वक्फ से जुड़े विवादों के मामलों में जिला कलेक्टर को जांच की शक्ति दी गई थी। हालांकि, जेपीसी ने जिला कलेक्टर वाली शक्ति को खत्म करने पर सहमति जता दी और राज्य सरकार को अब इन मामलों की जांच करने के लिए एक वरिष्ठ अधिकारी नामित करने का अधिकार देना प्रस्तावित कर दिया। मौजूदा कानून के तहत पंजीकृत हर वक्फ संपत्ति की जानकारी अधिनियम लागू होने के बाद छह महीने के अंदर सेंट्रल डाटाबेस में देना जरूरी है। इतना ही नहीं डाटाबेस में किसी भी सरकारी संपत्ति को जिलाधिकारी के पास चिह्नित किया जाएगा, जो कि बाद में इस मुद्दे पर जांच कर सकेंगे। कानून में शामिल इस संशोधन में कहा गया है कि अगर वक्फ संपत्ति को केंद्रीय पोर्टल में नहीं डाला जाता तो इससे वक्फ की जमीन पर अतिक्रमण होने या विवाद पैदा होने पर अदालत जाने का अधिकार खत्म हो जाएगा। हालांकि, एक अन्य स्वीकृत संशोधन अब मुतवल्ली (कार्यवाहक) को राज्य में वक्फ न्यायाधिकरण की संतुष्टि बाद कुछ स्थितियों में पंजीकरण के लिए अवधि बढ़ाने का अधिकार देगा। वक्फ कानून, 1995 के तहत वक्फ न्यायाधिकरण को सिविल कोर्ट की तरह काम करने की स्वतंत्रता दी गई थी। इसका फैसला अंतिम और सर्वमान्य माना जाता था। इन्हें किसी भी सिविल कोर्ट में चुनौती नहीं दी सकती थी। ऐसे में वक्फ न्यायाधिकरण की ताकत को सिविल अदालत से ऊपर माना जाता था। हालांकि, कानून में अब वक्फ न्यायाधिकरण के गठन के तरीके को भी बदला जा रहा है।

मुर्शिदाबाद में प्रदर्शन ...

तैनात किया गया है। संसद से पारित हुए वक्फ संशोधन कानून का लगातार विरोध हो रहा है। खबरों के मुताबिक मुर्शिदाबाद के जंगीपुर में लोगों ने वक्फ (संशोधन) कानून के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर जाम लगाने की कोशिश की। पुलिस ने उन्हें रोका तो प्रदर्शनकारी का आक्रोश बढ़ गया। प्रदर्शन हिंसक हो गया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने पुलिस वाहन में तोड़फोड़ की और उसे आग लगा दी। पुलिस ने स्थिति को संभालने के लिए बल प्रयोग किया और आंसू गैस के गोले दागे। इसे लेकर भाजपा ने टीएमसी पर हमला बोला है। भाजपा नेता अमित मालवीय ने एक्स पर लिखा कि पश्चिम बंगाल फिर से आग की लपटों में है। सांप्रदायिक हिंसा भड़क उठी है। इस बार मुर्शिदाबाद में मुस्लिम भीड़ वक्फ अधिनियम के विरोध में सड़कों पर उतर आई है। ममता बनर्जी ने बंगाल के विशाल क्षेत्रों पर नियंत्रण खो दिया है, जो अप्राकृतिक जनसांख्यिकीय बदलाव और अवैध घुसपैठ के कारण राज्य प्रशासन के लिए दुर्गम हो गए हैं। अब वह केवल उनके वोटों की प्रत्याशा में गिड़गिड़ाने के अलावा कुछ नहीं कर सकती। उन्हें 2026 में जाना ही होगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वक्फ (संशोधन) विधेयक को पांच अप्रैल को मंजूरी दी थी। इसे बजट सत्र के दौरान संसद ने पारित किया था। कानून मंत्रालय की अधिसूचना में कहा गया है कि राष्ट्रपति ने दोनों विधेयकों को अपनी मंजूरी दे दी है। चार अप्रैल को राज्यसभा ने विधेयक के पक्ष में 128 और विपक्ष में 95 मतों से इसे पारित किया था, जबकि लोकसभा ने लंबी बहस के बाद तीन अप्रैल को विधेयक को मंजूरी दे दी थी। यहां 288 सांसदों ने इसके पक्ष में और 232 ने इसके विरोध में मतदान किया था।

वक्फ कानून के खिलाफ ...

जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने इसे एक उत्साहजनक प्रगति बताते हुए आज एक महत्वपूर्ण बयान में कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि इस मामले में अदालत से हमें न्याय मिलेगा, क्योंकि इस कानून की कई धाराएं न केवल देश के संविधान के खिलाफ हैं, बल्कि इससे नागरिकों के मौलिक और धार्मिक अधिकारों का उल्लंघन भी होता है। मौलाना मदनी ने कहा कि इस कानून की मंजूरी के बाद से देशभर के मुसलमानों में भारी चिंता, गम और गुस्से का माहौल है। जिस तरह विपक्ष के सुझावों और आपत्तियों को अनदेखा करते हुए, जबरदस्ती यह कानून लागू किया गया, उससे यह गंभीर आशंका पैदा हो गई है कि अब वक्फ संपत्तियों के साथ न केवल छेड़छाड़ हो सकती है, बल्कि इस कानून की आड़ में मुसलमानों को उनके इस ऐतिहासिक धार्मिक विरासत से भी वंचित किया जा सकता है। मौलाना मदनी ने यह भी कहा कि नए कानून की कुछ धाराओं को पढ़ने से यह स्पष्ट होता है कि सरकार की नीयत ठीक नहीं है। यह कानून न तो मुसलमानों की भलाई के लिए है और न ही वक्फ मामलों में पारदर्शिता लाने के लिए, बल्कि इसका उद्देश्य केवल वक्फ संपत्तियों पर कब्जा करना है। इससे न सिर्फ मुसलमानों के खिलाफ पूरे देश में विवादों का एक नया मोर्चा खुल सकता है, बल्कि सांप्रदायिक ताकतें इसका फायदा उठाकर देश की शांति और एकता को भी नुकसान पहुंचा सकती हैं। जमीयत उलमा-ए-हिंद के प्रमुख मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि यह कानून ऐसे समय में लाया गया है जब पूरे देश में मुसलमानों के खिलाफ नफरत की आंधी चल रही है। हमारी कई मस्जिदें और दरगाहें पहले ही निशाना बनाई जा चुकी हैं, और वहां मंदिर होने के दावे किए जा रहे हैं। ऐसे में अगर यह असंवैधानिक कानून भी लागू हो गया तो इन बेलगाम सांप्रदायिक ताकतों को हमारी मस्जिदों, खानकाहों, कब्रिस्तानों और इमामबाड़ों को निशाना बनाने का कानूनी आधार भी मिल जाएगा। मौलाना मदनी ने कहा कि हमें उम्मीद है कि आगामी 16 अप्रैल को इस मामले पर सकारात्मक बहस होगी और हमारे अधिवक्ता इस कानून के संभावित नुकसान के बारे में अदालत को संतुष्ट करने में सफल होंगे, क्योंकि यह कानून न केवल असंवैधानिक है, बल्कि देश के धर्मनिरपेक्ष चरित्र और सामाजिक सौहार्द के लिए भी एक बड़ा खतरा है। आपको बता दें कि वक्फ संशोधन कानून को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद मौलाना अरशद मदनी ने सबसे पहले सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी और इस पर शीघ्र सुनवाई किए जाने की अपील भी की गई थी। मौलाना अरशद मदनी ने वक्फ संशोधन कानून की विभिन्न धाराओं को न केवल चुनौती दी है, बल्कि इस कानून को लागू होने से रोकने के लिए अदालत से अंतरिम निर्देश (स्टे ऑर्डर) की भी मांग की है। 16 अप्रैल की सुनवाई के दौरान जमीयत उलमा-ए-हिंद के अधिवक्ता अदालत से यह मांग करेंगे कि कानून को लागू होने से रोका जाए और इस पर अंतरिम आदेश जारी किया जाए। जमीयत उलमा-ए-हिंद की इस याचिका का डायरी नंबर 18261/2025 है। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में कहा गया है कि वक्फ ट्रिब्यूनल के फैसलों को खत्म करना, और वक्फ मामलों के लिए अस्पष्ट और जटिल प्रक्रिया अपनाना वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा के बजाय उसे कमजोर करता है, जो कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 का खुला उल्लंघन है। याचिका के अंतिम भाग में कहा गया है कि इन असंवैधानिक संशोधनों के कारण वक्फ अधिनियम 1955 की बुनियाद को नुकसान पहुंचा है, और यह भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 16, 25, 26 और 300 ए का भी उल्लंघन है। इसके अलावा, यह संशोधन सरकार को वक्फ प्रशासन पर अत्यधिक नियंत्रण देता है।

क्रिकेट के भगवान सचिन ...

मैंने हाथी और गैंडे सहित कई जानवरों को देखा। हम और भी जानवरों को देखेंगे। सचिन ने सभी से एक सींग वाले गैंडों के प्रसिद्ध वन्यजीव आवास को देखने आने को कहा। उन्होंने कहा कि मुझे यहां अपना समय बिताना बहुत पसंद आ रहा है। लोगों को काजीरंगा आकर इसका आनंद लेना चाहिए। महान क्रिकेटर पिछले गुरुवार को असम और मेघालय की एक सप्ताह की यात्रा पर गुवाहाटी पहुंचे थे और लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद वह पत्नी अंजलि और बेटी सारा के साथ सीधे मेघालय के लिए रवाना हुए, जहां उन्होंने पड़ोसी राज्य में अपने प्रवास के दौरान दर्शनीय पर्यटन स्थलों का दौरा किया। कल अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में पहुंचने के बाद, जहां सचिन और उनके परिवार के सदस्य कल तक कैम्पिंग करेंगे और उसके बाद गुवाहाटी लौटेंगे, उनका इस उद्यान की हरियाली और सुहावने वातावरण का आनंद लेने का कार्यक्रम है। यह उद्यान यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल है। सचिन और उनके परिवार के सदस्यों का अगले दिन मुंबई लौटने से पहले बुधवार को कामाख्या मंदिर में पूजा-अर्चना करने का भी कार्यक्रम है। लिटिल मास्टर के नाम से मशहूर सचिन सभी समय के महानतम क्रिकेटरों में से एक हैं और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में उनके नाम कई रिकॉर्ड हैं।

राज्य सरकार प्रत्येक...

के लिए 1.5 लाख रुपए मंजूर किए हैं। समितियों को अगले दो से तीन दिनों में धनराशि मिल जाएगी। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि आगामी पंचायत चुनावों से पहले आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण इस वर्ष नए आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायत चुनावों के लिए लागू आदर्श आचार संहिता के कारण हम कोई भी नया आवेदन स्वीकार नहीं कर सकते। केवल वही 3,000 समितियां पात्र होंगी जिन्हें पिछले वर्षों में समर्थन मिला है।

बिहार, बंगाल और तमिलनाडु ...

खत्म होने तक अपनी मासिक यात्रा जारी रखेंगे। वह पार्टी की चुनाव तैयारियों की समीक्षा करने के लिए 30 अप्रैल और 1 मई को बिहार का दौरा करेंगे। वह 10 और 11 अप्रैल को चेन्नई का दौरा करेंगे और 14 और 15 अप्रैल को पश्चिम बंगाल का दौरा करेंगे। तमिलनाडु में शाह एआईएडीएमके के साथ चल रही गठबंधन वार्ता की समीक्षा करेंगे और एनडीए के सहयोगी दलों के नेताओं से भी मिलेंगे। संसद के बजट सत्र के समापन के तुरंत बाद अमित शाह अपने चुनावी अभियान की शुरुआत कर रहे हैं। यह देखना अभी बाकी है कि संसद में वक्फ संशोधन विधेयक के पारित होने का असर बिहार के नतीजों पर कैसा पड़ता है, क्योंकि बिहार में मुस्लिम आबादी काफी है। हालांकि, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में पार्टी को एक अलग तरह की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। पश्चिम बंगाल में एक प्रमुख राजनीतिक ताकत के रूप में उभरने के इसके ऊर्जावान प्रयासों को अब तक केवल आंशिक सफलता ही मिली है, क्योंकि यह मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के लिए मुख्य चुनौती बनकर उभरी है, लेकिन 2011 से उनके निर्बाध शासन को समाप्त करने के अपने प्रयासों में विफल रही है। लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक पर अपने हस्तक्षेप के दौरान, शाह टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा राज्य की राजनीति से संबंधित कटाक्ष किए जाने के बाद आक्रामक हो गए थे।

पीएम मुद्रा योजना के ...

करोड़ से अधिक लाभार्थियों को गारंटी मुक्त लोन का वितरण किया गया है, जिसमें लगभग 70 प्रतिशत महिला लाभार्थी हैं। इस महत्वाकांक्षी योजना से विगत 10 वर्षों में देश के करोड़ों नागरिकों का स्व-रोजगार सुलभ होने के साथ देश के आर्थिक तंत्र को भी बल मिला है। उन्होंने देशवासियों की आर्थिक समृद्धि, स्वावलंबन एवं आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने की इस अद्वितीय उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री का आभार प्रकट किया। भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने कहा कि 10 साल पहले प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के शुभारंभ के साथ एक परिवर्तनकारी यात्रा शुरू हुई थी। एक ऐसी पहल जिसने भारत के छोटे उद्यमियों की आकांक्षाओं को फिर से परिभाषित किया। अपने शुभारंभ के बाद से मुद्रा योजना ने 52 करोड़ से अधिक उद्यमियों को 32.61 लाख करोड़ के ऋण स्वीकृत किए हैं, जिससे स्वरोजगार एवं नवाचार के द्वार खुले हैं, खासकर छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में। इसने *नौकरी चाहने वालों के बजाय नौकरी देने वालों* के निर्माण के दृष्टिकोण को मजबूत किया। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में छोटे व्यवसायों के लिए ऋण तक पहुंच पहले से कहीं अधिक आसान हो गई है। मुद्रा ने अनगिनत व्यक्तियों को उद्यमी बनने, रोजगार सृजन को सक्षम करने और भारत की वृद्धि एवं विकास में योगदान देने के लिए सशक्त बनाया है।

अरुणाचल में सरकारी...

कि सुरक्षा कर्मियों ने एक संदिग्ध ड्रग सप्लायर को सचिवालय के ब्लॉक तीन की तीसरी मंजिल पर एक बाथरूम में बंद कर दिया है। सूचना के बाद उप-विभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) केंगो दिर्ची और अन्य पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में एक पुलिस दल मौके पर पहुंचा और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। एसपी सिंह के अनुसार, संदिग्ध इटानगर स्थित गोम्पा मंदिर के पास जीरो प्वाइंट का निवासी है। वह मूल रूप से असम का रहने वाला है। संदिग्ध का घर तिनसुकिया जिले के मार्गेरिटा पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आता है, जो बोरगोलाई मिलन नगर है। एसपी ने बताया कि प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट ओली कोयू (एनडीपीएस) की मौजूदगी में उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से आठ प्लास्टिक की शीशियां और हेरोइन से भरा एक तंबाकू कंटेनर, चार इस्तेमाल की गई सीरिंज और 32,760 रुपए नकद बरामद किए गए। पूछताछ करने पर आरोपी ने बाथरूम की खिड़की के पीछे अतिरिक्त प्रतिबंधित सामान छिपाने के बारे में जानकारी दी। पुलिस ने वहां से संदिग्ध हेरोइन से भरी प्लास्टिक की 18 शीशियां और तीन कैंची बरामद कीं। एसपी सिंह के अनुसार, आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। आगे की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस की त्वरित और समन्वित कार्रवाई, संवेदनशील और उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्रों में भी ड्रग नेटवर्क को खत्म करने के लिए विभाग की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। इस दौरान उन्होंने सिविल सचिवालय के कर्मचारियों की सतर्कता की भी सराहना की।

मोदी मंत्रिमंडल की ...

फैसला हमारे सीमावर्ती गांवों के लिए बेहतर जीवन स्तर सुनिश्चित करने के लिए असाधारण खबर है। इस मंजूरी के साथ, हम वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-1 की तुलना में कवर किए गए गांवों के दायरे का भी विस्तार कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-2 को मंजूरी दे दी, जो सुरक्षित, संरक्षित और जीवंत भूमि सीमाओं के नजरिए के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाता है। यह कार्यक्रम वीवीपी-1 के तहत पहले से ही कवर की गई उत्तरी सीमा के अलावा, अंतर्राष्ट्रीय भूमि सीमाओं (आईएलबीएस) से सटे ब्लॉकों में स्थित गांवों के व्यापक विकास में मदद करेगा। 6,839 करोड़ रुपए के कुल परिव्यय के साथ, यह कार्यक्रम अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, गुजरात, जम्मू-कश्मीर (यूटी), लद्दाख (यूटी), मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के चुनिंदा रणनीतिक गांवों में 2028-29 तक लागू किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य समृद्ध और सुरक्षित सीमाओं को सुनिश्चित करना, सीमा पार अपराध को नियंत्रित करने और सीमावर्ती आबादी को राष्ट्र के साथ आत्मसात करने और उन्हें *सीमा सुरक्षा बलों की आंख और कान* के रूप में विकसित करने के लिए बेहतर जीवन स्थितियां और पर्याप्त आजीविका के अवसर पैदा करना है, जो आंतरिक सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम गांव या गांवों के समूह के भीतर बुनियादी ढांचे के विकास, मूल्य विकास (सहकारी समितियों, एसएचजी आदि के माध्यम से), सीमा-विशिष्ट आउटरीच गतिविधि, स्मार्ट कक्षाओं जैसे शिक्षा बुनियादी ढांचे, पर्यटन सर्किट के विकास और सीमावर्ती क्षेत्रों में विविध अवसर पैदा करने के लिए कार्य/परियोजनाओं के लिए धन उपलब्ध कराएगा।

मैं जिंदा हूं और ...

आऊंगी। आप सभी लोग धैर्य बनाकर रहें। आपके साथ न्याय होगा। जो भी लोग आपको मारने के लिए आ रहे हैं, उन्हें खोज-खोजकर लाया जाएगा। हसीना ने कहा कि अल्लाह के घर में देर है, लेकिन अंधेर नहीं। इस दौरान उन्होंने आवामी लीग के कार्यकर्ताओं से बांग्लादेश के बारे में जानकारी भी ली। हसीना ने इस दौरान कार्यकर्ताओं से भावुक अपील करते हुए कहा कि मैं हर बार बच क्यों जाती हूं? आतंकवादियों ने मेरे पिता, माता और भाई को मार दिया, लेकिन उस वक्त भी मैं बच गई। उन्होंने आगे कहा मुझे मारने की पिछली बार भी कोशिश की गई, लेकिन मैं बच गई। अल्लाह की मर्जी क्या है, मुझे नहीं पता, लेकिन बांग्लादेश में कुछ जरूर अच्छा होने वाला है। शेख हसीना का यह बयान ऐसे वक्त में आया है, जब बिम्सटेक की बैठक में बांग्लादेश के चीफ एडवाइजर ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हसीना को सौंपने की अपील की थी। यूनुस का कहना था कि शेख हसीना पर बांग्लादेश में गंभीर आरोप लगे हैं, इसलिए, उन्हें सौंपा जाए। अगस्त 2024 में तख्तापलट के बाद शेख हसीना भारत आ गई थीं।

अमेरिका के जवाब...

अमेरिका ने अगर टैरिफ बढ़ाने की गलती की तो वह भी पीछे नहीं हटेगा। अमेरिका को अपनी ब्लैकमेल करने की प्रकृति पर रोक लगानी होगी। चीन कभी भी अमेरिका सामने नहीं झुकेगा। प्रवक्ता ने कहा कि व्यापार युद्ध में कोई विजेता नहीं होता। अमेरिका अपनी गलती माने और चीन के खिलाफ सभी एकतरफा टैरिफ उपायों को रद्द करे। सीएनएन चैनल की खबर के अनुसार, जब कई देश ट्रंप के साथ टैरिफ डील करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, तब चीन उसके सामने पूरी ताकत से खड़ा है और उम्मीद कर रहा है कि यह संकट को अवसर में बदल देगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को फिर से टैरिफ बढ़ाने का संकल्प दोहराया तो बीजिंग ने एक बार फिर से अपनी बात पर कायम रहने की कसम खाई। उसके वाणिज्य मंत्रालय ने बयान में कहा कि चीन पर टैरिफ बढ़ाने की अमेरिकी धमकी का उस पर कोई असर नहीं पड़ता। सत्तारूढ़ चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के मुखपत्र पीपुल्स डेली में रविवार को एक टिप्पणी में कहा गया कि अमेरिकी टैरिफ का चीन पर प्रभाव तो पड़ेगा, लेकिन आसमान नहीं गिरेगा। जितना अधिक दबाव हम पर पड़ेगा, हम उतने ही मजबूत बनेंगे। सनद रहे ट्रंप ने बुधवार को अमेरिका में आयातित सभी चीनी वस्तुओं पर अतिरिक्त 34 फीसद टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। बीजिंग ने भी शुक्रवार को सभी अमेरिकी सामान के आयात पर 34 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की। साथ ही अन्य उपायों में दुर्लभ पृथ्वी खनिजों के निर्यात पर नियंत्रण और विशिष्ट अमेरिकी कंपनियों के व्यापार प्रतिबंध की घोषणा की। इस बीच वाशिंगटन स्थित ब्रूकिंग्स इंस्टीट्यूशन थिंक टैंक के वरिष्ठ फेलो रयान हैस ने रविवार को चीन की यात्रा के दौरान सरकारी अधिकारियों, विद्वानों, व्यापार जगत के नेताओं के साथ बैठकों के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि कई (पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना) समकक्षों ने तर्क दिया है कि अमेरिका गलती कर रहा है जो उसकी खुद की वैश्विक स्थिति को कमजोर करेगी। चीन के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को यहां तक कहा कि दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और दुनिया के दूसरे सबसे बड़े उपभोक्ता बाजार के रूप में चीन बदलते अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य की परवाह नहीं करता। रेनमिन यूनिवर्सिटी ऑफ चाइना में चोंगयांग इंस्टीट्यूट फॉर फाइनेंस स्टडीज के वरिष्ठ शोधकर्ता लियू झिकिन का कहना है कि चीन ने दुनिया को एक महत्वपूर्ण संदेश भेजा है कि वह अमेरिकी धौंस को बर्दाश्त नहीं करेगा।

गुवाहाटी में रात 11 ...

ऑफ शॉप्स (जहां से शराब खरीदकर ले जाई जाती है) अब रात 11 बजे तक खुले रह सकेंगे। पहले इन दुकानों को इससे पहले बंद करना पड़ता था। वहीं, आईएमएफएल ऑन प्रिमाइसेज यानी शराब परोसने वाली जगहों जैसे बार, क्लब और रेस्तरां अब रात 12:30 बजे तक शराब परोस सकेंगे। पहले यह समय सीमा रात 12 बजे तक थी। यह संशोधित समय सारणी तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है, लेकिन यह सिर्फ गुवाहाटी नगर क्षेत्र तक सीमित रहेगी। यह जानकारी विभागीय अधिसूचना के माध्यम से दी गई है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब 5 अप्रैल को खबरें आई थीं कि सरकार होटल और बार उद्योग को राहत देने और बढ़ती मांग को देखते हुए समय बढ़ा सकती है। हालांकि, इस बीच विवाद भी हुआ जब मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने डिब्रूगढ़ में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि राज्यभर में शराब की दुकानें रात 2 बजे तक खुली रहेंगी। इस बयान पर कानून-व्यवस्था को लेकर बहस शुरू हो गई। बाद में मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के जरिए स्पष्ट किया कि 2 बजे तक खुलने की बात पूरे असम पर लागू नहीं होगी। उन्होंने बताया कि समय विस्तार सिर्फ गुवाहाटी और विभागीय अधिसूचना के माध्यम से किया गया है।

जयपुर ब्लास्ट : 17 साल ...

जोशी ने फैसला सुनाते हुए आरोपियों को गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम, विस्फोटक पदार्थ (निषेध) अधिनियम और आईपीसी की धाराओं के तहत दोषी करार दिया था। जयपुर ब्लास्ट मामले में 17 साल बाद फैसला आया है। 13 मई 2008 को जयपुर शहर में 15 मिनट के अंदर सात जगहों पर नौ बम धमाके हुए थे। चार आरोपियों शाहबाज हुसैन, सरवर आजमी, मोहम्मद सैफ और सैफुर्रहमान पर लाइव बम मामले में फैसला सुनाया गया है। इनमें से दो आरोपी सैफ-उर-रहमान और मोहम्मद सैफ पहले से ही जयपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं, जबकि मोहम्मद सरवर आजमी और शाहबाज अहमद जमानत पर बाहर हैं। 13 मई, 2008 को जयपुर में सिलसिलेवार बम धमाके हुए थे, जिसमें माणक चौक खंडा, चांदपोल गेट, बड़ी चौपड़, छोटी चौपड़, त्रिपोलिया गेट, जौहरी बाजार और सांगानेरी गेट पर एक के बाद एक कई बम धमाके हुए थे।

प्रमोद बोड़ो ने बहुभाषी शब्द पुस्तक का किया विमोचन

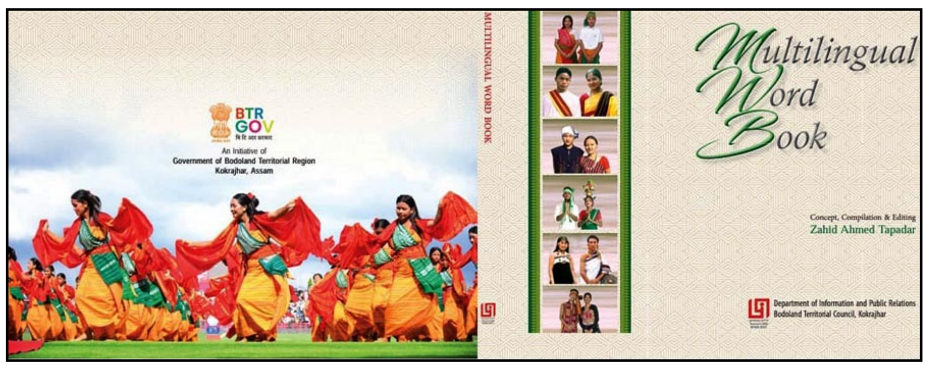

कोकराझार (हिंस)। बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) के मुख्य कार्यकारी सदस्य प्रमोद बोड़ो ने आज कोकराझाड़ स्थित बोड़ोफा सांस्कृतिक परिसर में बहुभाषी शब्द पुस्तक का औपचारिक विमोचन किया। यह अनूठी पुस्तक दैनिक जीवन में उपयोग होने वाले 1,000 आवश्यक अंग्रेजी शब्दों का अनुवाद बीटीआर क्षेत्र में बोली जाने वाली नौ भाषाओं- बोड़ो, डिमासा, संथाल, जेमी नागा, हमार, कार्बी, हिंदी, असमिया और बांग्ला में प्रस्तुत करती है। यह पुस्तक बीटीसी की एक पहल है और इसे बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल के सूचना और जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित किया गया है। इस अवसर पर अपने संबोधन में सीईएम प्रमोद बोड़ो ने कहा कि यह पहल बीटीसी की संचार, एकता और आपसी समझ को बढ़ावा देने की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि यह बहुभाषी शब्द पुस्तक छठी अनुसूची के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों- बीटीआर, कार्बी आंग्लांग और डिमा हासाओ क्षेत्रों में निवास करने वाले समुदायों को जोड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करेगी। सीईएम ने यह भी घोषणा की कि बीटीआर प्रशासन विजन डॉक्यूमेंट कार्यक्रम के तहत, इस वित्तीय वर्ष की पहली छमाही में इस शब्द पुस्तक का दूसरा खंड प्रकाशित करेगा, जिसमें क्षेत्र के सभी शेष समुदायों को शामिल किया जाएगा। इस पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में बीटीसी विधान सभा के अध्यक्ष कातिराम बोड़ो, बोड़ो कछारी वेलफेयर ऑटोनोमस काउंसिल के उप-सीईएम रोमियो पी नार्जारी, कई एमसीएलए और बीटीआर के 26 समुदायों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि इस बहुभाषी शब्द पुस्तक का संपादन बीटीसी आईपीआरडी के सीएचडी जाहिद अहमद तापादार ने किया है। अंग्रेजी शब्दों का विभिन्न भाषाओं में अनुवाद निम्नलिखित विद्वानों द्वारा किया गया है- बोड़ो: अन्थाओ मुसाहरी, डिमासा: पूर्णिमा हकमाओसा, संथाल: झोंगोल मार्डी और बिनॉय कुमार टुडू, जेमी नागा: पौरामडुइंग जेमी और वांगनेइकाम्बे जेमी, राभा: डॉ. अनंता कुमार राभा, कार्बी: मोजारी रोंघी, हिंदी: मुस्तफा हुसैन अंसारी, असमिया: शबाना रहमान चौधुरी।

भाजपा-अगप के बीच पंचायत चुनाव में सीटों का होगा बंटवारा : चंद्रमोहन पटवारी

धुबड़ी (हिंस)। असम के वन एवं पर्यावरण मंत्री चंद्रमोहन पटवारी ने धुबड़ी में भाजपा और असम गण परिषद (अगप) के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। उन्होंने आगामी पंचायत चुनाव को लेकर धुबड़ी जिले के दक्षिण सालमारा और मानकाचर क्षेत्र के भाजपा-अगप नेताओं के साथ बैठक कर चुनावी रणनीति पर चर्चा की। मंत्री पटवारी ने बताया कि धुबड़ी, दक्षिण सालमारा और मानकाचर जिलों में भाजपा और अगप के बीच सीटों को लेकर समझौता होगा। गोलकगंज विधानसभा क्षेत्र की चार जिला परिषद सीटों में से सभी पर भाजपा चुनाव लड़ेगी। गौरीपुर विधानसभा की चार में से दो जिला परिषद सीटों पर भाजपा, जबकि शेष दो अगप को दी जाएंगी। धुबड़ी विधानसभा क्षेत्र की चार जिला परिषद सीटों में से तीन पर भाजपा और एक पर अगप चुनाव लड़ेगी। दक्षिण सालमारा-मानकाचर विधानसभा की चार सीटों में दो पर भाजपा और दो पर अगप मैदान में उतरेगी। वहीं, बीरशिंगा जरुवा और बिलासीपारा विधानसभा क्षेत्रों की चारों जिला परिषद सीटों पर भाजपा अकेले चुनाव लड़ेगी। मंत्री ने कहा कि क्षेत्रीय पंचायतों में भी दोनों दलों के बीच सीटों का तालमेल हुआ है। गोलकगंज क्षेत्र की 21 क्षेत्रीय पंचायतों में भाजपा 17 और अगप 4 पंचायतों में चुनाव लड़ेगी। गौरीपुर की 33 क्षेत्रीय पंचायतों में से भाजपा 25 और अगप 8 पर दावेदारी करेगी। धुबड़ी विधानसभा क्षेत्र की 18 क्षेत्रीय पंचायतों में से 16 पर भाजपा और दो पर अगप को उम्मीदवार उतारने का अवसर मिलेगा। पत्रकारों से बातचीत में मंत्री पटवारी ने कहा कि इस बार भाजपा *विकास* का मुद्दा लेकर जनता के बीच जाएगी। उन्होंने कहा कि असम सरकार की कई जनकल्याणकारी योजनाए- खासकर *अरुणोदय* और *नियुत मोइना* योजनाओं से अल्पसंख्यक समुदाय को भी लाभ मिला है। इसी आधार पर उन्हें भरोसा है कि इस बार धुबड़ी जिले में अल्पसंख्यक समुदाय का समर्थन भाजपा को मिलेगा।

राज्यपाल ने एनएफआईसीआई के 32वें बोर्ड ऑफ गवर्नर्स और 14वीं वार्षिक आम सभा का किया उद्घाटन

गुवाहाटी। असम के राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज यहां शहर के एक होटल में भारतीय सूचना आयोगों के महासंघ (एनएफआईसीआई) के 32वें बोर्ड ऑफ गवर्नर्स और 14वीं वार्षिक आम सभा का उद्घाटन किया। अपने उद्घाटन भाषण में श्री आचार्य ने कहा कि राज्य में आयोजित यह कार्यक्रम न केवल महासंघ की औपचारिक सभा है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के भीतर *पारदर्शिता की संस्कृति* का एक महत्वपूर्ण उत्सव भी है। उन्होंने कहा कि सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005 एक महत्वपूर्ण उपकरण रहा है, जिसने भारत के लोकतांत्रिक ढांचे में क्रांति ला दी है। उन्होंने कहा कि आरटीआई अधिनियम एक परिवर्तनकारी बदलाव का प्रतीक है, जो एक पुल के रूप में कार्य करता है जो आम नागरिक और सरकार के बीच की खाई को कम करता है, जिससे शासन में अधिक भागीदारी की अनुमति मिलती है। यह अधिनियम प्रत्येक नागरिक को प्रश्न पूछने और जानकारी प्राप्त करने का अधिकार देता है, इस सिद्धांत को पुष्ट करता है कि जनता ही सच्चे शासक हैं। श्री आचार्य ने पारदर्शिता को बढ़ावा देने, भ्रष्टाचार को कम करने, सेवा वितरण में सुधार करने और प्रशासन के भीतर जवाबदेही को बढ़ावा देने में आरटीआई अधिनियम के महत्वपूर्ण प्रभाव पर प्रकाश डाला। उन्होंने ग्रामीण और हाशिए पर पड़े समुदायों पर अधिनियम के सकारात्मक प्रभावों को भी पहचाना, जिन्होंने कानून के माध्यम से अधिक आवाज प्राप्त की है। राज्यपाल ने पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित शासन के लिए उनके दृष्टिकोण को स्वीकार करते हुए प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने पुष्टि की कि पारदर्शिता, सरलता और सार्वजनिक भागीदारी की नींव पर निर्मित भारत के शासन मॉडल ने डिजिटल इंडिया, जन धन योजना, पीएम आवास योजना, स्वच्छ भारत अभियान और आयुष्मान भारत जैसी कई सार्वजनिक पहलों की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। श्री आचार्य ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में हम *न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन* की ओर बढ़ रहे हैं, जिससे प्रशासन अधिक कुशल और उत्तरदायी बन रहा है। प्रौद्योगिकी और नागरिक-केंद्रित नीतियों के माध्यम से सरकार और उसके लोगों के बीच विश्वास मजबूत हुआ है। राज्यपाल ने आरटीआई अधिनियम के संधारण पर भी अपनी संतुष्टि व्यक्त की, उन्होंने कहा कि इसने दुनिया भर के अन्य देशों को समान पारदर्शिता ढांचे को अपनाने के लिए प्रेरित किया है, जिससे शासन में खुलेपन और जवाबदेही की दिशा में दुनिया भर में आंदोलन शुरू हुआ है। श्री आचार्य ने आरटीआई अधिनियम को वर्तमान डिजिटल युग के अनुकूल बनाने के महत्व पर भी जोर दिया। चूंकि आज की दुनिया में सूचना तेजी से प्रवाहित हो रही है, इसलिए आरटीआई अधिनियम को डिजिटल माध्यमों से अधिक सुलभ, उपयोगकर्ता के अनुकूल और पारदर्शी बनाना आवश्यक है। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आरटीआई केवल कागजी कार्रवाई के बारे में नहीं है, बल्कि सार्वजनिक व्यवहार का हिस्सा है। एआई और डेटा एनालिटिक्स के उपयोग सहित व्यापक जागरूकता और नवाचार अधिनियम को प्रासंगिक और प्रभावी बनाए रखने में मदद करेंगे, राज्यपाल ने कहा। श्री आचार्य ने कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों आदि के माध्यम से जमीनी स्तर पर आरटीआई अधिनियम के साथ और अधिक जुड़ाव को प्रोत्साहित किया, जिसका उद्देश्य नागरिकों को सशक्त बनाना है-विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों, स्वयं सहायता समूहों, महिलाओं, युवाओं और छात्रों को-ताकि शासन के लिए इस उपकरण का बेहतर उपयोग किया जा सके।

चीन के ग्रेट बेंड डैम पर विशेषज्ञों ने जताई चिंता

गुवाहाटी। विश्व के प्रमुख विशेषज्ञों ने मंगलवार को यहां चीन के प्रस्तावित *ग्रेट बेंड डैम* पर गहरी चिंता व्यक्त की। यह डैम तिब्बत में यारलंग त्सांगपो नदी पर बनाया जाना प्रस्तावित है, जिसे भारत में ब्रह्मपुत्र के नाम से जाना जाता है। विशेषज्ञों ने कहा कि इस डैम के निर्माण से उत्तर-पूर्व भारत और बांग्लादेश में जल संकट की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने कहा कि यह डैम न केवल एक जलविद्युत परियोजना है, बल्कि यह एक जल बम्ब भी हो सकता है जो भारत और अन्य निचले देशों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। इस मुद्दे पर विशेषज्ञों ने एक सेमिनार में भाग लिया, जिसका आयोजन एशियन कॉन्फ्लुएंस ने किया था। इस सेमिनार में विशेषज्ञों ने इस डैम के निर्माण से होने वाले संभावित परिणामों पर चर्चा की और इस मुद्दे पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। अरुणाचल प्रदेश से लोकसभा सदस्य और वरिष्ठ भाजपा नेता तापिर गाओ ने कहा कि यह कोई बांध नहीं होगा, बल्कि भारत और अन्य निचले तटवर्ती देशों के खिलाफ इस्तेमाल किया जाने वाला एक *वाटर बम* होगा। उन्होंने जून 2000 में आई विनाशकारी बाढ़ की याद दिलाई, जो इसी तरह के *वाटर बम* के कारण आई थी, जिसमें सियांग नदी पर बने 10 से अधिक पुल बह गए थे। गाओ ने अरुणाचल प्रदेश में सियांग नदी पर एक और बांध बनाने के प्रस्ताव का भी समर्थन किया, ताकि ग्रेट बेंड पर प्रस्तावित बांध से अचानक पानी छोड़े जाने की संभावना के कारण डाउनस्ट्रीम में आपदा को रोका जा सके। इस सेमिनार में भाग लेने वाले विशेषज्ञों में क्लाउड अर्पी, बेर्टिल लिंटर, डॉ. रणबीर सिंह, प्रो. अनामिका बरुवा और अन्य प्रमुख विशेषज्ञ शामिल थे। इस सेमिनार के मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं : चीन के ग्रेट बेंड डैम के निर्माण से उत्तर-पूर्व भारत और बांग्लादेश में जल संकट की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। यह डैम न केवल एक जलविद्युत परियोजना है, बल्कि यह एक जल बम्ब भी हो सकता है जो भारत और अन्य निचले देशों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। विशेषज्ञों ने इस मुद्दे पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। इस सेमिनार में विशेषज्ञों ने इस डैम के निर्माण से होने वाले संभावित परिणामों पर चर्चा की।

तेजपुर में भीषण अग्निकांड : सोते समय जलकर एक व्यक्ति की मौत

शोणितपुर (हिंस)। तेजपुर के बरहोलिया इलाके में सोमवार रात एक भयावह अग्निकांड में सोते समय एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान विकास शर्मा के रूप में हुई है। सूत्रों के अनुसार, जब घर में आग लगी, उस समय विकास शर्मा सो रहे थे और वह आग की चपेट में घिर गए। हालांकि उनकी बहन किसी तरह जान बचाकर बाहर निकलने में सफल रही। इस दर्दनाक घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस और अग्निशमन विभाग ने जांच शुरू कर दी है।

आय से अधिक संपत्ति मामले में पर्वतझोरा महाकामे के सीडीपीओ गिरफ्तार

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के पर्वतझोरा महाकामे के देबीतोला के बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) सूर्य बरुवा को मुख्यमंत्री के विशेष सतर्कता प्रकोष्ठ ने आय के ज्यादा संपत्ति अर्जित करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। विशेष सतर्कता प्रकोष्ठ की टीम ने धुबड़ी में एनएस रोड स्थित सूर्य बरुवा के किराए के आवास पर अचानक छापा मारा और उनसे विभिन्न मामलों में पूछताछ शुरू की। छापेमारी के दौरान धुबड़ी में उनके किराए के घर से कई दस्तावेज जब्त किए गए। छापेमारी के बाद सूर्य बरुवा को आगे की जांच के लिए गुवाहाटी ले जाया गया। भ्रष्टाचार के आरोपों की विस्तृत जांच के बाद गिरफ्तारी की गई है। गौरतलब है कि 20 जनवरी 2025 को सतर्कता प्रकोष्ठ ने बरुवा के जयनगर और भांगागढ़, गुवाहाटी स्थित आवासों पर छापेमारी की थी। ऑपरेशन के दौरान, अधिकारियों ने 45.77 लाख रुपए की बेहिसाबी नकदी, 10 तोले से अधिक सोने के आभूषण, चार लग्जरी कारें, एक .32 पिस्तौल, जिंदा गोला-बारूद और कई बैंक दस्तावेज और आपत्तिजनक कागजात बरामद किए।

श्री हनुमान जन्मोत्सव : श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर में तैयारी युद्ध स्तर पर

होजाई (निसं)। स्थानीय श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर प्रांगण में प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी श्री हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाने की तैयारी शुरू हो गई है। विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाए जाने वाले श्री हनुमान जन्मोत्सव के सफल आयोजन के लिए राजेश केजड़ीवाल व प्रमोद मोर को संयोजक बनाया गया है। वही कोषाध्यक्ष का दायित्व निरंजन सरावगी व खाद्य विभाग की जिम्मेदारी कैलाश मोर को दी गई है। इसके अलावा जीवंत झांकियां को तैयार करने हेतु संयोजक- मंजू भीमसरिया, नीतू मोर, रीना भीमसरिया ,रेखा भीमसरिया, रश्मि भीमसरिया, सरिता छावछरिया, बबीता कयल,प्रियंका सरावगी, कृष बजाज को बनाया गया है। वही हनुमान ध्वज हेतु अमन केजड़ीवाल से धर्म प्रेमी जन संपर्क कर सकते हैं। आगामी 11 अप्रैल से 13 अप्रैल तक चलने वाले तीन दिवसीय महोत्सव के अवसर पर पहले दिन सायं 3:30 बजे कलश यात्रा के साथ बालाजी महाराज की एक भव्य व विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। बालाजी इंजीनियरिंग से निकलने वाली शोभायात्रा में कई नैनाभी राम

अर्चना,महास्नान, सहस्त्राभिषेक, स्वामणी का भोग, छप्पन भोग, पूर्णिमा की महाज्योत व 1:00 बजे महा आरती की जाएगी। वही 6:30 महा आरती के बाद सवामण के लड्डू का भोग संजीव हनुमान के हाथों लगाया जाएगों जो कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण होगा। उल्लेखयोग्य है कि संजीव हनुमान के हाथों से लगाए गए इस प्रसाद को ग्रहण करने हेतु भारी भीड़ उमड़ीती है। तीसरे दिन रविवार को प्राप्त 10:30 बजे हवन, 12:00 बजे पूर्णाहूति व महाआरती की जाएगी। मध्यान 3:00 बजे सुंदरकांड का पाठ किया जाएगा, साइंस 6:00 से भजन संध्या का भव्य आयोजन किया जाएगा जिसमें अतिथि कलाकार राजस्थान से हनुमान पारीक व जोरहाट समर्पिता दे भजनों की गंगा बहाएंगे। रात्रि 9:00 बजे बाद प्रसा का आयोजन होगा। कार्यक्रम संयोजक राजेश केजड़ीवाल व प्रमोद मोर ने सभी धर्मप्रेमी जनों से अनुरोध किया है कि तीन दिवसीय कार्यक्रमों में सपरिवार पहुंचकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं व बालाजी महाराज के श्री चरणों में अपनी हाजिरी लगाई।।

ह्यूमन राइट्स इंटरनेशनल एनजीओ ने बच्चों के बीच बांटे जूते-मोजे

गुवाहाटी (विभास)। केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित ह्यूमन राइट्स इंटरनेशनल एनजीओ के सौजन्य से कमलपुर बाईहाटा में सिग्नस हॉस्पिटल के पास हर-हर महादेव मंदिर प्रांगण में नवरात्रि के अंतिम दिन 548 जूते और मौजे 1 साल से 15 साल तक के बच्चों व छात्रों के बीच वितरित किया गया। इस अवसर पर युवा समाजसेवी कन्हैया जायसवाल ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए जुते मौजे वितरण का कार्य किया। हर हर महादेव मंदिर के अध्यक्ष हेमो चंद्र माला, सचिव भूपेन माला, डिवीजन सेक्रेटरी जयंत डेका ने इस कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की। इस अवसर पर 580 बच्चों के अलावा 300 से अधिक व्यक्ति उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि युवा समाज सेवी कन्हैया जयसवाल गत 12 वर्षों से समाज सेवा में लगे हुए हैं। वे वर्ष भर में हर दिवस के उपलक्ष्य में समाज सेवा का कार्य करते रहते हैं।

एसआईटीए के उपाध्यक्ष ने दिसपुर के जनता भवन कैंटीन में स्वचालित पानीपूरी वेंडिंग मशीन का उद्घाटन किया

गुवाहाटी। खाद्य सेवा क्षेत्र में नवाचार और आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, राज्य नवाचार और परिवर्तन आयोग (एसआईटीए) ने आज 8 अप्रैल, 2025 को दिसपुर के जनता भवन कैंटीन में स्वचालित पानीपूरी वेंडिंग मशीन का उद्घाटन किया। इस समारोह में मुख्य अतिथि, एसआईटीए के माननीय उपाध्यक्ष नारायण चंद्र बरकटकी के साथ सह-उपाध्यक्ष ध्रुब प्रसाद बैश्य और कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। *पानीपूरी की तैयारी और विक्रय के लिए एक एकीकृत और स्वचालित सेटअप* नामक परियोजना, पेखंसा प्राइवेट लिमिटेड के सह-संस्थापक सौरव शर्मा और अभिजीत नाथ द्वारा नवप्रवर्तित एक स्वचालित खाद्य विक्रय समाधान है। लिमिटेड ने अपना ब्रांड नाम पानीपुरी वेंडिंग मशीन-गोल्पे रखा है। इस परियोजना को असम विज्ञान प्रौद्योगिकी और पर्यावरण परिषद के सहयोग से एसआईटीए द्वारा वित्त पोषित किया गया था। एसआईटीए के उपाध्यक्ष नारायण चंद्र बरकटकी ने अपने संबोधन में इस परियोजना के पीछे की अभिनव भावना की प्रशंसा की, जिसमें बताया गया कि कैसे प्रौद्योगिकी पारंपरिक खाद्य सेवाओं में क्रांति ला सकती है और गुणवत्ता और स्वच्छता मानकों को बनाए रखने में मदद कर सकती है। यह पहल दर्शाती है कि कैसे एसआईटीए एक ऐसे भविष्य की ओर अग्रसर है जहां नवाचार और परंपरा एक साथ सहजता से आते हैं। हमें उम्मीद है कि यह असम और उससे आगे के क्षेत्रों में आगे की तकनीकी प्रगति को प्रेरित करेगा। आज के युवा अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली और संभावनाओं से भरे हुए हैं। उनके पास बॉक्स के बाहर सोचने की एक अनूठी क्षमता है, और उनकी रचनात्मकता परिवर्तन के लिए एक शक्तिशाली उपकरण है। उन्होंने कहा कि एक उद्यमी मानसिकता को अपनाकर, युवा अपना करियर पथ बना सकते हैं, दबाव वाले मुद्दों को हल कर सकते हैं और आगे का रास्ता दिखा सकते हैं। सरकारों, उद्योगों और शैक्षणिक संस्थानों को नवाचार की इस भावना का समर्थन और पोषण करना जारी रखना चाहिए, युवा व्यक्तियों को उनके स्वरोजगार की यात्रा में सफल होने में मदद करने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और संसाधन प्रदान करना चाहिए। एसआईटीए के सह-उपाध्यक्ष ध्रुब प्रसाद बैश्य ने असम के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के समग्र विकास में ऐसी पहलों के महत्व पर जोर दिया। यह एक आदर्श उदाहरण है कि कैसे सरकारी निकायों और नवप्रवर्तकों के बीच सहयोग परिवर्तनकारी बदलाव ला सकता है। यह परियोजना न केवल स्थानीय गौरव को बढ़ाएगी बल्कि असम से उभर रही तकनीकी प्रगति की ओर भी ध्यान आकर्षित करेगी। तैयारी और वेंडिंग मशीन के लिए यह एकीकृत और स्वचालित सेट अप ग्राहकों को प्यूरीफायर से गुणवत्तापूर्ण स्वाद वाले पानी से भरे स्वच्छ विकल्प प्रदान करेगा। इस मशीन को डिजाइन करने और बनाने का मुख्य उद्देश्य पानीपुरी बनाने के दौरान मानव प्रयास को कम करना और ग्राहकों को 24×7 सेवाएं प्रदान करना है। स्वचालित वेंडिंग मशीन न्यूनतम मानवीय हस्तक्षेप के साथ पानीपुरी की स्वच्छतापूर्ण तैयारी और सेवा सुनिश्चित करती है। इस नवाचार के साथ, पारंपरिक स्ट्रीट फूड अब निरंतर गुणवत्ता, बढ़ी हुई सुविधा और तेज सेवा के साथ उपलब्ध है- सभी खाद्य सुरक्षा के उच्चतम मानकों का पालन करते हुए। इस पहल को एसआईटीए के जनादेश के तहत विकसित किया गया था ताकि परिवर्तनकारी नवाचारों को बढ़ावा दिया जा सके, जिनका जनता के लिए व्यावहारिक अनुप्रयोग हो सकता है, उद्यमिता के लिए नए रास्ते पेश किए जा सकते हैं और प्रौद्योगिकी-संचालित समाधानों के केंद्र के रूप में राज्य की प्रतिष्ठा को बढ़ाया जा सकता है। उपस्थित लोगों की जबरदस्त प्रतिक्रिया के साथ, उद्घाटन समारोह ने नवाचार और तकनीकी प्रगति को अपनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर चिह्नित किया। स्वचालित पानीपुरी वेंडिंग मशीन से राज्य और देश भर में इसी तरह की परियोजनाओं के लिए एक मॉडल बनने की उम्मीद है। बैठक में एएसटीईसी के निदेशक डॉ. जयदीप बरुआ, वैज्ञानिक अधिकारी इंजीनियर बिमन चंद्र बरुवा एएसटीईसी के एसएंडटी डिवीजन के प्रमुख (प्रभारी) डॉ. अमरेंद्र कुमार दास, आईआईटी गुवाहाटी के डिजाइन विभाग के प्रोफेसर सौरव शर्मा और अभिजीत नाथ, स्वचालित पानीपुरी वेंडिंग मशीन के अन्वेषक, एसआईटीए और एएसटीईसी के अधिकारी और कर्मचारी तथा जनता भवन के कर्मचारी। कार्यक्रम का समापन मशीन के लाइव प्रदर्शन के साथ हुआ, जहां उपस्थित लोगों को ताजा, गर्म और स्वच्छता से तैयार पानीपुरी का आनंद लेने का अवसर मिला, जिससे नवाचार की सफलता और व्यावहारिकता साबित हुई।

संपादकीय

बेहतर सेहत की ओर

स्वास्थ्य के प्रति औसत आदमी ज्यादा सचेत हुआ है, लगातार शोध एवं विकास से दवाएं बेहतर हुई हैं और अस्पताल तथा डॉक्टर तक पहुंच अपेक्षाकृत आसान हुई है। नतीजतन 2019 तक मौजूदा सदी में इनसान की उम्र औसतन 6 साल बढ़ी है। वैश्विक स्तर पर 73 साल की औसत उम्र तक आम आदमी जिंदा रह सकता है, जबकि भारत में यह सरकारी आंकड़ा औसतन 67 साल है। अलबत्ता चिकित्सकों के आकलन हैं कि यदि समयबद्ध तरीके से दवाइयां ली जाएं, परहेज किए जाएं, निरंतर टहलना-योग आदि किए जाएं और पोषण-व्यवस्था बेहतर हो, तो आम आदमी 80-85 साल की जिंदगी आसानी से जी सकता है। चलता-फिरता रह सकता है। यकीनन स्वास्थ्य के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए गए हैं, क्रांतिकारी प्रयोग किए गए हैं। कोरोना जैसी वैश्विक महामारी को 'अपवाद' के तौर पर छोड़ा जा सकता है। वैज्ञानिकों ने कोरोना के इंजेक्शन भी बना लिए हैं, बेशक उन पर कुछ विवाद भी हैं, लेकिन उन्होंने आम आदमी को नए प्राण दिए हैं। 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' पर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कई निर्देश जारी किए हैं और स्वास्थ्य संबंधी अंतरराष्ट्रीय सुधार-स्थितियों के भी खुलासे किए हैं। बेशक भारत में मातृ और शिशु मृत्यु दर लगातार घटती जा रही है। वर्ष 2000 से हमारे देश में 5 साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु-दर में करीब 70 फीसदी कमी आई है। नवजात शिशु की मृत्यु-दर में भी करीब 61 फीसदी की कमी आई है। बेशक ये शानदार आंकड़े हैं, जो हमारी स्वास्थ्य-सफलताओं की कहानी कह रहे हैं। वर्ष 2000 में मातृ मृत्यु की संख्या 384 थी, जबकि 2020 में यह घट कर 103 रह गई। उसके बाद मातृ मृत्यु दर में और भी कमी आई होगी। बेशक भारत में मातृ मृत्यु-दर और नवजात बच्चों की मौत का औसत भी कम हुआ है, लेकिन आज भी करीब 25,000 मांओं की मौत हर साल हो रही है। हर साल प्रसव संबंधी जटिलताओं के कारण भी करीब 3 लाख महिलाओं की मौत हो रही है, जबकि 20 लाख से अधिक बच्चे जीवन के प्रथम माह में ही दम तोड़ देते हैं। ये भयानक आंकड़े हैं। मौत के कारण कुछ भी हो सकते हैं, लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि यदि उन्हें बेहतर इलाज मिले और समय पर महिला या शिशु डॉक्टर तक पहुंचाया जा सके, तो ये मौतें भी काफी कम हो सकती हैं। 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' का थीम रखा गया है-'स्वस्थ शुरुआत, आशावादी भविष्य।' साफ मकसद है कि मां और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य और उनकी जिंदगी को बेहतर बनाना। 2030 तक मातृ मृत्यु-दर में सुधार के लक्ष्य से फिलहाल हर 5 में से 4 देश बहुत दूर हैं, जबकि 3 में से 1 देश नवजातों की मौतों को कम करने का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाएगा। 'राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान' का एक अनुमान सामने आया है कि बीते दो दशकों के दौरान प्रजनन संबंधी पेचीदगियों के कारण करीब 13 लाख महिलाओं की मौत हुई। वाकई ऐसे आंकड़े चिंतित करने वाले हैं। बहरहाल विश्व स्वास्थ्य दिवस ने जो थीम तय किया है, उसके मद्देनजर एक साल तक अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान सरकारों और चिकित्सा-समाज से उम्मीद करेगा कि वे मातृ और नवजात को बचाने के लिए अपने प्रयासों में तेजी लाएं। महिलाओं के दीर्घकालिक स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता दें। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मांओं की सेहत को दुरुस्त कर लिया गया, तो दुनिया भर में स्वास्थ्य को लेकर कायाकल्प किया जा सकता है। भारत में स्वास्थ्य को लेकर कई सवाल हैं। पहला सवाल तो बजट को लेकर है। अमरीका जैसे देश स्वास्थ्य पर जितना बजट खर्च करते हैं, उनकी तुलना में भारत नगण्य है। स्वास्थ्य-बीमा पूरी तरह गोरखधंधा और जालसाजी है। कंपनियां बीमार होने पर पैसा जारी करने को आसानी से तैयार नहीं होतीं। सरकार की 'आयुष्मान योजना' का भी अपना चक्रव्यूह है। उसका कार्ड प्राप्त करना भी आसान नहीं है और उसका लाभ भी ऑपरेशन होने पर ही मिलता है, आम बीमारी में नहीं।

> वैश्विक स्तर पर 73 साल की औसत उम्र तक आम आदमी जिंदा रह सकता है, जबकि भारत में यह सरकारी आंकड़ा औसतन 67 साल है। अलबत्ता चिकित्सकों के आकलन हैं कि यदि समयबद्ध तरीके से दवाइयां ली जाएं, परहेज किए जाएं, निरंतर टहलना-योग आदि किए जाएं और पोषण-व्यवस्था बेहतर हो, तो आम आदमी 80-85 साल की जिंदगी आसानी से जी सकता है। चलता-फिरता रह सकता है। यकीनन स्वास्थ्य के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए गए हैं, क्रांतिकारी प्रयोग किए गए हैं। कोरोना जैसी वैश्विक महामारी को 'अपवाद' के तौर पर छोड़ा जा सकता है। वैज्ञानिकों ने कोरोना के इंजेक्शन भी बना लिए हैं, बेशक उन पर कुछ विवाद भी हैं, लेकिन उन्होंने आम आदमी को नए प्राण दिए हैं। 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' पर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कई निर्देश जारी किए हैं और स्वास्थ्य संबंधी अंतरराष्ट्रीय सुधार-स्थितियों के भी खुलासे किए हैं। बेशक भारत में मातृ और शिशु मृत्यु दर लगातार घटती जा रही है।

चाणक्य व विधुर सा नीतिज्ञ समझ मेड इन पत्रकारों के लेबल उछालते हुये मस्त है

गूगल गुरु के कचरा ज्ञान से पैदा होते सम्पूर्णानन्द पत्रकार?

आत्माराम यादव

> आजकल यू-ट्यूबर- व्हाट्सअप, इस्ट्राग्राम कुटुंबएप, फ़ेसबूक आदि पर विशेष प्रकार की वाहियात अक़्लमंद ज्ञानी बेशर्मियों की कब्जेवाली मीडिया खरपतवार गाजरघाँस की तरह फ़ेल चुकी है, इससे बचने के सारे उपाय असफल है। जिसने कभी कागज कलम छुआ नहीं वही गूगल गुरु की प्रेरणा से गीतकार, साहित्यकार ओर पत्रकार बन गया है ओर खुद को किसी बड़े उस्ताद से कम नहीं आँककर बिंदास खबरे लिखते समय सामने वाले को गधा समझता है, इन नामुराद लंगड़ी-लूली,अंधी-बहरी कार्टूननुमा अवसरवादी मीडिया ने पूरे भारत को अपनी चपेट में ले लिया है, अगर आपका शहर, गाँव उसकी चपेट में नहीं आया है तो आप किस्मतवाले है? पर आपकी बात पर कोई विश्वास नहीं करेगा की आप किस्मतवाले है

जहां सबेरा है, वही बसेरा है ओर बसनेवाले कई किस्म के है। आजकल यू-ट्यूबर-व्हाट्सअप, इस्ट्राग्राम कुटुंबएप, फ़ेसबूक आदि पर विशेष प्रकार की वाहियात अक्लमंद ज्ञानी बेशर्मियों की कब्जेवाली मीडिया खरपतवार गाजरघाँस की तरह फ़ेल चुकी है, इससे बचने के सारे उपाय असफल है। जिसने कभी कागज कलम छुआ नहीं वही गूगल गुरु की प्रेरणा से गीतकार, साहित्यकार ओर पत्रकार बन गया है ओर खुद को किसी बड़े उस्ताद से कम नहीं आँककर बिंदास खबरे लिखते समय सामने वाले को गधा समझता है, इन नामुराद लंगड़ी-लूली,अंधी-बहरी कार्टूननुमा अवसरवादी मीडिया ने पूरे भारत को अपनी चपेट में ले लिया है, अगर आपका शहर, गाँव उसकी चपेट में नहीं आया है तो आप किस्मतवाले है? पर आपकी बात पर कोई विश्वास नहीं करेगा की आप किस्मतवाले है, क्योकि यह बीमारी कोरोना से ज्यादा घातक है, अगर आपने सोसल डिस्टेन्स कायम रखने के लिए मोबाइल ओर एलेक्ट्रानिक उपकरणों से दूरी बनायी है तो बात अटपटी होने से किसी के गले नहीं उतरेगी क्योकि हर गरीब भिखारी से लेकर अमीर आदमी मोबाइल का दीवाना है ओर आज हर घर में 2 साल की उम्र के बच्चे से लेकर मृत्युशैया पर लेटा 100 साल का बूढ़ा व्यकित भी मोबाइल की स्क्रीन में चौबीसों घंटे मुंह गढ़ाए बैठा है। इसी से यह बात प्रमाणित हो चुकी है की करोड़ों मोबाइल में दस प्रतिशत लोग अक्लमंदी के शिकार है ओर उनके दिमाग में भरा कचरा किसी सनसनीखेज समाचार, रपट या ज्ञानवर्धक लेख से कम नहीं इसलिए वह मीडिया बेशर्मी से समाज के सामने अपना कचराज्ञान बाँटकर अपनेआप को बुद्धिमान साबित करने की होड में लगा है। वे सभी जानते है की न तो उनके माता के कुलवंश मे ओर न ही उनके पिता के कुलवंश में किसी ने कभी कोई नाम किया है फिर भी वे अपने को चाणक्य व विधुर सा नीतिज्ञ समझ मेड इन पत्रकारों के लेबल उछालते हुये मस्त है। एक समय फाउंटेन पेन पत्रकारों की शान था आज सारे पेन गुमनामी के अंधेरे में खो गए है। मीडिया में बहती गंगा में हाथ धोने की प्रतिस्पर्धा लगी है तभी इस दौड़ में हरेक अवसर पाना चाहता है। अधिकांश वे लोग जो शार्ट कट से धन कमाने के लिए कुछ भी करने को तैयार हो जाते है वे अपनी सारी कड़वाहट पचाकर मीडिया ज्वाइन आर रहा है

, इसलिए यह स्वार्थपरक युग उनका युग हो गया है जो हर अवसर को भुनाना चाहता है । विशेषकर मेरा शहर व तथाकथित पत्रकारों की एक बड़ी जमात तैयार हो चुकी है और इस जमात में इनकी संख्या में दिनोंदिन इजाफा हो रहा है, जो जनता का शोषण ओर प्रशासनिक अधिकारियों पर निगरानी रख सफेदपोशों के साथ गढ़बंधन कर बड़ी परेशानी का कारण बनते जा रही है। एक ओर मुख्यधारा के रूप में माने जाने वाले ईलेक्ट्रानिक चैनल है तो दूसरी ओर प्रिंट मीडिया संस्थानों में कार्य करने वाले कठपुतली कामगार पत्रकारों की सिंगल बेनरों को कंधे पर उठाए आसानी से मैनेज हो जाने वाले पत्रकार जो एकला चलो की नीति पर अकेले सुनी सड़कों पर चलते ओर भीड़ के सामने बिजली सा कड़कते ,बिस्फोट सा फूटते ओर भैंसा सा गर्राते दिखेंगे ओर सांड को देखकर मिमियाते मिलेंगे। कट केमरा एक्शन का उपयोग करने वाले टीवी चैनलों के नए एंकर दिखने में शर्माने-लजाने वाले होंगे ओर सबको निबाहने वाले होते है जबकि थोड़ा सा पुराने हुये एंकर जानीवाकर के साथ भयंकर दिखाई देते है जो विलायती नस्ल की झबरीली कुतिया को पाकर प्रसन्न उसी में रमे रहते है ओर जब वह टाँगे पसारती है तो उस समय वे फिल्मी पंचम गीतों को बेसुरा गाते-सहलाते अपनी अंगुलिया फेरते खुश होते है ओर कुतिया भी अपने को धन्य समझती निहाल हो उठती है, कुतिया पपी को मिलने वाले इस आदर सत्कार से भले एंकर की घरवाली नाराज हो पर सुबह शाम झबरीली पपी को घुमाते समय के चर्चे आफ़िसों में होते है ओर पपी की तारीफ़ों के पुल बांधते एंकर साहब घर बैठे लिफाफा ओर गिफ्ट पाते है ओर अन्य एंकर-संवाददाताओं के गिफ़्टों का ठेका लेकर उनके लिफाफे ओर गिफ्ट भी हजम कर जाते है। आप सोच रहे होंगे की अब जीवनरस में क्या शेष या विशेष रह गया है जिसे व्यक्त किया जाये। अभी तक की बाते सही मायने में पत्रकार या मीडियाकर्मियों की थी जो आपको दिल को तर-तर करती सुपथ मार्ग की प्रतीत होती होंगी ओर उसमें बेशर्म जैसी कोई बात नही होगी, यदि हुई है तो उस बेशरम मीडिया की बात आनी चाहिए बात उनकी है जो अपने पैरों पर कभी भी खड़े नही हो सकते, ओर न ही चल सकते है तो फिर बिना चले तरक्की कैसे करेंगे, ऊपर उठने-बड़्ने के लिए नसेनी या सीढ़िया तो चढ़नी ही होगी? कितनी भी तिकड़म लगाओं? कितनी भी कोशिश करो? कितनी भी चतुराई दिखाओं? बिना टांग उठाए ये सारी चतुराई व्यर्थ ही है ? टांग नही उठा सकते हो तो हाथ ही उठा ले, हाथ में मुसलचंद मोबाइल को पकड़ ले, मोबाइल उठाते ही मूर्ख से भी मूर्ख मतिमंद भी चार्ज हो उठता है ओर वे ज्ञानचंद बुद्धिप्रकाश बन जाते है। इस प्रकार तमाम मूर्खचंद मीडियाकर्मी विध्यासागर हो जाते है ओर ये सभी गूगलगुरु की कृपा का प्रसाद पाकर खुदकों पत्रकार सम्पूर्णानन्द मान व्हाट्सअप, फ़ेसबूक,यू-ट्यूबर पर अपनी खबरों-सूचनाओं का महाजाल बुनकर एक बात के छह छह अर्थ बताकर उलझी बातों को सुलझाने ओर सुलझी बालों को उलझाकर अपनी मूर्खता के पट खोलते है ओर समझते है की पाठकों के दिमाग उनकी कलम के इस मूर्खज्ञान ने गिरवी रख लिए है। इन तथाकथित पत्रकारों के इस गूगलगुरु स्वरूपा भानुमती के पिटारा ज्ञान के खोफ से घबराय लोग तत्काल उनके खिलाफ आई सूचनाओं- खबरों के प्रकाशन ओर प्रसारण न किए जाने हेतु संधि कर सुख पाते है। ये सारे लोग अपने को हद दर्जे का ईमानदार बतलाकार संस्पेंश पैदा करते है इनमें सबसे बड़ा भ्रष्ट खाऊ होता है वह कमीशन तय कर मैनेज करने का काम करता है। वह इनके कम बोलने पर इन्हे बेईमानी के तराजू में तोलते समय बोली ज्यादा लगाकर इन्हे कृतकृत कर देता है ओर अपना नंबर आने पर ये ही दो कोडी के लंगू भंगु अपने को कम तोलते है, कम नापते है,कुल मिलाकर ये अपने को ईमानदार बिकाऊ न होना बताकर बाजार में खुलेआम नीलाम कर एक इंसान होने का दर्जा छोड़ मात्र एक बिकाऊ सामग्री में शामिल हो जाते है।

दृष्टि कोण

सरकारी स्कूलों में आधारभूत सुधारों की दिशा

हिमाचल प्रदेश सरकार ने सरकारी स्कूलों को आधुनिक बनाने और शिक्षा के स्तर को ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुधार किए हैं। इन सुधारों का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना और उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है। सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि सभी विद्यार्थियों को समुचित सुविधाएं मिलें और वे शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर सकें। आधारभूत संरचना को सुदृढ़ किया जा रहा है, जिसमें स्कूल भवनों का नवीनीकरण, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, पुस्तकालय, खेल के मैदान, स्मार्ट क्लासरूम और प्रयोगशालाओं का विस्तार शामिल है। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि प्रत्येक विद्यार्थी को उचित बैठने की व्यवस्था मिले और वे एक स्वच्छ तथा सुरक्षित वातावरण में पढ़ाई कर सकें। शिक्षा प्रणाली को डिजिटल रूप में बदलने के लिए आईसीटी लैब और स्मार्ट क्लासरूम की स्थापना की जा रही है, जिससे छात्र डिजिटल माध्यमों से शिक्षा ग्रहण कर सकें। डिजिटल शिक्षा के माध्यम से छात्रों को विषयों को गहराई से समझने में मदद मिल रही है, साथ ही ऑनलाइन संसाधनों तक उनकी पहुंच को भी सुनिश्चित किया जा रहा है। सरकार योग्य और प्रशिक्षित शिक्षकों की नियुक्ति सुनिश्चित कर रही है, शिक्षकों के स्थानांतरण को सुव्यवस्थित किया जा रहा है और एक केंद्रीकृत शिक्षा मॉनिटरिंग प्रणाली विकसित की गई है। इस नई व्यवस्था के तहत प्रत्येक विद्यालय की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है, जिससे शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाया जा सके। प्रदेश सरकार स्कूलों में प्रशासनिक सुधार भी कर रही है, जिससे छुट्टियों की सुनियोजित व्यवस्था, एकीकृत निदेशालय की स्थापना और शिक्षकों के प्रशिक्षण में व्यापक बदलाव हो रहे हैं। प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल और त्वरित बनाया जा रहा है ताकि शिक्षक और विद्यार्थी शिक्षा पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकें। अंग्रेजी माध्यम को बढ़ावा देने के लिए कई सरकारी स्कूलों को अंग्रेजी माध्यम में बदला गया है, जिससे छात्रों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सहायता मिले। वर्तमान समय में अंग्रेजी भाषा की महत्ता को ध्यान में रखते हुए, सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि विद्यार्थी शुरू से ही अंग्रेजी में दक्षता प्राप्त करें, जिससे उन्हें उच्च शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त हो सकें। इसके अतिरिक्त सरकार यह भी सुनिश्चित कर रही है कि छात्रों को उनकी मातृभाषा में भी पर्याप्त ज्ञान मिले ताकि वे अपनी सांस्कृतिक पहचान से जुड़े रहें। सरकारी स्कूलों में निशुल्क परिवहन, मध्यान्ह भोजन योजना, यूनिफॉर्म और किताबें प्रदान की जा रही हैं, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को लाभ मिल रहा है। इन योजनाओं से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी छात्र आर्थिक तंगी के कारण शिक्षा से वंचित न रहे। हाल ही में सरकार ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित करियर काउंसिलिंग की भी शुरुआत की है, जिससे छात्रों को उनकी रुचि और क्षमता के अनुसार करियर विकल्पों की जानकारी मिल रही है। इस नई पहल के माध्यम से विद्यार्थियों को भविष्य की संभावनाओं के बारे में जागरूक किया जा रहा है और उन्हें सही मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश सरकार शिक्षा क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए प्रत्येक वर्ष राज्य के अध्यापकों और विद्यार्थियों को विदेश भ्रमण पर भेज रही है, ताकि वे अन्य देशों की उन्नत शिक्षा पद्धतियों, तकनीकी प्रयोगों और नवाचारों को प्रत्यक्ष रूप से समझ सकें। इस पहल का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार करना, वैश्विक दृष्टिकोण विकसित करना, तकनीकी समावेशन को बढ़ावा देना, अनुसंधान व नवाचार को प्रोत्साहित करना तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान को सुदृढ़ करना है। विदेशों की आधुनिक शिक्षण विधियों से परिचय होने से शिक्षक अधिक प्रभावशाली ढंग से पढ़ा सकते हैं, वहीं छात्र वैश्विक स्तर पर सोचने और सीखने की क्षमता विकसित करते हैं। यह प्रयास हिमाचल प्रदेश की शिक्षा प्रणाली को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाने और शिक्षकों व छात्रों को आत्मविश्वासी, सृजनशील तथा वैश्विक नागरिक के रूप में तैयार करने की दिशा में एक प्रभावी कदम है। सरकार के इन प्रयासों के कारण अब सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता में सुधार हुआ है और अभिभावकों का ध्यान कॉन्वेंट स्कूलों की बजाय सरकारी स्कूलों की ओर बढ़ा है। सरकारी स्कूलों में आधुनिक सुविधाएं, योग्य शिक्षक, डिजिटल शिक्षा और निशुल्क सेवाओं के चलते शिक्षा का स्तर ऊंचाइयों को छू रहा है।

कुछ अलग

आओ कब्र खोदें

कई दिनों से झुन्नू लाल जी के घर से रात को निरंतर गैंती चलने की आवाज़ें आ रही थीं। ऐसा लगता था मानो वहां कोई बड़ी खुदाई का काम चल रहा हो। हर रात मेरी नींद टूट जाती और काफी देर तक करवटें बदलते हुए मैं सोचता रहता कि वहां चल क्या रहा है। मुझे झुन्नू लाल जी के घर से न तो किसी तरह की मरम्मत का काम चलने की ख़बर थी और न ही किसी नई निर्माण योजना का समाचार। महंगाई, बेरोजग़ारी और पिछले दस सालों से कम कमाई की मार झेलता हुआ मध्यम वर्ग राष्ट्रवाद और अपने स्वर्णिम इतिहास की अफीम चाट कर अभी भी गाढ़ी नींद में सो रहा था। पर निरंतर आने वाली आवाज़ों से उनींदे होने पर अक्सर मेरे लबों पर किशोर दा और लता मंगेशकर के हिंदी फिल्म आपकी क़सम में गाए गीत 'करवटें बदलते रहें सारी रात हम, आपकी क़सम' के बोल अनायास चलने लगते। मैं न जाने कितनी देर तक सोचता रहता कि उम्र के चौथे पड़ाव में रात को नींद टूट जाने के बाद मैं अपने महबूब की क़सम भी नहीं खा सकता। इस उम्र में बीवी से सिर्फ निबाह ही हो सकता है। मोहब्बत की गुंजाइश किसी राजनेता की ईमानदारी की तरह सात तालों में बंद हो जाती है। एक रात जब मुझसे नहीं रहा गया तो मैं यह सोचता हुआ झुन्नू जी के घर जा पहुंचा कि शायद अपने देश तथा ख़ानदान के गौरवमयी स्वर्णिम इतिहास की खोज और अनुसंधान के दौरान उनको किसी गुप्त खज़ाने का नक्शा मिल गया होगा या देश में हर साल दो करोड़ से अधिक नौकरियां पैदा होने के कारण अपने घर में कोई नया निर्माण कार्य या मरम्मत करवाने के लिए दिन में मज़दूर नहीं मिल रहे होंगे तो रात में काम करवा रहे होंगे। यूं भी जिस देश का प्रधानमंत्री हर रोज़ अठारह या बीस घंटे काम करता हो वहां लोगों को ओवरटाईम काम करने की लत पड़ ही जाती है। ओवरटाईमिंग की इसी लत के कारण देश का मज़दूर वर्ग ग़रीबी से ऊपर उठ कर मध्यम वर्ग में घुसपैठ कर चुका है और मध्यम वर्ग कुछ ही सालों में अडानी और अम्बानी को टक्कर देने लगेगा। हालांकि पिछले कुछ सालों से काम और बेहतर ज़िंदगी की तलाश में डंकी रूट के ज़रिए अमेरिका और यूरोप के देशों में अवैध घुसपैठ करने वाले भारतीय युवाओं की संख्या में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री के लंगोटिये यार और अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने हाल ही में अवैध भारतीय घुसपैठियों को हथकड़ी पहना कर सेना के विमान में भारत वापस भेजा था। जब मैंने दरवाज़ा खटखटाया तो पीप होल से झांकते हुए झुन्नू जी ने किवाड़ खोले। हर बार मेरे आगमन पर चहकने वाले झुन्नू जी इस बार थोड़ा परेशान दिखे। पूछने पर बोले, 'यार! मुझे इसी बात का डर था कि रात को घर से आ रही आवाज़ों के चलते कहीं पड़ोसी न आ धमकें। लेकिन तुम्हारे आने का अंदेशा सबसे ज़्यादा था। ख़ैर! आ ही गए हो तो बैठ कर बात करते हैं।' इतना कहते हुए उन्होंने प्लास्टिक की एक कुर्सी उस कमरे के पास खींच ली जहां खुदाई का काम चल रहा था। मैंने उनसे पूछा कि आपने काम के लिए जो मज़दूर रखे हैं, वे मेरे आते ही कहां ग़ायब हो गए। वह अपने होठों पर रहस्यमयी मुस्कान लाते हुए बोले, 'कुछ काम खुद ही करने होते हैं। मैंने कोई मज़दूर हायर नहीं किया। दरअसल मैं नहीं चाहता था कि किसी को इस खुदाई के बारे में पता चले। यह तुम थे तो मैंने दरवाज़ा खोल दिया। अगर कोई और होता तो दरवाज़ा नहीं खुलता।' उनके इस अपनत्व से भाव-विभोर होते हुए उनका धन्यवाद करते हुए मैंने पूछा कि क्या खुदाई की कोई ख़ास परियोजना है, हड़प्पा या मोहनजोदड़ो की तरह।' वह उसी तरह अपने होठों पर रहस्यमयी मुस्कान बिखेरते हुए बोले, 'यह उससे भी बड़ा काम है।

देश दुनीया से

वैश्विक उथल-पुथल में भारत के लिए संभावनाएं

भारत श्रीलंका के बीच अच्छे, और बुरे दोनों तरह के सम्बन्ध रहे हैं। राजीव गांधी के कालखंड में उभयपक्षीय संबंधों का भूस्खलन लोग भूल नहीं पाते। नई दिल्ली ने पिछले साल के राष्ट्रपति और संसदीय चुनावों से काफी पहले सही तरीके से अंदाजा लगा लिया था, कि राजनीतिक हवाएं किस दिशा में बह रही हैं। पीएम मोदी ने जल्द ही राष्ट्रपति बनने वाले अनुरा कुमार दिसानायके को भारत आने का निमंत्रण दिया, जहां उनका शानदार स्वागत हुआ। राष्ट्रपति चुने जाने के कुछ सप्ताह बाद दिसानायके ने भारत की राजकीय यात्रा की, बाद में वो चीन भी गए। श्रीलंका, निस्संदेह हिंद महासागर में भारत और चीन के बीच शक्ति प्रतिद्वंद्विता से लाभान्वित हो रहा है, जहां भारत अपनी पड़ोसी प्रथम नीति के माध्यम से लाभ चाहता है, जबकि चीन अपनी 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' के माध्यम से लाभ उठाना चाहता है। नए श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने भारत की अपनी पहली राजकीय यात्रा करने के बाद, चीन की यात्रा करने का विकल्प चुनकर शक्ति संतुलन का प्रयास किया था। जनवरी, 2025 में दिसानायके ने चीन की राजकीय यात्रा की, जिस दौरान दोनों पक्षों ने चीन-श्रीलंका रणनीतिक सहकारी साझेदारी को गहरा करने और साझा करने का संकल्प किया था। श्रीलंका का अख़बार 'द आइलैंड' ने अपने सम्पादकीय में लिखा- 'उपहार के घोड़ों के मुंह पर हाथ धरे बैठे बिना, हमें हमेशा सचेत रहना चाहिए, कि मुफ़्त भोजन जैसी कोई चीज़ नहीं होती है। हमें अपने हितों की रक्षा करनी चाहिए।' एक बात है, श्रीलंका की घरेलू राजनीति से भारत का तमिलनाडु सीधा प्रभावित नहीं होता, तो सहयोग का स्वरूप कुछ और होता। श्रीलंका की यात्रा के तुरंत बाद, रविवार को पीएम मोदी का रामेश्वरम पहुंचना, पंबन वर्टिकल रेल पुल का उद्घाटन, आखिर क्या सन्देश देता है? श्रीलंका के बरास्ते पीएम मोदी तमिलनाडु में व्यूह रच रहे हैं, इतनी बात तो किसी राजनीतिक विश्लेषक की समझ में आ जानी चाहिए। श्रीलंका में महो-अनुराधापुरा रेलवे सिग्नलिंग सिस्टम और नव उन्नत महो-ओमानथाई रेलवे लाइन का उद्घाटन, ऊर्जा, डिजिटलीकरण, सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवा के साथ-साथ भारत की ऋण पुनर्गठन सहायता से संबंधित समझौते, सामपुर सौर ऊर्जा संयंत्र, दांबुला में 5,000 मीट्रिक टन तापमान और आर्द्रता नियंत्रित कोल्ड स्टोरेज सुविधा, और 5,000 धार्मिक स्थलों पर सौर पैनलों की स्थापना, त्रिंकोमाली को ऊर्जा केंद्र के रूप में विकसित करने, श्रीलंका में बिजली, पेट्रोलियम में कनेक्टिविटी स्थापित करने, चिकित्सा आदि के क्षेत्र में सहयोग, ये सब उस व्यूह रचना का हिस्सा है, जो श्रीलंका से तमिलनाडु तक डैमेज कंट्रोल की तरह है। प्रधानमंत्री मोदी अपने साथ कई उपहार भी लेते गए, जिनमें युद्धग्रस्त उत्तरी और पूर्वी प्रांतों में सामाजिक, आर्थिक विकास के लिए लगभग 2.4 बिलियन श्रीलंकाई रुपये के पैकेज के रूप में है। शायद, यही सहयोग भाव तमिलनाडु की राजनीतिक तपोभूमि में बीजेपी का मार्ग प्रशस्त करेगा। श्रीलंका 2022 में भारत द्वारा प्रदान की गई भारी सहायता को नहीं भूल सकता, जब इस देश ने अपने समकालीन इतिहास में सबसे खराब आर्थिक संकट का सामना किया था। उस समय भारत ने बहु-आयामी सहायता प्रदान की, जिसमें कई क्रेडिट लाइनों और मुद्रा समर्थन के माध्यम से 4 बिलियन डॉलर का वित्तपोषण पैकेज शामिल था, ताकि इस देश को आवश्यक आयातों को बनाए रखने और अपने ऋणों पर चूक से बचने में मदद मिल सके। लेकिन, जो बात चीन-पाकिस्तान-अमेरिका और एशिया-प्रशांत के देश जानना चाहते हैं, वो है रक्षा सहयोग। दोनों शासन प्रमुखों ने अपनी मुट्ठी नहीं खोली। प्रधानमंत्री मोदी ने 16 दिसंबर, 2024 को राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के साथ साझा प्रेस सम्मलेन को संबोधित एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के निर्णय का खुलासा किया था, किन्तु उसका ब्योरा नहीं दिया था। हालांकि, सेवानिवृत्त एयर वाइस मार्शल संपत थुयाकोंथा, जिन्होंने रक्षा सचिव के रूप में रक्षा सहयोग पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, ने कहा कि वे 2023 में रक्षा वार्ता के दौरान एक समझौता ज्ञापन के हवाले से रक्षा संबंधों को मजबूत करने पर सहमत हुए हैं। फिर भी, 2023 में रक्षा वार्ता में क्या कुछ था? उसे डिकोड करना चुनौती जैसा है। इस बार, पीएम मोदी ने जो कुछ भी रक्षा समझौते में किया, उसे लेकर चीन की भृकुटियां नहीं तनी हैं। हो सकता है, ट्रंप से तनाव की वजह से राष्ट्रपति शी भारत से नरम रुख़ बनाये रखना, वक्त का तकाज़ा समझते हों। चीन इस बार निर्विकार भाव से श्रीलंका-भारत संबंधों को देख रहा है। फुतान विश्वविद्यालय में दक्षिण एशियाई अध्ययन केंद्र के उप निदेशक लिन मिनवांग ने रविवार को ग्लोबल टाइम्स से कहा, 'मोदी की श्रीलंका यात्रा का मुख्य उद्देश्य चीन से संबंधित मुद्दे नहीं थे, क्योंकि भारत-श्रीलंका द्विपक्षीय संबंध भी विभिन्न जटिल मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' इस बार दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग पर सहमति-पत्र (एमओयू), 29 जुलाई, 1987 को विवादास्पद भारत-श्रीलंका शांति समझौते के लगभग 38 साल बाद आया है, जिस पर श्रीलंका के तत्कालीन राष्ट्रपति जयवर्धने और भारतीय प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने हस्ताक्षर किए थे। उस समय भी समझौते की शर्तों को मंत्रिमंडल से छिपाया गया था। तब श्रीलंका की मार्क्सवाद-लेनिनवाद विचारधारा वाली वामपंथी पार्टी, जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) ने भारतीय विस्तारवाद का मुद्दा बनाया था। मगर आज, सबकुछ मीठा-मीठा है। हालांकि, फ्रंटलाइन सोशलिस्ट पार्टी और कुछ समूहों ने कोलंबो में विरोध प्रदर्शन करने की धमकी दी है। श्रीलंका, नए नेतृत्व के तहत एक नई राजनीतिक दिशा में आगे बढ़ रहा है, फिर भी, भारतीय मछुआरों द्वारा श्रीलंका के जलक्षेत्र में अवैध शिकार, और समुद्री पर्यावरण को नष्ट करना हर बार मुद्दा बनता है। इस साल अवैध शिकार के आरोप में श्रीलंका ने 140, और 2024 में 550 से ज़्यादा भारतीय मछुआरों को गिरफ़्तार किया है। क्या इसका कोई निर्णायक समाधान हो पाएगा।

आप का नजरीया

गली में आवारा गाय

एक ही बैल ने कई कहानियां कह दीं, लेकिन तुम हो कि खबर नहीं। गोवंश के नाम पर जिनका खून खौलता, वे हकीकत में देखें कि रात के सन्नाटों में आवारा पशुओं के कारण किसान का दिल कितना डूबता है। हमारा खेत अगर सभी पशुओं को चारा नहीं दे सकता, तो कृषि नीति को कोसें या सस्ते राशन पे उजड़ते खेत को देखें। कभी पशुधन होता था, आज सडक़ पर खड़ा वह अपराधी है। होंगे अपराधी जो पांवटा साहिब की शांति में गोवंश के अवशेष यमुना किनारे छोडक़र माहौल खराब कर गए, लेकिन किसान के खेत को आवारा पशु चट करते हैं, तो उसका पेट कटता है। विडंबना यह कि हिमाचल में नलवाड़ मेले पालतू पशुओं या गोवंश की याद में चल रहे हैं, लेकिन शुभारंभ के खूंटों पर माहौल उदास है। अब नहीं आती बैलों की जोड़ी वहां, लेकिन सुंदरनगर, बिलासपुर या किसी अन्य शहर के हर चौक पर आवारा पशु अब एक खौफनाक समुदाय है। गोवंश का आवारा होना हमारी योजनाओं का अंधापन है या वाकई इसका अब ग्रामीण समाज से कोई रिश्ता नहीं। वहां खेत में सबसिडी में टिल्लर आता है और किराए की मजदूरी में पूरी तरह जोत जाता है। ढूंढना अब हल कल के मुजारे के पास, क्योंकि लैंड सीलिंग एक्ट ने समाज से खेती और खेती की जरूरत छीन ली। आखिर राशन डिपो का सामान हिमाचल में तो नहीं उगता। यह दीगर है कि हिमाचल में दूध की मांग और दूध के उपभोक्ता बढ़ गए, लेकिन यह अब आयातित सामान है, रोज सुबह बाहर से आता है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री रहे शांता कुमार गोवंश के संरक्षण की आवाज उठाते हैं। बेशक गऊ को माता का दर्जा देने वाले हम हिंदू और हमारी भावनाएं इन्हें लेकर किसी विवाद से आहत होती हैं। हम धार्मिक वैमनस्य की गलियों में तो गोवंश के समर्थन और सुरक्षा में एकजुट हो जाते हैं, लेकिन इनके आवारा झुंडों के करीब जाने से भी कतराते रहते हैं। जब पांवटा साहिब की भावनाएं उबाल बिंदु पर थीं, तब भी शहर के किसी कोने में कोई गाय आवारा थी। जब हिंदू संवेदना इस भूखंड पर प्रचंड थी, तब भी गोवंश का कोई सदस्य कूड़े में मुंह मार रहा था या प्लास्टिक चबा रहा था। हमारा आक्रोश अगर सही है, तो हम बता दें पूरे विश्व को कि गऊ माता को हम अपनी छत या सामुदायिक जिम्मेदारी से कितना प्रश्रय देते हैं। क्या गोवंश चौराहों पर आवारा परिक्रमा का दस्तूर बनकर जीए या आवारा होते ही इसके हिस्से का नवाला छीन लिया जाए। जब तक हमारी खेती और हमारी आर्थिकी गोवंश को पूरी तरह नहीं अपनाएगी, ये असहाय प्राणी अपनी खुराक की तलाश में किसान को रुलाएगा। काश वन संरक्षण अधिनियम की परिपालना से पहले हिमाचल ने पशुओं के चारे के लिए निर्धारित जमीनों पर चीड़ न उगाए होते। हमने वे सारी धारें बर्बाद कर दीं जहां हर मौसम, परिस्थिति और हर हालत में पशुओं को चारा मिला करता था। आज परिस्थितियां शांता कुमार की गली तक बिगड़ी हैं, तो वहां घूमते आवारा पशुओं के पीछे हम सभी मूकदर्शक हैं। गोवंश की प्रासंगिकता अगर जीवन में घट गई, तो हमारे सांस्कृतिक सरोकार कहीं न कहीं खोखले व दोगले हैं। इसी बीच कांगड़ा के कच्छियारी के हर्मिंद्र सिंह के बछड़े का मूल्य अगर पशुपालन विभाग तय कर रहा है, तो इस पशुपालक की प्रयोगशाला से तमाम गोवंश समर्थकों को सेवा भाव भी सीख लेना चाहिए।

बिहार में नौकरियों की बहार, 27,370 पदों पर नियुक्ति के प्रस्ताव पर मंत्रिमंडल की मुहर

पटना (हिंस)। बिहार सरकार ने सरकारी नौकरियों का पिटारा खोल दिया है। मंगलवार को हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में कुल 27 प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसमें 27,370 से भी अधिक पदों पर नई नियुक्तियों के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई है। इसके अलावा मंत्रिमंडल ने कई योजनाओं को भी अपनी स्वीकृति प्रदान की है, जिसके तहत राज्य में विभिन्न विकास कार्यों को अमलीजामा पहनाया जाएगा। इससे पहले विगत 19 मार्च को कैबिनेट की बैठक में कुल 38 प्रस्तावों पर मुहर लगायी गई थी। इसकी जानकारी मंत्रिमंडल के समन्वय विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने मंगलवार को एक संवाददाता सम्मेलन में दी। उन्होंने बताया कि राज्य मंत्रिमंडल की मंगलवार को हुई बैठक में कृषि विभाग में लिपिक संवर्ग नियमावली-2024 के आलोक में कुल 2,590 पदों के पुनर्गठन की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इसके अलावा बिहार कर्मचारी चयन आयोग में डाटा एंट्री ऑपरेटरों के कुल 35 नए पदों पर बहाली के प्रस्ताव को भी मंत्रिमंडल ने अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी। इसी तरह मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के अंतर्गत राज्य के कुल छह जिलों -रोहतास, औरंगाबाद, पश्चिम चंपारण, बेगूसराय, किशनगंज और गोपालगंज में स्थायी रूप से एक-एक नया उत्पाद रसायन प्रयोगशाला खोला जाएगा। इन प्रयोगशालाओं में परीक्षक, प्रयोगशाला सहायक, प्रयोगशाला तकनीशियन, निम्न वर्गीय लिपिक और उत्पाद एवं कार्यालय परिचारी के कुल 48 नए पदों पर नियुक्ति की जाएगी। मंत्रिमंडल ने स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत लोक स्वास्थ्य संवर्ग एवं अस्पताल प्रबंधन संवर्ग के गठन के प्रस्ताव पर भी अपनी मुहर लगा दी है। इसमें कुल 20,016 नये पदों का सृजन किया गया है। इसके तहत कुल तीन निदेशक बनाए जाएंगे। शैयायुक्त आयुष अस्पताल, नवाब मंजिल, पटना के संचालन के लिए भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के आलोक में राजपत्रित और अराजपत्रित संवर्ग के कुल 36 नए पदों का सृजन किया गया है। सरकार ने राज्य में संचालित प्राथमिक से उच्च माध्यमिक स्तर तक के विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित करने का फैसला लिया है। इसके तहत प्रखंड स्तर पर एक सुदृढ़ प्रशासनिक संरचना विकसित किया जाएगा। मंत्रिमंडल ने बिहार शिक्षा प्रशासन संवर्गीय नियमावली-2025 के गठन की स्वीकृति दे दी है। मंत्रिमंडल ने बिहार राज्य उर्दू अनुवादक संवर्ग नियमावली-2016 के अधीन सहायक उर्दू अनुवादक के कुल 1653 पदों के सृजन को अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पिछले दिनों घोषणा की थी कि अब राज्य में सहायक उर्दू अनुवादक के पदों की संख्या को बढ़ाकर 3,306 की जाएगी। केंद्र प्रायोजित अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन के अंतर्गत बक्सर जलापूर्ति परियोजना के लिए कुल 156 करोड़ एक लाख 32 हजार रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है, जबकि बिहार दंत शिक्षा सेवा संवर्ग नियमावली-2025 को भी स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। बिहार आकस्मिकता निधि के स्थायी कार्य जो 350 करोड़ रुपए हैं, वित्तीय वर्ष 2025-26 में 30 मार्च 2026 तक के लिए और अस्थायी रूप से बढ़ाकर 10,000 करोड़ करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। वित्त विभाग ने सप्तम राज्य वित्त आयोग के गठन को अपनी स्वीकृत दे दी है। इसके तहत आयोग के अध्यक्ष को मंत्री और अन्य सदस्यों को राज्यमंत्री का दर्जा प्रदान किया गया है। बिहार के मंत्री वेतन एवं भत्ता नियमावली-2006 में संशोधन करते हुए राज्यमंत्रियों और उप मंत्रियों के वेतन-भत्ता में वृद्धि की गई है। अब उप मंत्रियों और राज्यमंत्रियों का वेतन 50 हजार रुपए से बढ़कर 65 हजार रुपए हो जाएगा। इसके साथ ही उनको मिलने वाले क्षेत्रीय भत्ता को 55 हजार रुपए से बढ़ाकर 70 हजार रुपए कर दिया गया है, जबकि उनके दैनिक भत्ता को तीन हजार रुपए से बढ़ाकर 3500 रुपए कर दिया गया है। इतना ही नहीं राज्यमंत्रियों के आतिथ्य भत्ता को 24 हजार रुपए से बढ़ाकर 29,500 रुपए और उपमंत्री को मिलने वाले आतिथ्य भत्ता को 23,500 रुपए से बढ़ाकर 29000 रुपए कर दिया गया है। सरकारी कर्तव्यों के निर्वहन के लिए अनुमान यात्रा भत्ता को 15 रुपए प्रति किलोमीटर के स्थान पर अब 25 रुपए प्रति किलोमीटर कर दिया गया है।

भाजपा नेता के घर पर ग्रेनेड हमले से चौतरफा घिरी आआपा सरकार

भाजपा, कांग्रेस और अकाली दल ने कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के पूर्व मंत्री एवं भाजपा नेता मनोरंजन कालिया के आवास पर ग्रेनेड हमले की घटना के बाद पंजाब में कानून व्यवस्था के मुद्दे पर राज्य की आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार चौतरफा घिर गई है। पंजाब के विपक्षी दलों ने एकजुटता के साथ आम आदमी पार्टी सरकार को घेर लिया है। मनोरंजन कालिया के घर पर हुए हमले के विरोध में आज भाजपा कार्यकर्ताओं ने जालंधर में प्रदर्शन भी किया। पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने इस मामले में आआपा सरकार और पुलिस के रोल पर सवाल उठाए हैं। साथ ही उन्होंने बताया है कि गृहमंत्री अमित शाह ने मनोरंजन कालिया से बात कर मामले की जानकारी ली है। जल्द ही बड़ी कार्रवाई हो सकती है। जाखड़ ने कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी की लीडरशिप में दम नहीं है। सब कुछ दिल्ली वाले चला रहे हैं। दिल्ली से मनीष सिसोदिया जैसे अन्य कई नेताओं को पंजाब में लाया गया है। शिरोमणि अकाली दल के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने कहा कि आज मैंने भाजपा नेता मनोरंजन कालिया से कल रात हुए ग्रेनेड हमले के बारे में जानकारी लेने और उनका हालचाल जानने के लिए बात की। पुलिस चौकी से 100 मीटर दूर इन हमलावरों की बेखौफ हरकत पंजाब के जंगल राज की कहानी बयां करती है। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री भगवंत मान से इस्तीफा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि पंजाब एक सीमावर्ती राज्य है, इसका भाईचारा और कानून व्यवस्था का दुरुस्त रहना बहुत जरूरी है। मौके की संवेदनशीलता को समझते हुए तुरंत इस्तीफा दें, क्योंकि आप पंजाब को संभालने में बुरी तरह विफल रहे हैं। जालंधर कैंट से कांग्रेस विधायक परगट सिंह ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि मैं पूर्व मंत्री और भाजपा नेता मनोरंजन कालिया के आवास पर ग्रेनेड हमले की कड़ी निंदा करता हूं। भगवंत सिंह मान की सरकार में पंजाब में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और राज्य अराजकता की ओर बढ़ रहा है। भगवंत मान आप सिर्फ मुख्यमंत्री के तौर पर ही विफल नहीं हो रहे हैं बल्कि गृह मंत्री के तौर पर भी आप पूरी तरह विफल रहे हैं। पंजाब के आम लोगों के लिए क्या उम्मीद है। पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने कहा कि भाजपा नेता मनोरंजन कालिया के आवास पर ग्रेनेड हमला पंजाब में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के कार्यकाल में बढ़ती हिंसा की एक कड़ी याद दिलाता है। उनके पदभार संभालने के बाद से कई विस्फोट हुए हैं। यह पैटर्न कानून और व्यवस्था बनाए रखने में एक महत्वपूर्ण चूक को रेखांकित करता है। यदि मुख्यमंत्री नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकते हैं, तो उन्हें पद छोड़ देना चाहिए।

लॉरेंस-रोहित गोदारा गैंग के दो गुर्गे मोहाली से गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई तथा रोहित गोदारा गैंग के दो गुर्गों को मोहाली से गिरफ्तार किया है। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने मंगलवार की सुबह सोशल मीडिया एक्स पर बताया कि पंजाब पुलिस के एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स ने लॉरेंस बिश्नोई और रोहित गोदारा गैंग के दो प्रमुख गुर्गों जशन संधू और गुरसेवक सिंह को गिरफ्तार किया है। जशन इस गिरोह में अहम भूमिका रखता था। वह गिरोह के सदस्यों को लॉजिस्टक मदद पहुंचाने में अहम भूमिका निभाता था। आरोपियों से एक .32 कैलिबर पिस्तौल और 07 कारतूस बरामद हुए हैं। डीजीपी के मुताबिक जशन संधू राजस्थान के श्रीगंगानगर में 2023 में हुए एक हत्याकांड में शामिल था। पुलिस उसे काफी समय से तलाश रही थी। वह विदेश भाग गया था। इस दौरान पहले जॉर्जिया, अजरबैजान, सऊदी अरब और दुबई पहुंच गया था। साथ ही गिरफ्तारी से बचने के लिए अपने ठिकाने बदल रहा था। वहीं, कुछ समय पहले दुबई से नेपाल पहुंचा था। पुलिस से बचने के लिए सड़क मार्ग से भारत में दाखिल हुआ था।

जयपुर-मुंबई फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी

जयपुर (हिंस)। जयपुर से मुंबई गई इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट 6ई - 5282 में बम होने का लेटर मिलने के बाद मुंबई एयरपोर्ट पर हड़कंप मच गया। इसके बाद एयरपोर्ट अथॉरिटी ने एंटी बम स्क्वॉड और पुलिस प्रशासन को इसकी जानकारी दी। इसके बाद पूरी फ्लाइट की सघन चेकिंग की गई। इसमें किसी भी तरह की संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसके बाद सभी लोगों ने राहत की सास ली। दरअसल, जयपुर से मुंबई जा रही इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट 6ई - 5282 में एक धमकी भरा नोट मिलने से सोमवार रात मुंबई एयरपोर्ट पर मिलने से अफरातफरी मच गई। इसके बाद एहतियात के तौर पर रात 8 बजकर 43 मिनट पर मुंबई एयरपोर्ट पर फुल इमरजेंसी घोषित कर दी गई। फ्लाइट को सुरक्षित लैंड कराया गया। यह फ्लाइट रात करीब 8 बजकर 50 मिनट पर लैंड हुई। जिसके बाद फ्लाइट को सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत रिमोट बे में पार्क कर सभी पैसेंजर्स को सुरक्षित बाहर निकाला गया। जयपुर एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि फ्लाइट की लैंडिंग के बाद ट्रैकिंग के दौरान एयरलाइंस स्टाफ को फ्लाइट के बाथरूम में एक लेटर मिला था।

पूरे विश्व में उद्योग के क्षेत्र में परचम लहराएंगे : उद्योग मंत्री केके बिश्नोई

बीकानेर (हिंस)। उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री केके बिश्नोई ने कहा कि उद्यमियों को पहले ऑफिस-ऑफिस खेलना पड़ता था, लेकिन अब उनका काम घर बैठे हो रहा है। साथ ही कहा कि जिस तरह हम अपना मोबाइल समय-समय पर अपग्रेड करते हैं ताकि वह हैंग ना हो। उसी तरह उद्यमी भी अपनी यूनिट को समय-समय पर अपग्रेड करते रहें ताकि समस्याओं से ना जूझना पड़े। बिश्नोई लघु उद्योग भारती की बीकानेर इकाई द्वारा रानी बाजार औद्योगिक क्षेत्र स्थित रिद्धि सिद्धि भवन में आयोजित *उद्यमी सम्मेलन* में अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होने कहा कि इस सम्मेलन में उद्यमियों की ओर से जितनी भी समस्याएं बताई गई हैं। उनका सरकार स्तर पर जल्द से जल्द समाधान किया जाएगा और उद्योग जगत को सभी सुविधाएं देने का भी हम भरपूर प्रयास करेंगे। साथ ही कहा कि अब वो दिन दूर नहीं जब हम पूरे विश्व में उद्योग के क्षेत्र में परचम लहराएंगे। उद्योग राज्य मंत्री ने कहा कि भारत को 2047 तक विकसित देश बनाने को लेकर हम सब संकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान का ऐतिहासिक आयोजन कर 33 लाख करोड़ के एमओयू किए गए हैं। जिनमें से 3 लाख करोड़ के एमओयू जमीन पर उतारे जा चुके हैं। प्रत्येक महीने की 11 तारीख को इसकी समीक्षा की जा रही है। दो साल बाद

फिर राइजिंग राजस्थान आयोजित किया जाएगा। किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाने के लिए सरकार संकल्पित है। कार्यक्रम में चार महिला उद्यमियों ललिता डागा, मीना चौधरी, संतोष बाहेती और इंदिरा पेडीवाल को उनकी उद्यमशीलता को लेकर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रकाश चंद्र ने कहा कि हमारा देश हजारों वर्षों तक उद्योग में सिरमौर रहा। पूरी दुनिया की जीडीपी में हमारे देश का योगदान 27 प्रतिशत था। हमारे यहां के वस्त्र, मसाले, हैंडीक्राफ्ट का सामान, लोहे का सामान, औषधियां इत्यादि विश्व के कोने कोने तक जाती थी और बाहर से सोना हमारे देश में आता था। देश सोने की चिड़िया कहलाता था। हम किसी को लूट कर सोने की चिड़िया नहीं बने बल्कि घर-घर उद्योग और मेहनत के जरिए यह हासिल किया। लेकिन आपसी फूट ने हमें कमजोर कर दिया। बाहर से आए आक्रांताओं ने देश के औद्योगिक ताने बाने को छिन्न कर दिया। उद्योग के क्षेत्र में अगर हम मै और मेरा का भाव छोड़कर सामूहिकता से प्रयास करें तो फिर से सब कुछ हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अब उद्योग रूपी पेड़ को फिर से मजबूती से खड़ा करने की जरूरत है ताकि हम देश-दुनिया को फिर से फल,फूल व सुगंध दे सकें। इससे पूर्व बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास ने भी विचार रखे। कार्यक्रम में लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष घनश्याम ओझा ने कहा कि पूरे देश में 6 करोड़ से अधिक लघु एवं सूक्ष्म उद्योग हैं जो कृषि के बाद सर्वाधिक रोजगार उपलब्ध करवाते हैं। जीडीपी में 35 प्रतिशत का योगदान करते हैं। उत्पादों की कीमत कम कैसे हो, इस पर काम किया जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष शांतिलाल बालड़ ने कहा कि लघु उद्योग भारती ने टीपी हटवाने, पीओपी में इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ाने से लेकर हनुमानगढ़-श्रीगंगानगर क्षेत्र में एनजीटी के एक आदेश से बंद होने की कगार पर आ गए ईंट भट्टों की समस्या समेत अन्य बड़ी समस्याओं का समाधान करवाया है। सम्मेलन को लघु उद्योग भारती के जोधपुर प्रांत के अध्यक्ष महावीर चौपड़ा, उपाध्यक्ष बालकृष्ण पडिहार ने भी संबोधित किया। बीकानेर के अध्यक्ष हर्ष कंसल ने स्वागत भाषण दिया। बीकानेर महिला विंग अध्यक्ष राखी चौरड़िया ने सम्मानित की गई चार महिला उद्यमियों के प्रशस्ति पत्रों का वाचन किया। सचिव प्रकाश नवाल ने लघु उद्योगों की समस्याओं और सुझावों से अवगत करवाया। कार्यक्रम के आखिर में पवन गोयल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में मंच संचालन ज्योति प्रकाश रंगा ने किया। कार्यक्रम में सेंट्रल जीएसटी के असिस्टेंट कमिश्नर भूपेन्द्र छिंपा, जिला उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक मंजू नैण गोदारा, जोधपुर से सुरेश बिश्नोई, महिला विंग से बिंदू जैन, जिला उद्योग संघ अध्यक्ष डीपी पचीसिया, व्यापार मंडल अध्यक्ष जुगल राठी, मोहन सुराणा, जयनारायण गोयल, जैन महासभा से विनोद बाफना समेत जिले के उद्योग जगत के जाने माने उद्यमी समेत बड़ी संख्या में महिला उद्यमी भी उपस्थित रही।

प्रधानमंत्री मोदी के 11 संकल्पों को मजबूती से करें लागू

सोनीपत (हिंस)। राई हलके के विधायक व पूर्व मंत्री कृष्णा गहलावत की अगुवाई में भाजपा जिला कार्यालय में सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन मंगलवार को आयोजित हुआ। विधायक ने कार्यकर्ताओं से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 संकल्पों पर काम करना है। सम्मेलन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कृष्णा गहलावत ने पीएम मोदी के संकल्पों- कर्तव्य पालन, समावेशी विकास, भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस, कानून का शासन, औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति, वंशवादी राजनीति का अंत, संविधान का सम्मान, आरक्षण की सुरक्षा, महिला नेतृत्व में विकास, राज्य-केंद्रित विकास और एक भारत-श्रेष्ठ भारत- पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि पीएम ने कर्तव्य को शासन और नागरिक जीवन का आधार बनाया। स्वच्छ भारत मिशन के तहत 100 मिलियन शौचालय बनाए गए, जिससे स्वच्छता सुधरी और बच्चों की मृत्यु दर घटी। विधायक ने बताया कि मोदी सरकार ने समावेशी विकास से हर वर्ग को लाभान्वित किया। भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए डिजिटल इंडिया और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर जैसे कदम उठाए गए। कानून के शासन और संविधान के सम्मान को प्राथमिकता दी गई। औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति और वंशवादी राजनीति के खात्मे के लिए एक लाख युवाओं को राजनीति से जोड़ने की योजना बनाई गई। आरक्षण की सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा दिया गया। कृष्णा गहलावत ने कहा कि राज्य-केंद्रित विकास से संघीय ढांचा मजबूत हुआ, जबकि एक भारत-श्रेष्ठ भारत का विजन देश की एकता और विविधता को संजोता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पीएम के संकल्पों को अपनाकर विकसित भारत के सपने को साकार करने का आह्वान किया। सम्मेलन में सोनीपत विधायक निखिल मदान, जिला अध्यक्ष अशोक भारद्वाज सहित अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जुलूस में धार्मिक भावनाएं भड़काने का आरोप : केस दर्ज, आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर (हिंस)। शहर में रविवार को निकले रामनवमी जुलूस में शामिल एक युवक द्वारा धार्मिक भावनाएं भड़काने और गलत नारेबाजी किए जाने पर उसके खिलाफ खांडाफलसा थाने में केस दर्ज करवाया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। व्यापारियों का मोहल्ला पुंलपाडा निवासी मेहराज अली पुत्र फयाज अली ने रिपोर्ट दी थी। इसमें बताया कि रविवार को धार्मिक जुलूस निकल रहा था। यह जुलूस जब एक मीनार मस्जिद के पास से निकला तब कुछ उत्साही युवकों ने गलत ढंग से नारेबाजी की और धार्मिक भावनाओं को भड़काने का प्रयास किया। जिस पर खांडाफलसा पुलिस ने केस दर्ज किया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गउघाटी मंडोर हाल रॉयल्टी नाका बालसमंद निवासी लखन ओड़ को गिरफ्तार किया।

ज्ञानदेव आहूजा की विवादित टिप्पणी पर कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन, पुतला फूंका

अलवर (हिंस)। रामगढ़ से पूर्व विधायक और भाजपा नेता ज्ञानदेव आहूजा द्वारा नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली पर की गई विवादित टिप्पणी के विरोध में कांग्रेस ने मंगलवार को जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन अंबेडकर सर्किल पर किया गया, जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आहूजा का पुतला फूंका और भाजपा पर तीखा हमला बोला। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने टिप्पणी को निंदनीय बताते हुए कहा कि भाजपा ने अब तक आहूजा पर कोई कार्रवाई नहीं की है, जो चिंताजनक है। उन्होंने आहूजा से सार्वजनिक रूप से माफी की मांग की। कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने कहा कि इस प्रकार की टिप्पणी एक जिम्मेदार नेता को शोभा नहीं देती। इस मौके पर युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव दीनबंधु

शर्मा, विधायक मांगीलाल मीणा, रामगढ़ से कांग्रेस प्रत्याशी आर्यन जुबेर खान, राकेश बैरवा, विश्राम गुर्जर, योगेश मेहता, संजीव बारेठ, राजेश कृष्ण सिद्ध, पार्षद प्रीतम सिंह मेहंदीरत्ता समेत कई नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता सड़क पर बैठ गए, जिससे अंबेडकर सर्किल पर दोनों ओर का यातायात प्रभावित हुआ। मौके पर मौजूद पुलिस ने वाहनों को वैकल्पिक मार्गों पर डायवर्ट किया। कुछ देर बाद प्रदर्शनकारियों के हटने से ट्रैफिक सामान्य हो गया। भाजपा नेता ज्ञानदेव आहूजा ने एक बयान में कथित तौर पर कहा था कि नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के मंदिर में प्रवेश से मंदिर *अपवित्र* हो गया। बयान के बाद तीखी आलोचना शुरू हो गई। बाद में आहूजा ने सफाई दी कि उन्होंने किसी नाम विशेष का उल्लेख नहीं किया, बल्कि सामान्य रूप से *कांग्रेसी नेताओं* की बात की थी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने ज्ञानदेव आहूजा की टिप्पणी को उनकी व्यक्तिगत राय बताते हुए कहा कि इसका पार्टी से कोई लेना-देना नहीं है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी आहूजा के बयान की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह बयान सामाजिक सौहार्द को ठेस पहुंचाने वाला है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की शक्ति का अहसास दुनिया को कराया : नीरज त्रिपाठी

प्रयागराज (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी विधानसभा करछना व बारा के सक्रिय सदस्यों का सम्मेलन मंगलवार को बेदौं व गौहनियां मे आयोजित हुआ। उद्घाटन सत्र के वक्ता जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला व पूर्व जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती ने कहा कि भाजपा की राष्ट्रवादी विचारधारा और सुरक्षा सुशासन विकास के आधार पर देश-दुनिया में पहचानी जाती है। 11 वर्षो में भाजपा ने देश भर के 20 राज्यों में स्वयं और सहयोगियों के साथ सत्ता में भागीदारी के साथ विकास का कीर्तिमान स्थापित किया है। द्वितीय सत्र के वक्ता रणजीत सिंह व इलाहाबाद लोकसभा प्रत्याशी रहे नीरज त्रिपाठी ने कहा कि भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जो बिना भेदभाव के सभी वर्गों का विकास करते हुए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। जनसंघ से भाजपा तक के कृतित्व और कांग्रेस के विफलताओं पर विचारों को रखते हुए पूर्व प्रधानमंत्री अटल विहारी बाजपेई से लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक के कार्यों पर चर्चा करते हुए कार्यकर्ताओं को अवगत कराया। समापन सत्र के वक्ता विधायक पियूष रंजन निषाद व पूर्व विधायक प्रभाशंकर पांडेय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ 11 वर्षों में विकसित भारत यात्रा एवं केंद्र एवं प्रदेश सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा की। उन्होंने सभी के सहयोग से विकसित राष्ट्र के संकल्प को पूरा करने का आह्वान किया। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने जानकारी देते हुए बताया कि बारा विधानसभा में प्रथम सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ भाजपा नेता अवधेश प्रसाद मिश्र, द्वितीय सत्र की अध्यक्षता रत्नाकर सिंह पटेल व समापन सत्र की अध्यक्षता अनुसूचित जाति यमुनापार जिलाध्यक्ष राजमणि पासवान ने किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष दिनेश प्रजापति, जगत नारायण शुक्ला, वंदना सिंह, आशीष पाल, अखिलेश सिंह पटेल आदि के साथ करछना व बारा विधानसभा के सक्रिय सदस्य सम्मेलन में उपस्थित रहे।

सराहनीय कार्य करने वाले छह पुलिसकर्मी कांस्टैबल ऑफ दी मंथ अवार्ड से सम्मानित

जयपुर (हिंस)। पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ ने मंगलवार को पुलिस आयुक्तालय पर आयोजित कार्यक्रम में उत्कृष्ट, सराहनीय, मेहनत, लगन एवं समर्पण से कार्य करने वाले छह पुलिसकर्मियों को कांस्टैबल ऑफ दी मंथ के अवार्ड से सम्मानित किया। मार्च 2025 का *कांस्टैबल ऑफ दी मंथ* पुरस्कार के लिए जिला पूर्व से चयनित पुलिस थाना एसएमएस अस्पताल के कांस्टेबल वेदवीर ने एसएमएस परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे एवं आस-पास के सीसीटीवी फुटेज चैक कर कड़ी मेहनत व लगन से कार्रवाई करते हुए दो मुल्जिमों को गिरफ्तार कर सात लाख रूपये से अधिक कीमत के 43 एंड्रायड मोबाईल बरामद करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिला पश्चिम के सुभाष निठारवाल कार्यालय सहायक पुलिस आयुक्त झोटवाड़ा द्वारा हाथोज बस स्टैंड से एक युवक को काले रंग कि स्कोर्पियो में उठाकर जबरदस्ती ले जाने एवं फोन से फिरौती के पांच लाख रुपए मांग के संबंध में वायरलैस सेट पर मैसेज सुन कर स्कोर्पियो के नंबर की जानकारी की व उस गाडी की तलाश में लगा। उक्त स्कोर्पियो को झोटवाड़ा की तरफ जाते देख कर गाडी का स्वयं पीछा किया व तुरन्त थानाधिकारी कालवाड को बताया जिस पर अविलंब चार आरोपियों को दस्तयाब किया गया। जिला उत्तर के गिरधर सिंह पुलिस थाना माणकचैक ने तीन प्रकरणों में चार मोटसाईकिलें व 12 एसी आउटडोर के पार्ट्स बरामद करवाने सीसीटीवी फुटेज चैक कर चोरी करने वाली गैंग की पहचान करवाने में अहम भूमिका निभाई। जिला दक्षिण के छोटूराम पुलिस थाना मानसरोवर ने ट्रेक्टर-ट्रोली चोरी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी किये गए ट्रेक्टर-ट्रोली को बरामद करवाने व अन्य प्रकरण में तीन वाहन चोरों को गिरफ्तार कर सात मोटरसाईकिलें बरामद करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संतोष कुमार यातायात शाखा पूर्व ने जयपुर शहर के व्यस्तम तिराहे नारायण सिंह सर्किल पर करीब आठ माह तक तैनात रहकर यातायात का सुगम संचालन, तिराहे पर बसों की सुव्यस्थित पार्किंग व्यवस्था आदि देर रात्री तक ड्यूटी कड़ी मेहनत व लगन से किया है।

समाज के कमजोर वर्ग को लाभ देने के लिए वक्फ कानून में संशोधन हुआ : भूपेंद्र चौधरी

मुरादाबाद (हिंस)। समाज के कमजोर वर्ग को लाभ देने और उसके विकास के लिए वक्फ कानून में संशोधन हुआ है। वक्फ की जमीनों में जिन लोगों ने घोटाले किए हैं, उन घोटालेबाजों और अनैतिक रूप से संपत्ति अर्जित करने वालों पर भी कार्रवाई होगी। यह बातें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह ने मंगलवार को सुबह भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय ढाका के आवास पर पत्रकारों से वार्ता करते हुए कही। चौधरी भूपेंद्र सिंह ने नए वक्फ कानून पर आगे कहा कि हम जमीनों को बचाने वाले लोग हैं। भाजपा की विचार धारा और कार्य पद्धति स्वदेशी है, जबकि अन्य राजनीतिक पार्टियों की विदेशी विचारधारा है। वक्फ संशोधन अधिनियम का सभी को समर्थन करना चाहिए था लेकिन वोट बैंक की राजनिति के कारण इसका विरोध किया गया।

जरूरत पड़ने पर म्युचुअल फंड पर आसानी से मिल जाता है सस्ता लोन

आपका निवेश भी बना रहता है और लांग टर्म वेल्थ क्रिएशन में कोई रुकावट नहीं आती

नई दिल्ली

अचानक पैसों की जरूरत पड़ने पर निवेशकों के लिए म्युचुअल फंड्स बेचकर पैसों का इंतजाम करना एक आसान लगता है। लेकिन इसका एक बड़ा नुकसान भी देखा गया है। ऐसे में एक सरल और आसान विकल्प म्युचुअल फंड्स पर लोन लेना भी है। इसमें निवेशक को अपने म्युचुअल फंड्स बेचने की जरूरत नहीं पड़ती, बल्कि वह उन्हें मॉर्गेज कर नकदी हासिल कर सकता है। यानी, म्युचुअल फंड पर लोन लेकर आप न केवल अपनी जरूरत को पूरा कर सकते हैं, बल्कि आपका निवेश भी बना रहता है और लॉन्ग टर्म वेल्थ क्रिएशन की राह में कोई रुकावट नहीं आती। म्युचुअल फंड पर लोन एक ऐसी सुविधा है, जिसमें निवेशक अपने म्युचुअल फंड यूनिट्स को गिरवी रखकर कर्ज ले सकते हैं। सेबी में एक रजिस्टर्ड निवेश सलाहकार कहते हैं, जब भी पैसों की कमी होती है, खासकर शॉर्ट टर्म जरूरतों में, तब म्युचुअल फंड होल्डिंग्स पर लोन लिया जा सकता है। यह आपके म्युचुअल फंड यूनिट्स को रिडीम करने से कहीं बेहतर विकल्प है। म्युचुअल फंड में निवेश आमतौर पर लॉन्ग टर्म जरूरतों को ध्यान में रखकर किया जाता है, इसलिए इन्हें छोटी अवधि की कैश जरूरतों के लिए रिडीम करना सही स्ट्रैटेजी नहीं है। ऐसी स्थितियों में म्युचुअल फंड पर लोन उठाना एक बेहतर प्रैक्टिकल सॉल्यूशन नजर आता है। इस तरह के फाइनेंस विकल्प पर ब्याज दर आमतौर पर क्रेडिट कार्ड या पर्सनल लोन जैसे अन्य विकल्पों की तुलना में कम होती है, क्योंकि यह एक सुरक्षित लोन होता है जो आपके म्युचुअल फंड यूनिट्स को गिरवी रखकर लिया जाता है।

न्यूज ब्रीफ

गोदरेज प्रॉपर्टीज की बिक्री बुकिंग बढ़कर 10,163 करोड़ हुई, सबसे बड़ी सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनी के रूप में उभरने की संभावना

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज की वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में बिक्री बुकिंग वार्षिक आधार पर सात प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 10,163 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समूचे वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी की बिक्री बुकिंग (प्री-सेल्स) 31 प्रतिशत बढ़कर 29,444 करोड़ रुपये रही। करीब 30,000 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग के साथ गोदरेज प्रॉपर्टीज के 2024-25 में बिक्री बुकिंग के मामले में सबसे बड़ी सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनी के रूप में उभरने की संभावना है। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से डीएलएफ भारत की सबसे बड़ी रियल एस्टेट कंपनी है। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने कहा कि जनवरी-मार्च तिमाही में उसकी बिक्री बुकिंग मूल्य के लिहाज से सालाना आधार पर सात प्रतिशत बढ़कर 10,163 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी के अनुसार यह गोदरेज प्रॉपर्टीज द्वारा हासिल किया गया अब तक का सबसे अधिक तिमाही बुकिंग मूल्य है। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, मुंबई महानगर क्षेत्र, पुणे और बेंगलुरु आवासीय बाजार में उसकी मजबूत उपस्थिति है। इसने हाल ही में हैदराबाद में प्रवेश किया है।

वेदांता को वैश्विक साझेदार की तलाश, कंपनी अगले तीन वर्षों में अपने परिचालन का महत्वपूर्ण विस्तार करेगी

नई दिल्ली। खनन कंपनी वेदांता विभिन्न क्षेत्रों में अपनी 20 अरब डॉलर की विस्तार परियोजनाओं के लिए वैश्विक साझेदार की तलाश कर रही है। कंपनी के अनुसार यह कदम वेदांता की रणनीतिक योजना के अनुरूप है जिसके तहत अगले तीन वर्षों में वह अपने परिचालन का महत्वपूर्ण विस्तार करेगी। इसके तहत कंपनी अपने कारोबार का चार इकाइयों वेदांता एल्युमीनियम, तेल एवं गैस, बिजली और लोहा एवं इस्पात में पुनर्गठन करेगी। जानकारी के अनुसार हम एक अनुभवी वैश्विक इंजीनियरिंग कंपनी की तलाश कर रहे हैं जिसे इंजीनियरिंग, खरीद व निर्माण प्रबंधन (ईपीसीएम) में अनुभव हो और जो हमारी परियोजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए हमारे लिए एक विस्तारित कार्यालय के रूप में कार्य कर सके। कंपनी ने कहा कि वह अगले तीन वर्षों में धातु, खनन और हाइड्रो कार्बन क्षेत्र में विकास परियोजनाओं पर 20 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च करेगी। ये परियोजनाएं इसके मौजूदा परिचालन का विस्तार है। इच्छुक कंपनियों को अपने प्रासंगिक अनुभव, 'प्रोफाइल' और वर्तमान में जारी परियोजनाओं के बारे में जानकारी देने के लिए आमंत्रित किया गया है। इसके लिए 30 अप्रैल तक आवेदन दिया सकते है। वेदांता के एक मुख्य वित्तीय अधिकारी ने पहले कहा था कि विभाजन अंतिम चरण में है। इसके इस वर्ष जून-जुलाई माह में पूरा होने की उम्मीद है।

एफडीआई प्रतिबंधित क्षेत्र में भारतीय कंपनियां विदेशी शेयरधारकों को दे सकती हैं बोनस शेयर

नई दिल्ली। सरकार ने स्पष्ट किया है कि एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) प्रतिबंधित क्षेत्र में काम कर रही कोई भी भारतीय कंपनी अपने पहले से मौजूद अनिवासी शेयरधारकों को बोनस शेयर जारी कर सकती है। यह निर्देश उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग द्वारा जारी किया गया है। बोनस शेयर जारी करते समय, सभी कानूनी नियमों और दिशानिर्देशों का पालन किया जाना चाहिए। डीपीआईआईटी के स्पष्टीकरण के अनुसार, इस नियम के तहत एफडीआई प्रतिबंधित क्षेत्रों में काम कर रहीं भारतीय कंपनियों को अपने विदेशी शेयरधारकों को बोनस शेयर देने की अनुमति है, अगर उनकी शेयरधारिता में कोई बदलाव न हो। एफडीआई का महत्व इसलिए है क्योंकि इससे भारत के बुनियादी ढांचा क्षेत्र में वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। विदेशी निवेशकों के लिए कुछ क्षेत्रों में सरकार की मंजूरी की आवश्यकता होती है, जैसे दूरसंचार, मीडिया, दवा और बीमा।

ग्लोबल मार्केट में बिकवाली का तूफान थमने के संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। सोमवार को वैश्विक स्तर पर आए बिकवाली के तूफान के थमने के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार करके बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

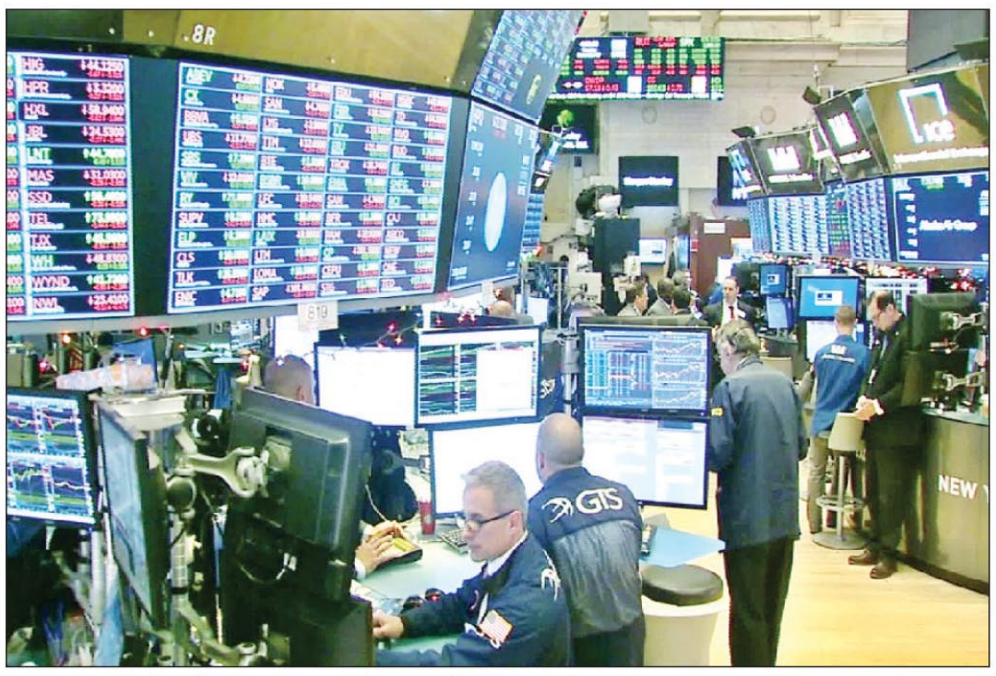

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान रिकवरी होती नजर आई। डाउ जॉन्स निचले स्तर से करीब 1,250 अंक सुधर कर बंद हुआ। वही एसएंडपी 500 इंडेक्स ने भी बड़ी गिरावट के बाद अंतिम दौर में निचले स्तर से शानदार रिकवरी की और 0.23 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,062.25 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, नैस्डेक 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 15,603.26 अंक के स्तर पर बंद होने में सफल रहा। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 653.02 अंक यानी 1.72 प्रतिशत की जोरदार मजबूती के साथ 38,618.62 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान भी लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 352.90 अंक यानी 4.58 प्रतिशत टूट कर 7,702.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 347.83 अंक यानी 5.02 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,927.12 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 852.10 अंक यानी 4.31 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,789.62 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 के सूचकांक गिरावट का शिकार होकर लाल निशान में बने हुए हैं। लंबी छुट्टी के बाद कारोबार शुरू करने वाला इंडोनेशिया स्टॉक एक्सचेंज का जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स बड़ी गिरावट का शिकार हो गया है। फिलहाल यह सूचकांक 508.55 अंक यानी 7.81 प्रतिशत लुढ़क कर 6,002.07 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 5.27 प्रतिशत टूट कर 1,065.89 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा ताईवान वेटेड इंडेक्स 945.97 अंक यानी 4.92 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 18,286.38 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 1.57 प्रतिशत फिसल कर 3,485.04 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 263 अंक यानी 1.18 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,583 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 356.31 अंक यानी 1.80 प्रतिशत उछल कर 20,184.61 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। निक्केई इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 1,562.18 अंक यानी 5.02 प्रतिशत की तेजी के साथ 32,698.76 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.90 प्रतिशत की उछाल के साथ 3,124.77 अंक के स्तर पर और कोस्पी इंडेक्स 0.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,337.35 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

बीईएल को रक्षा मंत्रालय से मिला 2,210 करोड़ का ऑर्डर

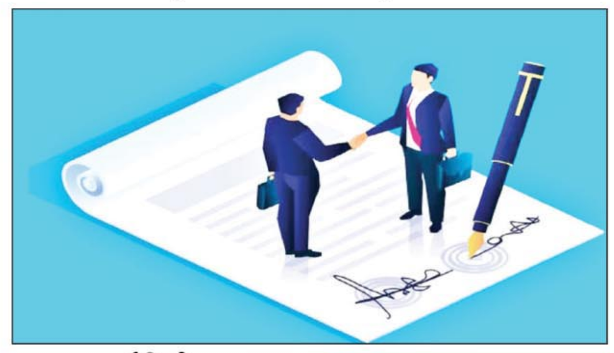

इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम की सप्लाई शामिल

नई दिल्ली

एरोस्पेस और रक्षा कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के शेयरों में मंगलवार को जोरदार तेजी देखी जा रही है। बीईएल ने रक्षा मंत्रालय से 2,210 करोड़ रुपये का बड़ा ऑर्डर प्राप्त किया है जिसमें इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम की सप्लाई शामिल है। इस समझौते के साथ कंपनी ने वित्त वर्ष 26 में कुल 2,803 करोड़ रुपये के आदेश प्राप्त किए हैं। बीईएल ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने रक्षा मंत्रालय के साथ 2,210 करोड़ रुपये (टैक्स को छोड़कर) के मूल्य का एक कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। इसमें भारतीय वायु सेना के एमआई 17 वी5 हेलीकॉप्टरों के लिए ईडब्ल्यू सूट की सप्लाई की जाएगी। बीईएल के अनुसार ये सिस्टम स्वदेशी रूप से विकसित किए गए हैं। इनकी मेन्यूफेक्चरिंग भारत इलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा की जायेगी। इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट एक रडार वार्निंग रिसीवर, मिसाइल अप्रोच वार्निंग सिस्टम और काउंटर मेजर डिस्पेंसिंग सिस्टम से लैंस है। ये हेलीकॉप्टरों की कॉम्बैट सेफ्टी को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने और प्रभावी काउंटरमेजर प्रदान करने में अहम रोल निभाता है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स ने कहा कि इस समझौते के साथ अब तक उसने वर्तमान वित्त वर्ष 26 में कुल 2,803 करोड़ रुपये के आदेश प्राप्त किए हैं।

हुंडई क्रेटा के इलेक्ट्रिक वर्जन ने मचाई धूम

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में सबसे अधिक बिकने वाली कार का खिताब हुंडई की एसयूवी क्रेटा ने अपने नाम किया। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) की लोकप्रिय एसयूवी क्रेटा ने मार्च 2025 में 18,059 यूनिट्स की बिक्री की है। जनवरी से मार्च की चौथी तिमाही में इसकी कुल बिक्री 52,898 यूनिट्स रही, जिससे यह भारत की सबसे अधिक बिकने वाली एसयूवी बन गई। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में क्रेटा की कुल बिक्री 1,94,871 यूनिट्स रही, जो अब तक की सबसे ऊंची वार्षिक बिक्री है और इसमें 20 प्रतिशत सालाना वृद्धि दर्ज की गई। आईसीई वेरिएंट्स में टॉप ट्रिम्स की हिस्सेदारी 24प्रतिशत रही, जबकि क्रेटा इलेक्ट्रिक की बिक्री में यह आंकड़ा 71प्रतिशत तक पहुंच गया। जनवरी 2025 में कंपनी ने क्रेटा इलेक्ट्रिक लॉन्च की, जिसकी कीमत 17.99 लाख से 23.49 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है।

हल्दीराम फूड्स और हल्दीराम स्नैक्स प्राइवेट लिमिटेड हुए एक

हल्दीराम की नागपुर और दिल्ली शाखाओं को मिलाकर हल्दीराम स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड का गठन पूरा हो गया है। हल्दीराम अब स्नैक्स और नमकीन का उत्पादन एक साथ करेगा इस विलय से हल्दीराम फूड्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड और हल्दीराम स्नैक्स प्राइवेट लिमिटेड एक हो गए हैं। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकानरी ने बताया कि यह एक महत्वपूर्ण कदम है और भावनात्मक एकता का परिचय है। इस विलय से हल्दीराम अब स्नैक्स और नमकीन का उत्पादन एक साथ करेगा। दिल्ली इकाई में हिस्सेदारी 56 प्रतिशत है और शेष 44 प्रतिशत हिस्सेदारी नागपुर शाखा के पास है। इस गठन से उम्मीद है कि भारतीय पैक्ड फूड उद्योग को नए फैसले और विकास के मार्ग प्राप्त होंगे। सौदागरों का मानना है कि इस सौदे का मूल्यांकन लगभग 10 अरब अमेरिकी डॉलर के करीब है। हल्दीराम के संस्थापक गंगा बिशन अग्रवाल द्वारा 1937 में राजस्थान में शुरू की गई इस खाद्य उत्पाद की विकसित यात्रा अब 80 से अधिक देशों में जारी है।

फियो की नकदी संकट कम करने पांच प्रतिशत ब्याज अनुदान की मांग

फियो ने कहा, अमेरिकी शुल्क हमारे भुगतान चक्र को करने जा रहे हैं प्रभावित

नई दिल्ली

भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने मंगलवार को कहा कि नौ अप्रैल से लागू 26 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क से अमेरिकी आयातकों का सीमा शुल्क बिल काफी बढ़ जाएगा जिससे भारतीय निर्यातकों को भुगतान में देरी होगी। संगठन ने सरकार से आग्रह किया कि वह बढ़ते नकदी संकट को कम करने के लिए तुरंत पांच प्रतिशत ब्याज अनुदान की घोषणा करे। फियो के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि नौ अप्रैल से अमेरिकी आयातकों को 26 प्रतिशत शुल्क अग्रिम रूप से देना होगा। पहले यह शून्य से चार प्रतिशत था। उच्च शुल्क उन पर अतिरिक्त बोझ डालेंगे और इसके लिए उन्हें ऋण लेना होगा तथा हमारे भुगतान में देरी होगी। उन्होंने कहा कि अमेरिकी शुल्क हमारे भुगतान चक्र को प्रभावित करने जा रहे हैं। हम सरकार से अनुरोध करते हैं कि वह सभी निर्यातकों के लिए ब्याज छूट योजना की तत्काल घोषणा करे। भारत में रेपो दर लगभग 6.25 प्रतिशत है तथा निर्यातकों को आठ से 12 प्रतिशत या इससे भी अधिक ब्याज देना पड़ता है जो कि प्राधिकृत डीलर बैंकों द्वारा उधारकर्ता के जोखिम मूल्यांकन तथा प्रसार पर निर्भर करता है। प्रतिस्पर्धी देशों में ब्याज दर बहुत कम है। मिसाल के तौर पर 2025 में चीन में केंद्रीय बैंक की दर 3.1 प्रतिशत, मलेशिया में तीन प्रतिशत, थाइलैंड में दो प्रतिशत और वियतनाम में 4.5 प्रतिशत है।ब्याज सब्सिडी योजना पिछले साल समाप्त हो गई और इस योजना का करीब 11,000 निर्यातक लाभ उठाते थे।वाणिज्य मंत्रालय निर्यात संवर्धन मिशन के तहत इस योजना को फिर से विकसित करने पर काम कर रहा है जिसकी घोषणा बजट में 2,250 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ की गई थी। रल्हन ने कहा कि अमेरिका में खरीदार ऑर्डर की पुष्टि करने और उच्च आयात शुल्क के प्रभाव को कम करने के लिए 12-14 प्रतिशत छूट की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे सभी शुल्कों को वहन करने के लिए तैयार नहीं हैं। हमें उनके साथ बोझ साझा करना होगा। वे हमें खेपों को रोकने के लिए कह रहे हैं। भारतीय निर्यातक तीन से चार प्रतिशत छूट दे सकते हैं।

ऐपल ने भारत से 1.5 लाख करोड़ के आईफोन निर्यात किए

पिछले साल की तुलना में 76 फीसदी अधिक

नई दिल्ली

ऐपल ने वित्त वर्ष 2025 में भारत से 1,50,000 करोड़ रुपये मूल्य (एफओबी) के आईफोन का निर्यात किया है। पिछले साल की तुलना में यह आंकड़ा न केवल 76 फीसदी अधिक है बल्कि यह उत्पादन संबंधी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत कंपनी के तय लक्ष्य का दोगुना भी है। ऐपल के वेंडरों द्वारा सरकार को दिए आंकड़ों से यह पता चला है। ऐपल ने यह कारनामा ऐसे समय में किया है जब अमेरिका ने भारत सहित दुनिया के तमाम देशों पर ऊंचा शुल्क लगा दिए हैं। इन शुल्कों से भारत से होने वाले निर्यात पर अनिश्चितताओं के बादल छा गए हैं। वित्त वर्ष 2024 में 85,000 करोड़ रुपये मूल्य के आईफोन का निर्यात हुआ था। वित्त वर्ष 2025 के लिए कंपनी ने पीएलआई योजना के तहत 74,900 करोड़ रुपये मूल्य के

आईफोन निर्यात का लक्ष्य रखा था। आईसीईए के अनुमानों के अनुसार भारत से स्मार्टफोन के कुल निर्यात में ऐपल की हिस्सेदारी बढ़कर 75 फीसदी तक पहुंच जाएगी। आईसीईए ने कहा कि भारत से 2,00,000 करोड़ रुपये मूल्य के स्मार्टफोन के निर्यात होने का अनुमान है।

वेज और नॉन-वेज थाली हुई सस्तीः रिपोर्ट

नई दिल्ली । एक रिपोर्ट के अनुसार मार्च 2025 में घर में पकाई गई शाकाहारी और मांसाहारी थाली की कीमत में गिरावट आई है। उत्तर और दक्षिण में अलग-अलग कारणों से थालियां सस्ती हो गई हैं। पिछले महीने की तुलना में 2 फीसदी और 5 फीसदी की कमी आई रिपोर्ट में बताया गया है कि मार्च 2025 में घर में पकाई गई शाकाहारी और मांसाहारी थाली की कीमत में पिछले महीने की तुलना में 2 फीसदी और 5 फीसदी की कमी आई है। प्याज, आलू और टमाटर की कीमतों में भी गिरावट आई है, जहां टमाटर की कीमत हाल में काफी कम हो गई है। मार्च 2024 में टमाटर की कीमत प्रति किलोग्राम 32 रुपये थी, जो एक साल बाद 21 रुपये हो गई है। इसमें 29 फीसदी की फसल की आवक का भी बड़ा योगदान रहा है। इसके खिलाफ, आलू, प्याज और वनस्पति तेल की कीमतें बढ़ गई हैं, जिससे शाकाहारी थाली की कीमत में गिरावट को रोक दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार मार्च 2025 के मुकाबले पिछले साल की समयावधि में, थालियों की कीमत में काफी बड़ी कमी आई है। वेज और नॉन-वेज थाली सस्ती हो गई है क्रिसिल इंटेलिजेंस की ताजा रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है।

हॉकी इंडिया ने खिलाड़ियों की देखभाल के लिए तैनात किया अतिरिक्त सपोर्ट स्टाफ

नई दिल्ली

खिलाड़ियों की सेहत और फिटनेस को प्राथमिकता देते हुए हॉकी इंडिया ने 15वीं सीनियर पुरुष हॉकी नेशनल चैंपियनशिप 2025 के लिए अतिरिक्त सपोर्ट स्टाफ उत्तर प्रदेश के झांसी में भेजा है। इसमें एक फिजियोथेरेपिस्ट और एक मसाज थैरेपिस्ट शामिल हैं, जो राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों को टूर्नामेंट के दौरान तुरंत मेडिकल सहायता और रिकवरी सपोर्ट प्रदान कर रहे हैं।

इस बार की सीनियर नेशनल चैंपियनशिप में कुल 31 भारतीय पुरुष हॉकी टीम के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

इनमें हार्दिक सिंह, जर्मनप्रीत सिंह, कृष्ण बहादुर पाठक, अभिषेक, अमित रोहिदास, सुमित, गुरजंत सिंह और संजय जैसे दिग्गज नाम हैं। हॉकी इंडिया का यह कदम इसलिए भी अहम है, क्योंकि अधिकतर राज्य टीमों के पास अपने फिजियो या मेडिकल स्टाफ नहीं होते, जबकि राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी प्रोफेशनल सेटअप के आदी होते हैं।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने एक आधिकारिक बयान में कहा, यह हॉकी इंडिया की तरफ से एक बेहद जरूरी और सकारात्मक पहल है। इससे खिलाड़ियों को चोट से बचाने और बेहतर परफॉर्मेंस देने में मदद मिलेगी। खासकर एफआईएच प्रो लीग जैसे अहम टूर्नामेंट से पहले यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि खिलाड़ी फिट और तैयार रहें।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा, हमारे खिलाड़ियों की सेहत सबसे अहम है। जब इतने बड़े स्तर पर राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी सीनियर नेशनल्स में खेल रहे हों, तो हमें उन्हें वह मेडिकल और रिकवरी सुविधाएं देनी चाहिए जिसके वे हकदार हैं। इससे न केवल उनकी सुरक्षा सुनिश्चित होती है, बल्कि टूर्नामेंट का स्तर भी ऊपर उठता है।

हॉकी इंडिया के महासचिव श्री भोला नाथ सिंह ने बताया कि यह फैसला पिछले साल ही ले लिया गया था, ताकि खिलाड़ियों की देखभाल में निरंतरता बनी रहे। सीनियर नेशनल्स हमारे डोमेस्टिक कैलेंडर का अहम हिस्सा हैं और इसमें राष्ट्रीय टीम के कई खिलाड़ी भाग लेते हैं। फिजियो और मसाज थैरेपिस्ट की तैनाती खिलाड़ियों को फिट बनाए रखने और दीर्घकालिक चोटों से बचाने में मदद करेगी।

न्यूज़ ब्रीफ

विराट कोहली टी20 में 13,000 रन पूरे करने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज़ बने

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल 2025) में सोमवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए एक अहम मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाज़ विराट कोहली ने एक और ऐतिहासिक मुकाम हासिल कर लिया। सोमवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेलते हुए कोहली टी20 क्रिकेट में 13,000 रन पूरे करने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज़ बन गए हैं। दुनिया के पांचवें बल्लेबाज़ बने विराट कोहली स उपलब्धि के साथ कोहली टी20 क्रिकेट में 13,000 रन बनाने वाले दुनिया के केवल पांचवें बल्लेबाज़ बन गए हैं। उनसे पहले यह कारनामा वेस्टइंडीज के क्रिस गेल (14562 रन), इंग्लैंड के एलेक्स हेल्स (13610 रन), पाकिस्तान के शोएब मलिक (13557 रन) और वेस्टइंडीज के ही कीरोन पोलार्ड (13537 रन) कर चुके हैं। औसत और स्ट्राइक रेट में भी कोहली का जलवा 36 वर्षीय विराट कोहली का टी20 क्रिकेट में औसत करीब 42 का है और उनका स्ट्राइक रेट 134 का है। उन्होंने अब तक 9 शतक और 98 अर्धशतक जड़े हैं, जो इस फॉर्मेट में किसी भी बल्लेबाज़ की निरंतरता का प्रमाण है। आईपीएल में भी हैं रन मशीन मुंबई इंडियंस के खिलाफ इस मुकाबले से पहले विराट कोहली आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज़ थे। उन्होंने अब तक 256 मैचों में 8111 रन बनाए हैं, उनका औसत 38.81 और स्ट्राइक रेट 132.01 का है। टी20 में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज़: क्रिस गेल (वेस्टइंडीज) – 14562 रन, एलेक्स हेल्स (इंग्लैंड) – 13610 रन, शोएब मलिक (पाकिस्तान) – 13557 रन, कीरोन पोलार्ड (वेस्टइंडीज) – 13537 रन, विराट कोहली (भारत) – 13000* रन है।

आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज बने भुवनेश्वर

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के लिए आईपीएल में खेल रहे भुवनेश्वर कुमार ने एक इतिहास रच दिया है। भुवनेश्वर आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। इस मामले में भुवनेश्वर ने वेस्टइंडीज के महान ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो को पीछे छोड़ दिया है, जो लंबे समय तक चेन्नई सुपर किंग्स के लिए डेथ बॉलिंग एक्सपर्ट रहे थे। अब वे आईपीएल में नहीं खेलते हैं। भुवनेश्वर को सोमवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए मैच में एक विकेट मिला। भुवनेश्वर ने तिलक वर्मा को आउट किया और इसके साथ वे आईपीएल के इतिहास के सबसे सफल गेंदबाज बन गए। भुवनेश्वर ने 179वें मैच में 184वां विकेट आईपीएल में लिया। इससे पहले ब्रावो ने 161 मैचों में 183 विकेट अपने नाम किए थे। भुवनेश्वर ने मुंबई के खिलाफ 4 ओवर में 48 रन दिए, लेकिन 18वें ओवर में तिलक को आउट करके उन्होंने आरसीबी की जीत पक्की कर दी थी। आईपीएल में बतौर तेज गेंदबाज सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अब भुवनेश्वर के नाम है, जबकि सूची में दूसरे नंबर पर ड्वेन ब्रावो हैं और तीसरे नंबर पर लसिथ मलिंगा हैं, जिन्होंने 122 मैचों में 170 विकेट लिए थे। वहीं, जसप्रीत बुमराह का चौथे नंबर पर आते हैं। वे 134 मैचों में 165 विकेट अब तक ले चुके हैं। वहीं, पांचवें नंबर पर उमेश यादव हैं।

विल पुकोव्स्की ने 27 की उम्र में क्रिकेट को कहा अलविदा

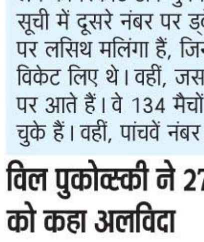

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के युवा बल्लेबाज विल पुकोव्स्की ने महज 27 साल की उम्र में क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। बार-बार सिर में चोट (कंकशन) लगने के कारण उन्हें यह कठिन निर्णय लेना पड़ा। पुकोव्स्की ने मेलबर्न के एक रेडियो शो में अपने रिटायरमेंट की घोषणा की और इसे अपने जीवन की सबसे बड़ी निराशा बताया। एक टेस्ट का सपना और असमय अंत विल पुकोव्स्की ने साल 2021 में भारत के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था और उन्हें ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में लंबे समय तक ओपनिंग करने वाले बल्लेबाज के रूप में देखा जा रहा था। लेकिन कंकशन की लगातार समस्याओं ने उनके करियर को समय से पहले ही खत्म कर दिया। उनका आखिरी मैच मार्च 2024 में तस्मानिया के खिलाफ शैफील्ड शील्ड में था, जहां राइली मेरेडिथ की बाउंसर से उन्हें गंभीर चोट लगी थी। मेडिकल पैनल की सिफारिश और लंबा संघर्ष पिछले साल एक स्वतंत्र मेडिकल पैनल ने पुकोव्स्की के करियर और भविष्य को देखते हुए उन्हें संन्यास की सिफारिश की थी। बताया गया कि पुकोव्स्की अब तक मिड-टीन्स (करीब 15 बार) कंकशन का शिकार हो चुके हैं।

जमशेदपुर एफसी की डिफेंस को भेदकर फाइनल में पहुंचा मोहन बागान

कोलकाता

लीग शील्ड विजेता मोहन बागान सुपर जायंट की टीम इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 के फाइनल में पहुंच गई है, जहां उनका मुकाबला 12 अप्रैल को अपने घरेलू मैदान पर बेंगलुरू एफसी से होगा। मोहन बागान सुपर जायंट ने सोमवार रात विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में खेले गए आईएसएल 2024-25 के दूसरे सेमीफाइनल के दूसरे चरण के मुकाबले में जमशेदपुर एफसी को 2-0 से हराया और 3-2 के कुल गोल अंतर के जरिये लगातार तीसरे खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। मेजबान टीम की जीत में ऑस्ट्रेलियाई फॉरवर्ड जैसन कमिंग्स ने 51वें मिनट में पेनल्टी किक के जरिये और मिडफील्डर अपुया ने 90+4वें मिनट में इस सीजन का अपना पहला गोल किया। अपुया को निर्णायक गोल करने और मिडफील्ड में भरपूर मेहनत करने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया।

घरेलू मैदान पर मोहन बागान सुपर जायंट की शानदार जीत से स्पेनिश हेड कोच जोस मोलिना निश्चित रूप से प्रसन्न होंगे, क्योंकि उनकी टीम लगातार तीसरी बार फाइनल में जगह बनाने में कामयाब हुई है। वहीं, रेड माइनर्स की संघर्षपूर्ण हार से मुख्य कोच खालिद जमील जरूर निराश होंगे, क्योंकि इस सीजन में उनकी टीम का सफर समाप्त हो गया। हालांकि खालिद जमील के रेड माइनर्स ने अपने घर पर डबल-लेग सेमीफाइनल का पहला मुकाबला 2-1 से जीता था।

मैच का पहला गोल 51वें मिनट में पेनल्टी किक के जरिये आया, जब ऑस्ट्रेलियाई फॉरवर्ड जैसन कमिंग्स ने मोहन बागान सुपर जायंट को बढ़त दिलाते हुए स्कोर 1-0 (कुल गोल अंतर 2-2) कर दिया। एमबीएसजी को पेनल्टी किक के रूप में यह सुनहरा मौका 50वें मिनट में मिला, जब बायीं तरफ से मिली कॉर्नर किक पर जैसन कमिंग्स ने क्रॉस डालकर गेंद को बॉक्स के अंदर पहुंचा, लेकिन गेंद स्कॉटिश सेंटर-बैक टॉम एल्ड्रेड के हैडर के बाद जमशेदपुर एफसी के सेंटर-बैक प्रणय हल्दर के हाथ में जा लगी और रैफरी तेजस नागवेंकर ने लंबी सीटी बजाकर पेनल्टी किक का इशारा कर दिया। इसके बाद कमिंग्स ने करारा लेफ्ट फुटर शॉट लगाकर गेंद को बॉटम राइट कॉर्नर के अंदर पहुंचा दिया जबकि जमशेदपुर एफसी के गोलकीपर एल्बिनो गोमेज गलत अनुमान के साथ विपरीत दिशा की तरफ डाइव लगा बैठे।

पांच मिनट के स्टॉपेज टाइम के दौरान 90+4वें मिनट में मिडफील्डर अपुया ने इस सीजन का अपना पहला गोल करके मोहन बागान सुपर जायंट की बढ़त को दोगुना करते हुए स्कोर 2-0 (कुल गोल अंतर 3-2) कर दिया। मिडफील्डर अनिरुद्ध थापा बॉक्स के बायीं तरफ से गेंद को माइनस करके सेंटर किया, जहां मौजूद अपुया ने लगभग 25 गज की दूरी से करारा राइट फुटर शॉट लगाकर गेंद को टॉप राइट कॉर्नर के अंदर गोल जाल में उलझा दिया जबकि जमशेदपुर एफसी के गोलकीपर एल्बिनो गोमेज अपने बायीं तरफ डाइव लगाकर भी बचाव नहीं कर पाए।

पहला हाफ गोलरहित बराबरी पर रहा, क्योंकि दोनों ही टीमें गतिरोध तोड़कर बढ़त बनाने में नाकाम रहीं। लिहाजा, दोनों टीमें 0-0 की बराबरी के साथ हाफ टाइम ब्रेक पर गईं। गेंद पर ज्यादा नियंत्रण मोहन बागान सुपर जायंट का 77 फीसदी रहा। एमबीएसजी ने 17 प्रयास भी किए, जिनमें से सात शॉट टारगेट पर रखे लेकिन पूरे हाफ के दौरान दबदबा बनाए रखने के बावजूद गोल नहीं कर पाए। वहीं, गेंद पर 23 फीसदी कब्जा रखने वाली जमशेदपुर एफसी की ओर से चार प्रयास किए गए, जिनमें से एक शॉट टारगेट पर रहा, लेकिन गोल नहीं आया। हालांकि मिडफील्डर सौरभ दास ने गोल-लाइन सेव करके अपनी टीम को पिछड़ने से बचाया और उनके अलावा गोलकीपर एल्बिनो गोमेज ने कुछ अच्छे बचाव करके शतक (बचाव का) पूरा किया। इस दौरान मेजबान टीम बेहद आक्रामक रणनीति के साथ खेली, जिस कारण ज्यादातर खेल विपक्षी हाफ और बॉक्स के अंदर व आस-पास ही हुआ, जिसे रेड माइनर्स लगातार डिफेंस करते हुए दबाव झेलते रहे और अपने ऊपर गोल नहीं होने दिया।

बांग्लादेश टेस्ट सीरीज़ के लिए ज़िम्बाब्वे टीम में सीन विलियम्स और क्रेग एर्विन की वापसी

नई दिल्ली

ज़िम्बाब्वे ने बांग्लादेश के खिलाफ आगामी दो टेस्ट मैचों की सीरीज़ के लिए सोमवार को अपनी टीम की घोषणा कर दी है, जिसमें अनुभवी खिलाड़ी सीन विलियम्स और कप्तान क्रेग एर्विन की वापसी हुई है। दोनों खिलाड़ी फरवरी में आयरलैंड के खिलाफ खेले गए पिछले टेस्ट मुकाबले से बाहर रहे थे। विलियम्स पीठ की चोट के कारण नहीं खेल पाए थे, जबकि एर्विन व्यक्तिगत कारणों से अंतिम समय पर हट गए थे।

तीन बदलावों के साथ घोषित हुई टीम ज़िम्बाब्वे ने टीम में तीन बदलाव किए हैं। विकेटकीपर-बल्लेबाज़ तफाद्ज़वा त्सिगा की दो साल बाद टीम में वापसी हुई है। उन्होंने अपना डेब्यू वेस्टइंडीज़ के खिलाफ किया था। उन्हें जॉयलॉर्ड गुम्बी की जगह शामिल किया गया है।

वेलिंगटन मसाकाड्ज़ा की भी टेस्ट टीम में वापसी हुई है। उन्होंने अब तक तीन टेस्ट खेले हैं और आखिरी बार वेस्टइंडीज़ दौरे पर नजर आए थे। उन्हें न्यूमैन न्यामहुरी की जगह टीम में लिया गया है।

काइटानो बाहर, मदेवेरे को बरकरार रखा गया

शीर्ष क्रम के बल्लेबाज़ तकुजवानाशे काइटानो को इस सीरीज़ के लिए टीम में जगह नहीं मिली है। उनकी जगह वेस्ली मदेवेरे को स्क्वॉड में बरकरार रखा गया है। गौरतलब है कि एर्विन की अनुपस्थिति में मदेवेरे को आयरलैंड टेस्ट में आखिरी वक्त पर टीम में शामिल किया गया था।

कहां और कब होंगे मैच

ज़िम्बाब्वे और बांग्लादेश के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज़ क्रमश: सिलहट (20-24 अप्रैल) और चटगांव (28 अप्रैल-2 मई) में खेली जाएगी। यह ज़िम्बाब्वे का बांग्लादेश दौरे पर पहला टेस्ट सीरीज़ होगा, पिछली बार दोनों टीमों के बीच फरवरी 2020 में ढाका में एकमात्र टेस्ट खेला गया था।

सॉकर फुटबॉल प्रीमियर लीग

ब्रिटेन के लीसेस्टर में किंग पावर स्टेडियम में सॉकर फुटबॉल प्रीमियर लीग लीसेस्टर सिटी बनाम न्यूकैसल यूनाइटेड के दौरान न्यूकैसल यूनाइटेड के जैकब मर्फी ने लीसेस्टर सिटी के मैड्स हर्मानसेन को छकाते हुए अपनी टीम के लिए दूसरा गोल किया।

श्रीलंका में होने वाली त्रिकोणीय वनडे सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम घोषित

हरमनप्रीत की वापसी, काश्वी गौतम को पहली बार मिला मौका

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आगामी महिला त्रिकोणीय वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। यह सीरीज श्रीलंका में खेली जाएगी, जिसमें भारत, मेज़बान श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका की टीमें हिस्सा लेंगी। इस स्क्वॉड में नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर की वापसी हुई है, जिन्हें आयरलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान आराम दिया गया था।

टीम में सबसे अहम नाम काश्वी गौतम का है, जिन्हें पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने इस साल हुई विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में शानदार प्रदर्शन करते हुए 11 विकेट झटके थे और शिखा पांडे के साथ संयुक्त रूप से भारतीय गेंदबाजों में सबसे अधिक विकेट लेने वाली खिलाड़ी रहीं। काश्वी तेज़ गेंदबाजी के साथ-साथ निचले क्रम में तेज़ बल्लेबाजी करने की क्षमता भी रखती हैं, जिससे उन्हें यह मौका मिला।

टीम से बाहर होने वालों में रेनुका सिंह ठाकुर, पूजा वस्त्रकार और तितास साधु जैसी तेज़ गेंदबाज़ शामिल हैं, जो फिलहाल चोटिल हैं। वहीं शीर्ष क्रम की बल्लेबाज़ शेफाली वर्मा को एक बार फिर चयनकर्ताओं ने नजरअंदाज किया है। टीम में दो और नए नामों को भी शामिल किया गया है। बाएं हाथ की स्पिनर एन श्री चारनी और शुचि उपाध्याय। शुचि को पिछले साल सीनियर विमेंस वनडे ट्रॉफी में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट घोषित किया गया था। त्रिकोणीय सीरीज की शुरुआत 27 अप्रैल को भारत बनाम श्रीलंका मुकाबले से होगी, जबकि फाइनल मुकाबला 11 मई को खेला जाएगा। हर टीम को लीग चरण में चार मुकाबले खेलने होंगे और टॉप दो टीमें फाइनल में जगह बनाएंगी।

भारतीय महिला टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), प्रतीका रावल, हरलीन देओल, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यस्तिका भाटिया (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, अमनजोत कौर, काश्वी गौतम, स्नेह राणा, अरुंधति रेड्डी, तेजल हसबनीस, श्री चारनी, शुचि उपाध्याय।

रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप का समापन, आंध्र प्रदेश 18 पदक जीतकर शीर्ष स्थान पर

नई दिल्ली

लुधियाना के सराभा नगर स्थित लीज़र वैली स्केटिंग रिंग में पांच दिवसीय राष्ट्रीय पुरुष एवं महिला रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप 2025 का भव्य समापन हो गया।

स्पेशल ओलंपिक्स भारत के पंजाब चैप्टर की इस प्रतियोगिता में आंध्र प्रदेश ने 18 पदक जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

यह टूर्नामेंट स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड समर गेम्स 2027 की तैयारियों का हिस्सा था और इसका उद्देश्य बौद्धिक अक्षमता से ग्रस्त खिलाड़ियों के लिए जागरुकता फैलाना और उन्हें उच्च स्तर के मंच प्रदान करना था।

चैंपियनशिप के समापन अवसर पर राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा और लुधियाना के उपायुक्त हिमांशु जैन (आईएएस) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और इस आयोजन की सराहना की।

डॉ. मल्लिका नड्डा ने कहा, यह चैंपियनशिप केवल प्रतिस्पर्धा का मंच नहीं बल्कि समावेशन, गरिमा और हर खिलाड़ी की प्रतिभा को सम्मान देने का जरिया है। यहां हर कोई जुनून, आत्मविश्वास और समुदाय की भावना से जीतता है। उन्होंने पंजाब के एरिया डायरेक्टर परमजीत सचदेवा का धन्यवाद करते हुए कहा कि आइए, हम सब मिलकर एक ऐसे समाज की ओर बढ़ें, जहां हर खिलाड़ी को उसका हक़ और पहचान मिले। 2027 के स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड गेम्स की दिशा में यह पहला कदम है।

इस प्रतियोगिता में कुल 110 खिलाड़ी शामिल हुए, जिनमें 63 पुरुष और 47 महिला एथलीट शामिल थे। खिलाड़ी आठ अलग-अलग इवेंट्स - 30 मीटर स्ट्रेट, 30 मीटर स्लैलम, 100 मीटर, 300 मीटर, 500 मीटर, 1000 मीटर, रिले 2×200 मीटर और रिले 2×100 मीटर में उतरे। प्रतियोगिता में लगभग 60 कोच, स्वयंसेवक और अन्य स्टाफ ने भाग लिया।

पदक तालिका शीर्ष राज्यवार

- आंध्र प्रदेश – 18 पदक (6 स्वर्ण, 5 रजत, 7 कांस्य)
- गोवा – 15 पदक (4 स्वर्ण, 4 रजत, 7 कांस्य)
- हरियाणा – 15 पदक (7 स्वर्ण, 5 रजत, 3 कांस्य)
- गुजरात – 14 पदक (3 स्वर्ण, 5 रजत, 6 कांस्य)
- पंजाब – 13 पदक (6 स्वर्ण, 4 रजत, 3 कांस्य)
- चंडीगढ़ – 11 पदक (5 स्वर्ण, 3 रजत, 3 कांस्य)
- दिल्ली – 11 पदक (6 स्वर्ण, 3 रजत, 2 कांस्य)
- हिमाचल प्रदेश – 11 पदक (4 स्वर्ण, 2 रजत, 5 कांस्य)।
- महाराष्ट्र – 11 पदक (3 स्वर्ण, 3 रजत, 5 कांस्य)
- केरल – 8 पदक (1 स्वर्ण, 5 रजत, 2 कांस्य)।

29 हजार का आईफोन मिला मात्र 68 रूपए में

पंजाब यूनिवर्सिटी के बीटेक के एक स्टूडेंट निखिल बंसल ने स्नैपडील की वेबसाइट से 29 हजार का आईफोन 5एस गोल्ड सिर्फ 68 रूपए में खरीदा है। इस डील के बारे में निखिल ने बताया कि स्नैपडील की साइट पर आईफोन 5एस गोल्ड 99.7 प्रतिशत की छूट मिल रही थी। मैंने जैसे ही यह ऑफर देखा तुरंत ऑर्डर कर दिया। लेकिन उन्हें इस स्मार्टफोन की डिलिवरी नहीं की गई। कंपनी ने इसके पीछे तर्क दिया कि टेक्निकल प्रॉब्लम की वजह से यह ऑफर दिखाई दे रहा था जिसे कंपनी ने बाद में हटा लिया था। इस बात से गुस्साए निखिल ने उपभोक्ता कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने कोर्ट में बताया कि कंपनी की वेबसाइट पर आईफोन 5एस 99.7 प्रतिशत की छूट के साथ मिल रहा था। साथ ही यह भी दावा किया गया था कि 16 जीबी का यह फोन स्मार्टफोन के सभी दमदार फीचर्स के साथ मिलेगा। वहीं, स्नैपडील ने कोर्ट में टेक्निकल प्रॉब्लम का तर्क रखा जिससे यह ऑफर वेबसाइट पर दिखाई दिया था लेकिन बाद में इसे हटा भी लिया गया था। अच्छी बात यह है कि कोर्ट ने स्नैपडील के तर्क को खारिज करते हुए यह आदेश दिया कि निखिल को यह फोन अब उसी ऑफर के साथ यानी 68 रूपए में उपलब्ध कराया जाए। साथ ही स्नैपडील पर 2000 रूपए का जुर्माना भी ठोंका।

पीला रंग के फल व सब्जियां में सेहत के राज

पपीता, बेल, केला, कद्दू यह सब खुशी के रंग होते हैं। इनमें लाइकोपीन, बिटामिन-ए, सी, पोटेशियम, फलेवोनायड पाया जाता है ये पोषक पदार्थ ब्लडप्रेशर को नियंत्रिता करते हैं। इनके सेवन से कब्ज और गले की जलन से छुटकारा मिलता है। यह आपकी हेल्थ के अलावा बालों में चमक लाते है।

हिचकी रोकने के आसान उपाय

कहते है हिचकी तभी आती है जब कोई आपको दिल से याद करता है, लेकिन ऐसा नहीं है। जी हां हिचकी अचानक से मौसम बदलने, गर्म के बाद कुछ ठंडा खा लेने, सिगरेट पीने से और यहां तक कि ज्यादा चिंता करने तक से हिचकी आती है। जब भी हमें हिचकी आती हम कुछ देर के लिए परेशान हो जाते हैं। तो आज हम आपको बताने वाले हैं कुछ ऐसे ही आसान उपाय जिससे कुछ सेकेंड्स में ही हिचकी बंद की जा सकती है।

एक गिलास ठंडा पानी

ऐसा माना जाता है कि हिचकी आने पर तुरंत ठंडा पानी पिया जाए तो यह रुक जाती है। कुछ लोग का कहना है कि पानी पीते समय आपको अपनी नाक भी बंद करनी चाहिए।

एक चम्मच शहद

हिचकी को रोकने में शहद भी है फायदेमंद। हिचकी आने पर एक चम्मच शहद खाना फायदेमंद रहता है, अचानक से शरीर को मिलने वाली शहद की मिठास नर्व्स को संतुलित करती है।

कुछ पल के लिए सांस रोकें

जानकारों का मानना है कि, हिचकी आए तो अपनी सांसों को कुछ पल के लिए रोक लेना चाहिए। यह बहुत ही पुराना नुस्खा है और इससे हिचकी रोकने में मदद भी खूब मिलती है।

पीनट बटर खाएं

बताया जाता है कि पीनट बटर खाने से भी हिचकी दूर होती है। जब यह आपके दांत और जीभ से होते हुए खाने की नली में उतरता है तो इससे सांस लेने की क्रिया भी प्रभावित होती है और यह हिचकी रोकती है।

उंगलियों को मुंह में डालें

ये तरीका थोड़ा अजीब जरूर है लेकिन अगर बहुत ही ध्यान से अपनी उंगली को मुंह में ले जाने से भी हिचकी रोकने में मदद मिलती है। ध्यान रहे जल्दबाजी में ऐसा करने से आपको खासी आ सकती है।

गर्दन पर आइस बैग

हिचकी आने पर गर्दन पर आइस बैग या ठंडे पानी में भीगा कपड़ा रखने से भी मदद मिलती है।

भारतीय मसालों में जो बात होती है वो किसी अन्य मसालों में नहीं होती, भारतीय मसाले न सिर्फ खाने को स्वादिष्ट बनाते है बल्कि बिमारियों से भी दूर रखते है और आपके स्वाद से लेकर सौंदर्य तक का पूर्ण ख्याल रखते है, क्या आप जानते है की डेली इस्तेमाल में आने वाले मसालें हमारे लिए कितने फायदेमंद होते है।

स्वाद संग सौंदर्य भी बढ़ाएं भारतीय मसाले

हींग

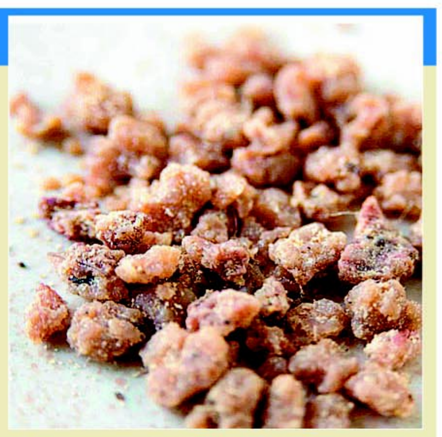

हेल्थ बेनिफिट्स

हींग के बिना दाल जैसे धागे के बिना सुई जी हां हींग के बगैर खाने में स्वाद नहीं आता, हींग का तड़का देने से खाना पौष्टिक व स्वादिष्ट बनता है। हींग हेल्थ बेनिफिट्स में भी अन्य तरीकों से काम आती है, कफ व पेट दर्द में आराम मिलता है, दांत दर्द होने पर गाल के बहरी हिस्से पर हींग का लेप लगाने से दर्द कम हो जाता है। नवजात शिशु को पेट दर्द होने पर नाभि के आसपास इसका लेप लगाने से बच्चे के पेट का दर्द दूर हो जाता है।

ब्यूटी बेनिफिट्स

हींग को गुलाबजल और मुल्तानी मिटटी में मिलाकर लगाने से झुर्रियां और चेहरे की बारीक लकीरे खत्म हो जाती है, इस फेस पैक को 15 मिनट तक लगाएं और फिर पानी से धो दें। हींग को कई अन्य तरीकों से भी इस्तेमाल किया जाता है जैसे टमाटर के गूदे में थोड़ी सी चीनी और हींग मिलाकर चेहरे पर लगाने से रंग निखरता है।

दालचीनी

हेल्थ बेनिफिट्स

दालचीनी का सबसे ज्यादा फायदा बी पी के पेशेंट को होता है, बी पी कम होने पर दालचीनी की छोटी टुकड़ी मुह में रखने से आराम मिलता है, जानकारी के लिए बता दें की दालचीनी में इंफ्लेमेटरी गुण होते है, चोट लगने पर इसका लेप लगाने से आराम मिलता है, इसका सेवन करने से ब्लड कोलेस्ट्रोल भी कम होता है, रोज सुबह खाली पेट एक टी स्पून दालचीनी पाउडर में शहद मिलाकर गुनगुने पानी के साथ लेने से फायदा होता है।

ब्यूटी बेनिफिट्स

दालचीनी खुबसूरती को निखारने में काफी फायदेमंद मानी जाती है, इसके एंटी बैक्टीरियल तत्त्व ब्लड सर्कुलेशन को इम्प्रूव करने में मदद करते है। ये पिम्पल्स के लिए फायदेमंद है, दालचीनी का पेस्ट बनाकर पिम्पल्स वाली जगह पर लगाएं, आप चाहे तो पूरे चेहरे पर लगा सकती है, इससे मुरझाई त्वचा खिल उठेगी।

धनिया

हेल्थ बेनिफिट

धनिया न सिर्फ खाने के काम ही नही आती है, यह गले के दर्द, एलर्जी, तेज बुखार व पाचन संबंधी समस्याएं दूर करती है। गर्मियों में पिसी मिश्री के साथ धनिया खाने से शरीर ठंडा रहता है।

ब्यूटी बेनिफिट्स

धनिया के बीज को रातभर पानी में भिगोकर रखें, सुबह उस पानी को ऑय ड्राप की तरह इस्तेमाल करें, ये न सिर्फ आंखों को क्लीन करेगा बल्कि ठंडक का एहसास भी देगा, इसका कूलिंग इफेक्ट आंखों को ब्राइट, शाइनी और साफ रखता है।

राई

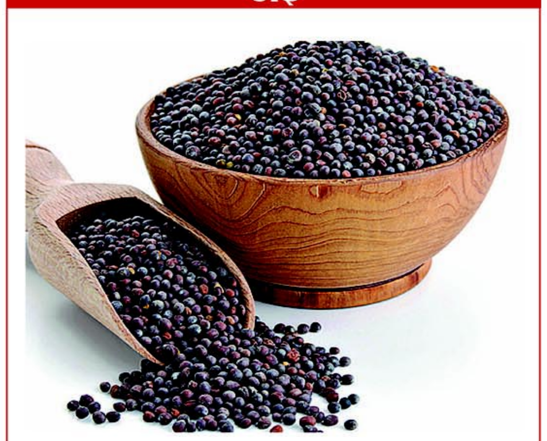

हेल्थ बेनिफिट्स

राई शरीर को स्वस्थ रखने और बिमारियों से लड़ने में काफी सहायक होती है, खासकर सर्दियों में रोज राई का सेवन करने से सर्दी व जमे हुए बलगम से निजात पा सकते है।

ब्यूटी बेनिफिट्स

राई नेचुरल सुंदरता के तौर पर भी काम करती है, राई नेचुरल स्क्रब का काम करती है, इसे लेवेंडर या रोज आयल में मिक्स करके लगाएं, एलोवेरा जेल में सरसों मिलाकर लगाने से त्वचा हाइड्रेट रहती है व राई का तेल बालों को भी मजबूत बनता है।

कम समय में एक्टिव रहने के उपाय

ऑफिस में थकान दूर कर रहें फिट

सुबह की भागदौड़ और लंबे वर्किंग आवर्स की वजह से ऑफिस जाने वाले लोगों में अक्सर थकान, कमजोरी, नर्वस ब्रेकडाउन, बॉडी पेन की शिकायतें मिलती हैं।

सुबह ऑफिस जाने की जल्दी में न तो ठीक से नाश्ता होता है और न ही एक्सरसाइज। इस वजह से सुबह उठकर भी हम फ्रेश महसूस नहीं करते हैं। स मय की कमी की वजह से ये सब होता है। इसलिए हम आपको बता रहे हैं 5 ऐसे ट्रिक्स। इसकी मदद से आप ऑफिस में सुबह से लेकर शाम तक रह सकते हैं फ्रेश और एक्टिव।

स्ट्रेचिंग

लंबे वक्त तक लैपटॉप और कंप्यूटर पर काम करने की वजह से शरीर और आंखों में दर्द होता है। इससे निजात पाने के लिए स्ट्रेचिंग एक बेहतर उपाय है। इसके लिए आप अपनी सीट से कुछ देर के लिए उठिए। दोनों हाथों को ऊपर उठाकर स्ट्रेच करिए। हाथों की अंगुलियों को घुमाएं। इस सब से मांस-पेशियों में खिंचाव आएगा और खून का बहाव भी सामान्य होगा।

तनाव को रखें दूर

ऑफिस में काम को लेकर तनाव होना आम बात है। अच्छा है कि 2-3 घंटों तक लागातार काम करने के बाद कुछ देर के लिए रेस्ट लें। दिमाग को डायवर्ट कर रिलैक्स मोड पर डाल दें।

आंखों को करें रिलैक्स

ज्यादा देर तक कंप्यूटर पर टकटकी लगाकर न देखें। हर एक घंटे में थोड़ी देर के लिए आखों को बंद कर लें। इससे आंखों पर लगातार पड़ रहे दबाव से मुक्ति मिलेगी। आंखें रिलैक्स होंगी। 30 सेकन्ड के लिए पलकों को बार-बार बंद करें और खोलें। यह आंखों की अच्छी एक्सरसाइज है।

मील

दिन में एक बार जमकर खाने से बेहतर है कि हर दो घंटों में एक कंप्लीट मील लें। इसके लिए जरूरी है कि आपकी हर मील पोषक तत्वों से भरी होनी चाहिए। इस मील में फ्रूट्स, वेजिटेबल्स, चना, पोहा खाना चाहिए। यह हेल्दी होने के साथ ही आसानी से पच भी जाता है। पोषक तत्वों से भरी ये मील आपको एनर्जेटिक भी रखेगी।

वाकिंग

दिनभर कुर्सी पर बैठे रहना सेहत के लिए बहुत खराब हो सकता है। इससे पेट पर फैट बढ़ने के साथ ही बैकबोन संबंधी बीमारी की शिकायत भी हो सकती है। बेहतर है कि कुर्सी से उठकर बीच-बीच में 5-10 मिनट की वॉक लेते रहें।

वैलनैस इंडस्ट्री में कॅरियर को बनाएं बेहतर

वैलनैस इंडस्ट्री के तहत विभिन्न तंदुरुस्ती तथा सौंदर्य सेवाएं आती हैं, जिनका आनंद कोई व्यक्ति किसी सैलून अथवा केंद्र में उठा सकता है। पहले यह एक असंगठित उद्योग था, लेकिन अब देश के सकल घरेलू उत्पाद यानि देश की आय में इसका योगदान महत्वपूर्ण है। एक अध्ययन के अनुसार देश में वैलनैस इंडस्ट्री के इस वर्ष के अंत तक 1 लाख करोड़ रुपए का कारोबार करने का अनुमान है। इसमें आपके लिए बेहतर कॅरियर के विकल्प मौजूद हैं।

प्रशिक्षण संस्थान...

हाल के वर्षों में वैलनैस इंडस्ट्री में कॅरियर बनाने का प्रशिक्षण देने वाले देश में कई संस्थान खुले हैं। ये संस्थान वैलनैस के क्षेत्र में ट्रेनिंग व एजुकेशन प्रदान कर रहे हैं। मंत्रा इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड फिटनेस मैनेजमेंट, ओरिएंट स्पा इंस्टीट्यूट, एनएसएचएम उड़ान स्किल्स फाऊंडेशन जैसे कुछ संस्थान अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रोग्राम्स तथा कोर्सेज करवा रहे हैं। ग्लोबल इंडियन ब्यूटी एक्स्पो 2014 आदि इसी का उदाहरण है। देश में वैलनैस इंडस्ट्री में उज्ज्वल भविष्य बनाने की अपार संभावनाएं हैं।

स्वरोजगार के भी अच्छे मौके...

यह भी अच्छी बात है कि जो लोग इस सेक्टर में स्वरोजगार शुरू करना चाहते हैं उन्हें भी वैलनैस से जुड़ी यूनिट्स खोलने के लिए आरंभ में ही अधिक धनराशि की जरूरत नहीं होती तथा न ही अधिक लोगों की जरूरत पड़ती है। इसलिए हम कह सकते हैं कि इस क्षेत्र में आपके लिए बेहरत कॅरियर विकल्प मौजूद है।

अपार संभावनाएं...

भारत आयुर्वेदिक ट्रीटमेंट्स तथा योगा के लिए एक ग्लोबल सेंटर बनता जा रहा है। हर्बल कॉस्मैटिक्स सेक्टर भी भारतीय वैल्नेस इंडस्ट्री में अपनी जगह पक्की करता जा रहा है। अनुमान है कि इसमें 7 प्रतिशत की दर से विकास होगा, क्योंकि अधिक से अधिक लोग रासायनिक उत्पादों को छोड़कर जैविक उत्पादों की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। हेल्थ ड्रिंक्स के रूप में न्यूट्रास्यूटिकल्स, स्लिमिंग टी, डाइटरी सप्लीमेंट्स आदि का सेवन भी कई गुणा बढ़ रहा है। इस सेग्मेंट के भी वर्ष 2016 तक बढ़कर 3212.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर होने की अपेक्षा है। वहीं ग्लोबल वैलनैस टूरिज्म सेग्मेंट के भी आम पर्यटन की अपेक्षा 50 प्रतिशत तेजी के साथ बढ़ने की संभावना है।

रेसिपी

वेज मंचूरियन

सामग्री

100 ग्राम गाजर, 100 ग्राम फूलगोभी, 100 ग्राम पता गोभी, 50 ग्राम शिमला मिर्च, 2 हरी मिर्च, हरा धनिया, 200 ग्राम कॉर्न फ्लार, 1 टे.स्पून चिली सॉस, 1 टी स्पून सोया सॉस, 1 टे.स्पून टमैटो सॉस, स्वादानुसार नमक, लाल मिर्च, गर्म मसाला, पिसा हुआ धनिया, तलने के लिए तेल

विधि

सारी सब्जियों को बारीक-2 काट लें या फिर कद्दूकस कर लें। अब उन सब सब्जियों में कॉर्न फ्लार डालकर अच्छी तरह मिलाया दें। इस मिश्रण में अपने स्वादा के अनुसार नमक, गर्म मसाला और एक हरी मिर्च बारीक काट कर मिला लें। अब इस मिश्रण से कोफ्ते तैयार कर लें। फिर कड़ाही में तेल डाल कर गरम तेल में कोफ्तों को अच्छी तरह ब्राउन तल लें। ग्रेवी बनाने के लिए कड़ाही में तेल डाल कर गर्म कर लें। जब तेल अच्छी तरह गर्म हो जाए तो उसमें प्याज डाल कर ब्राउन होने तक भूनतो रहे। जब वह अच्छी तरह ब्राउन हो जाएं तो इसमे नमक, गर्म मसाला, लाल मिर्च, सूखा धनिया सब मसाले डालकर अच्छी तरह से मिलाएं और उसमें हल्का सा पानी डालें। जब मसाला तेल छोड़ने लगे तो उसमें कोफ्ते डाल कर सोया सॉस, चिली सॉस और टॉमेटो सॉस डालकर मिक्स करें। अब वेज मंचूरियन को बारीक कटे हरे धनिये से सजाकर गर्मागर्म परोसें।

पंजाबी पिंडी चना

साम्रगी

एक कप काबुली चना, एक चम्मच अदरक का पेस्ट, आधा चम्मच का पेस्ट, दो प्याज पिसे हुए, दो हरी मिर्च पिसी हुई, दो से तीन टमाटर (प्यूरी तैयार करें), दो बड़ी इलायची, बड़ा टुकड़ा दालचीन, थोड़ा कूटा हुआ, आधा छोटा चम्मच बेकिंग सोडा (खाने वाला सोडा), दो चम्मच चाय पत्ती, एक चम्मच धनिया पाउडर, एक चम्मच छोला मसाला, एक चम्मच गरम मसाला, एक चम्मच लाल मिर्च पाउडर, स्वादानुसार नमक, तेल

विधि

एक कूकर में पानी के साथ काबुली चना डालें। उसमें चाय पत्ती वाली पोटली, बेकिंग सोडा (चाहें तो) और एक छोटा चम्मच नमक मिलाकर, कूकर का ढक्कन लगाएं और गैस पर तेज आंच में चने उबलने के लिए रख दें। कूकर की एक सीटी आने के बाद आंच मध्यम कर दें। 3-4 सीटी आने के बाद गैस बंद कर दें। कूकर का ढक्कन खोलें और सबसे पहले चने से चाय पत्ती की पोटली निकाल दें अब एक बड़े चम्मच से चनो को थोड़ा मैश करते हुए चलाएं। इसके बाद गैस पर एक कड़ाही में तेल गर्म करें। अब इसमें अदरक, लहसुन, हरी मिर्च और प्याज का पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर फ्राई करें। जब पेस्ट का रंग सुनहरा हो जाए और वह बड़ी चम्मच से चलाते समय कड़ाही में चिपकने लगे तब इसमें टमाटर की प्यूरी डालकर 5 मिनट तक पकाएं। अब ग्रेवी में धनिया पाउडर, गरम मसाला, लाल मिर्च पाउडर, छोला मसाला और नमक मिलाकर एक मिनट तक पकने दें। अब उबले चने पानी के साथ ग्रेवी में डालकर बड़ी चम्मच से चलाते हुए मिलाएं। मध्यम आंच पर सब्जी को 15 से 17 मिनट तक पकाएं। जब ग्रेवी और चने अच्छी तरह मिक्स होकर, थोड़े गाढ़े हो जाएं तो गैस बंद कर दें। मसालेदार लजीज पिंडी चना तैयार है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**